दिनमान तापमान
सूर्योदय 4.51 सूर्यास्त 6.18 अधिकतम 37° न्यूनतम 29°

वर्ष 18, अंक 345 पृष्ठ 12
कोलकाता, मंगलवार, 2 जून 2026
ज्येष्ठ, कृष्णपक्ष, द्वितीया, वि.सं. 2083

मूल्य: ₹ 3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक
युवा शक्ति
कोलकाता संस्करण www.yuvashaktinews.com

शुभेंदु अधिकारी की कैबिनेट का विस्तार

35 नए मंत्रियों ने शपथ ली

अब कुल 41 मंत्री, ममता का किला गिराने वालों को इनाम

नयी कैबिनेट में मतुआ-दलित व उत्तर बंगाल का दबदबा

अर्जुन सिंह व उमेश राय हिंदीभाषियों के प्रतिनिधि

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर एन रवि ने राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत पहले मंत्रिमंडल विस्तार में 35 विधायकों को सोमवार को मंत्री पद की शपथ दिलाई. इसके साथ ही मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की मंत्रिपरिषद में मंत्रियों की कुल संख्या बढ़कर 41 हो गई.इससे पहले 9 मई को शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, जिसके साथ अग्निमित्रा पाल, दिलीप घोष, निशीथ प्रमाणिक, अशोक कीर्तनिया और खुदीराम टुडु ने मंत्री पद संभाला था. कैबिनेट मंत्रियों में दीपक बर्मन, तपस रॉय, शंकर घोष, मनोज कुमार उरांव, अर्जुन सिंह, गौरी शंकर घोष, स्वपन दासगुप्ता, जगन्नाथ चट्टोपाध्याय, कल्याण चक्रवर्ती, अजय पोद्दार, शरद्वत मुखर्जी, दूध कुमार मंडल और अनुप कुमार दास शामिल हैं. राज्य मंत्रियों में जोएल मुर्मू, हरेकृष्ण बेरा, आनंदमय बर्मन, अशोक डिंडा, नदियार चंद बाउरी, विशाल लामा, शांतनु प्रमाणिक, मौमिता बिस्वास मिश्रा, उमेश राय, पूर्णिमा चक्रवर्ती, कौशिक चौधरी, भास्कर भट्टाचार्य, दिबाकर घरामी, अमिया किस्कू, कलिता माझी, गार्गी दास घोष, बिराज विश्वास, दीपंकर जना और सुमना सरकार को जगह मिली है. इसके अलावा, इंद्रनील खान, मालती राभा रॉय और राजेश महतो ने राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में शपथ ली.संविधान के 91वें संशोधन के अनुसार, राज्य मंत्रिमंडल में विधायकों की संख्या विधानसभा की कुल संख्या के 15% तक सीमित है. पश्चिम बंगाल में 294 विधायक हैं, इसलिए मंत्रिमंडल में अधिकतम 44 मंत्री हो सकते हैं.

मंत्रिमंडल विस्तार का बारीक विश्लेषण करें तो साफ पता चलता है कि भाजपा ने उन वर्गों को निराश नहीं किया है, जिन्होंने ममता बनर्जी के अभेद्य किले को ढहाने में अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी. इसके अलावा, मंत्रिमंडल में अर्जुन सिंह और उमेश राय को मंत्रिमंडल में जगह देकर हिंदी भाषियों को उचित प्रतिनिधित्व दिया गया है.अशोक कीर्तनिया को पहले ही जगह मिल चुकी थी और आज कलिता माजी, दिवाकर घरामी और नादिया चंद बाउरी जैसे चेहरों को शामिल कर भाजपा ने बंगाल के मतुआ और राजबंशी मतदाताओं को यह संदेश दिया है कि सत्ता में उनकी सीधी भागीदारी है.

शंकर घोष,आनंदमय बर्मन, विशाल लामा और मालती राभा राय को शामिल करना यह दिखाता है कि उत्तर बंगाल, जिसने हमेशा भाजपा का साथ दिया, अब राज्य की मुख्य नीति-निर्धारण प्रक्रिया का केंद्र बनेगा. जुएल मुर्मू और अमिय किस्कू की कैबिनेट में एंट्री झारखंड और ओडिशा से सटे बंगाल के आदिवासी जिलों में भाजपा की पकड़ को और संस्थागत बनाएगी.शुभेंदु अधिकारी की इस कैबिनेट के सामने चुनौतियां कम नहीं हैं. ममता बनर्जी के 15 साल के शासन के बाद प्रशासनिक तंत्र को राजनीति से मुक्त करना उनकी सबसे पहली प्राथमिकता होगी. चुनाव बाद की हिंसा और स्थानीय स्तर पर जबरन वसूली (कट-मनी) के खिलाफ शून्य सहिष्णुता की नीति लागू करना नए गृह मंत्री (जो संभवतः शुभेंदु अपने पास रख सकते हैं) के लिए सबसे बड़ी परीक्षा होगी.राज्य पर कर्ज का भारी बोझ है. ऐसे समय में लोक-लुभावन योजनाओं को जारी रखते हुए औद्योगिक निवेश को पेज 9 पर जारी

नए मंत्रियों की पूरी लिस्ट

कैबिनेट मंत्री

1. दीपक बर्मन
2. तापस राय
3. डा. शंकर घोष
4. मनोज कुमार उरांव
5. अर्जुन सिंह
6. गौरी शंकर घोष
7. स्वपन दासगुप्ता
8. जगन्नाथ चट्टोपाध्याय
9. कल्याण चक्रवर्ती
10. अजय पोद्दार
11. शारद्वत मुखर्जी
12. दूध कुमार मंडल
13. अनूप कुमार दास

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

14. डा. इंद्रनील खां
15. मालती राभा राय
16. राजेश महतो

राज्य मंत्री

17. जुएल मुर्मू
18. हरे कृष्ण बेरा
19. आनंदमय बर्मन
20. अशोक डिंडा
21. नादिया चंद बाउड़ी
22. विशाल लामा
23. शांतनु प्रमाणिक
24. मौमिता विश्वास मिश्रा
25. उमेश राय
26. पूर्णिमा चक्रवर्ती
27. कौशिक चौधरी
28. भास्कर भट्टाचार्य
29. दिवाकर रामी
30. अमिय किस्कू
31. कलिता माजी
32. गार्गी दास घोष
33. बिराज विश्वास
34. दीपांकर जाना
35. सुमना सरकार

पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने लगाए गंभीर आरोप

तृणमूल विधायकों को पार्टी छोड़ने के लिए धमका रही है पुलिस

कोलकाताः:तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सुप्रीमो ममता बनर्जी ने सोमवार को सरकार और पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए. उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस टीएमसी विधायकों को पार्टी छोड़ने और भाजपा में शामिल होने के लिए धमका रही है. बनर्जी ने बिना उचित पुनर्वास योजना के फेरीवालों पर की गई कार्रवाई की भी आलोचना की.

ममता ने कहाकि कैसे जो लोग मेरे पैरों पर झुकते थे, आज उल्टा-सीधा व्यवहार कर रहे हैं. ममता ने कहाकि टीएमसी और ज्यादा मजबूत बनकर उभरेगी. उन्होंने कहाकि जो लोग कह रहे हैं कि हमारी पार्टी के नेता कार्यकर्ताओं के साथ खड़े नहीं हो रहे हैं, वह झूठी खबरें फैला रहे हैं. इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा ने बाहर से लोगों को बुलाकर अभिषेक पर हमला किया. उन्हें खाना दिया गया. इससे जुड़े सबूत भी उनके पास हैं. ममता ने यह भी कहाकि समय आने पर मैं भी खेला करूंगी.

इजाजत नहीं मिली तो दिल्ली में होगा प्रदर्शन

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में पुलिस राज चल रहा है. उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर टीएमसी के वरिष्ठ नेताओं अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी को खत्म करने की कोशिश करने का आरोप लगाया. उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर कोलकाता में टीएमसी नेताओं पर हमलों के विरोध में प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी गई तो वह अपने विरोध प्रदर्शन को दिल्ली तक ले जाएंगी.पूर्व मुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को ऑनलाइन संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि टीएमसी ने कोलकाता के रानी रासमणि रोड पर धरना देने की अनुमति मांगी थी. लेकिन पुलिस ने इसकी इजाजत नहीं दी. उन्होंने इस फैसले को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया. उन्होंने कहा कि आंदोलन जारी रहेगा और जरूरत पड़ने पर वह राष्ट्रीय राजधानी में भी विरोध प्रदर्शन करेंगी. उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस डराने, गिरफ्तार करने और चुनावी हेरफेर के जरिये टीएमसी को कमजोर करने में भाजपा को मदद कर रही है. उन्होंने कहा, हमें धरना देने की अनुमति नहीं दी जा रही है. सड़क लगभग खाली रहती है और यह सिर्फ 100 लोगों का विरोध प्रदर्शन है. हमने पुलिस को पत्र दिया था. अगर वे वहां अनुमति नहीं देना चाहते थे तो कोई दूसरा स्थान सुझा सकते थे. अगर अनुमति नहीं मिली तो मैं अकेले दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करूंगी.हाल ही में टीएमसी के वरिष्ठ नेताओं अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी पर सियासी दौरों के दौरान हमले हुए हैं. इसके बाद ममता बनर्जी की ये टिप्पणियां सामने आई हैं. पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी इस हमले में घायल हुए थे और फिलहाल घर पर स्वस्थ हो रहे हैं.उन्होंने कहा, पुलिस टीएमसी को बैठकें और रैलियां करने की अनुमति नहीं दे रही है. एक-दो विधायकों को तोड़ लेने से टीएमसी कमजोर नहीं होगी. हमारे 2,500 पार्टी कार्यालय तोड़ दिए गए हैं. ईदगाहों पर कब्जा कर लिया गया है और मिशनरी संस्थानों को बंद कर दिया गया है. टीएमसी प्रमुख ने आरोप लगाया कि पार्टी समर्थकों को झूठे आपराधिक मामलों में फंसाने की धमकी दी जा रही है. उन्होंने कहा, हमारे कार्यकर्ताओं को धमकाया जा रहा है कि अगर वे बैठकों में शामिल हुए तो उनके खिलाफ अवैध हथियार और मादक पदार्थों के झूठे मामले दर्ज किए जाएंगे.

पार्श्व गायिका सुमन कल्याणपुर का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

मुंबईः ''रहें न रहें हम'' गीत की मार्मिक धुनों के बीच प्रख्यात पार्श्व गायिका सुमन कल्याणपुर का सोमवार का यहां राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया. लता मंगेशकर और आशा भोसले की समकालीन रहीं सुमन कल्याणपुर को वह पहचान और सम्मान शायद कभी पूरी तरह नहीं मिल पाया, जिसकी वह हकदार थीं. ''ना तुम हमें जानो'' जैसे भावपूर्ण गीतों से लेकर ''आज कल तेरे मेरे प्यार के चर्चे'' जैसे लोकप्रिय गीतों को अपनी मधुर आवाज देने वाली सुमन कल्याणपुर का रविवार देर रात उनके घर पर उम्र संबंधी समस्याओं के चलते निधन हो गया. वह 89 वर्ष की थीं. सांताक्रूज़ श्मशान घाट में उनके पार्थिव शरीर को तिरंगे में लपेटा गया और मुंबई पुलिस के जवानों ने उन्हें औपचारिक सलामी दी. उनकी बेटी चारू ने अंतिम संस्कार की रस्में पूरी कीं. चिता को अग्नि दिए जाने के दौरान परिजनों, मित्रों और शुभचिंतकों ने 1966 की फिल्म ''ममता'' का यादगार गीत ''रहें न रहें हम, महका करेंगे'' गाकर दिग्गज गायिका को अंतिम विदाई दी.

मंगेशकर बहनों के दबदबे वाले दौर में भी सुमन कल्याणपुर ने अपनी अलग पहचान बनाई और अपनी प्रतिभा के दम पर संगीत जगत में अमिट छाप छोड़ी.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारतीय संगीत को समृद्ध बनाने वालीं सुमन कल्याणपुर का निधन भारतीय कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है. उन्होंने हिंदी और मराठी समेत अनेक भारतीय भाषाओं में अपने मधुर गायन पेज 9 पर जारी

जेईई एडवांस्ड 2026: शुभम कुमार ने हासिल की पहली रैंक

लड़कियों में आरोही देशपांडे शीर्ष पर रहीं

नई दिल्लीः संयुक्त प्रवेश परीक्षा (एडवांस्ड) 2026 के नतीजे सोमवार को घोषित हुए, जिसमें दिल्ली जोन के शुभम कुमार ने 360 में से 330 अंक हासिल करके शीर्ष स्थान प्राप्त किया जबकि लड़कियों में आरोही देशपांडे ने बाजी मारी. जेईई (एडवांस्ड) 2026 में कुल 56,880 अभ्यर्थी सफल हुए, जिनमें 10,107 छात्राएं और 46,773 छात्र शामिल हैं. परीक्षा में शामिल हुआ इकलौता 'थर्ड जेंडर' छात्र सफल नहीं हो सका. दिव्यांग (पीडब्ल्यूडी) श्रेणी में 3,052 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 2,864 ने दोनों पेपर दिये और 887 सफल रहे.भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली जोन के शुभम कुमार ने कॉमन रैंक लिस्ट (सीआरएल) में 360 में से 330 अंक हासिल करके पहला स्थान प्राप्त किया. इसी जोन की अरोही देशपांडे शीर्ष रैंक हासिल करने वाली छात्रा बनीं.

Shubham Kumar · Aarohi Deshpande

उन्होंने 360 में से 280 अंक प्राप्त करके पूरे देश में 77वीं रैंक हासिल की. कबीर छिल्लर ने 329 अंक प्राप्त करके दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि जतिन चाहर 319 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे. शीर्ष स्थान पर रहे शुभम कुमार ने कहा, मैं पिछले दो साल से जेईई एडवांस्ड की तैयारी कर रहा था और मुझे उम्मीद थी कि मेरी मेहनत अच्छी रैंक दिलाएगी. अब जब मैंने पूरे देश में पहला स्थान हासिल कर लिया है तो बहुत खुशी हो रही है.

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की द्वारा जारी परिणाम आंकड़ों के अनुसार 1,87,389 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 1,79,694 अभ्यर्थियों ने 17 मई को आयोजित जेईई (एडवांस्ड) 2026 के दोनों पेपर दिए. जोनवार परिणामों में आईआईटी मद्रास जोन से सर्वाधिक 14,294 अभ्यर्थी सफल हुए, इसके बाद आईआईटी बॉम्बे से 12,389 और आईआईटी दिल्ली से 10,697 अभ्यर्थियों ने सफलता हासिल की.

परीक्षा में शामिल उम्मीदवार जेईई एडवांस्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर अपना परिणाम देख सकते हैं और अंतिम उत्तर कुंजी डाउनलोड कर सकते हैं. जेईई (एडवांस्ड) देश के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) और अन्य प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थानों में स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए मुख्य परीक्षा है.

विधायक संदीपन और ऋतब्रत तृणमूल से निष्कासित

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने अपने दो विधायकों पर बड़ी कार्रवाई की है. टीएमसी ने संदीपन साहा और ऋतब्रत बनर्जी को पार्टी से बाहर निकाल दिया है. इन दोनों नेताओं पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है. टीएमसी नेतृत्व ने अनुशासन बनाए रखने के लिए यह कड़ा फैसला लिया. पार्टी ने साफ कर दिया है कि अनुशासनहीनता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगी. अब ये दोनों नेता पार्टी का हिस्सा नहीं रहेंगे. यह फैसला उस समय आया जब मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य सचिवालय में एक मीडिया वार्ता की. उन्होंने बताया कि इन दोनों विधायकों ने विधानसभा में 'फर्जी हस्ताक्षर' से जुड़े एक मामले में शिकायत दर्ज कराई थी. यह मामला शोभनदेब चट्टोपाध्याय को विपक्ष का नेता चुनने से संबंधित था. इस खुलासे के कुछ ही मिनटों बाद पार्टी ने निष्कासन का आदेश जारी कर दिया. पार्टी की उपाध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने इस आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं. विधायकों को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि वे टीएमसी के उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीते थे.

फर्जी लक्ष्मी भंडार खातों की जांच कराएगी बंगाल सरकार

सीएम शुभेंदु का निर्देश : एसआईटी गठित करें डीजीपी

करीब 30 लाख खाते फर्जी, कई पुरुषों के भी नाम

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में महिलाओं की लक्ष्मीर भंडार योजना में बड़े फर्जीवाड़े का दावा किया गया है. मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि करीब 30 लाख खाते फर्जी पाए गए हैं. मामले की जांच के लिए एसआईटी बनाई जाएगी. सरकार का आरोप है कि महिलाओं की योजना का लाभ पुरुषों ने भी गलत तरीके से लिया.इसी मामले को लेकर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य के पुलिस महानिदेशक को विशेष जांच दल यानी एसआईटी बनाने का निर्देश दिया है. सरकार का कहना है कि योजना के नाम पर बड़े स्तर पर गड़बड़ी हुई और अब इसकी पूरी जांच कराई जाएगी.

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने नबान्न सचिवालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि लक्ष्मीर भंडार योजना में करीब 30 लाख खाते फर्जी पाए गए हैं. उन्होंने कहा कि यह सिर्फ फर्जीवाड़ा नहीं बल्कि मनी लॉन्ड्रिंग का मामला भी हो सकता है. मुख्यमंत्री के अनुसार कई ऐसे लोगों ने भी इस योजना का लाभ लिया जो इसके पात्र ही नहीं थे. उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए बनाई गई योजना में पुरुषों के नाम पर भी पैसे निकाले गए.

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि जांच में सामने आया है कि कई पुरुषों ने गलत दस्तावेज देकर महिलाओं की आर्थिक सहायता योजना का फायदा उठाया. उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है. सरकार का आरोप है कि पुराने तृणमूल कांग्रेस शासन के दौरान इस योजना में बड़े स्तर पर लापरवाही हुई. अब सरकार गांव और वार्ड स्तर तक जांच कर फर्जी लाभार्थियों की पहचान करेगी. सरकार के अनुसार एसआईटी सिर्फ फर्जी खातों की जांच नहीं करेगी बल्कि यह भी देखा जाएगा कि सरकारी पैसा किन खातों में गया और किस तरह निकाला गया. मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां जरूरत होगी वहां मनी लॉन्ड्रिंग की जांच भी कराई जाएगी. सरकार का मानना है कि कई खातों के जरिए अवैध तरीके से पैसे ट्रांसफर किए गए. जांच एजेंसियां बैंक रिकॉर्ड और दस्तावेजों की भी जांच करेंगी.

बंगाल में महिलाओं के लिए फ्री सरकारी बस सेवा शुरू

भाजपा बोली- एक महीने के भीतर पूरा किया वादा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनावी 'संकल्प पत्र' में किए गए वादे के अनुसार, राज्य परिवहन की बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा सोमवार से पूरे राज्य में शुरू हो गई. हालांकि, राज्य परिवहन विभाग के निर्देश के अनुसार इस सुविधा का लाभ लेने वाली महिलाओं को अपनी पहचान और पश्चिम बंगाल की निवासी होने का प्रमाण देने के लिए सरकार द्वारा मान्य किसी एक पहचान पत्र को साथ रखना अनिवार्य होगा. परिवहन विभाग से मान्य पहचान पत्रों की सूची में आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी), ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड, आयुष्मान भारत हेल्थ कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केंद्र या राज्य सरकार, सार्वजनिक उपक्रमों और सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों से जारी फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, स्कूल/कॉलेज/विश्वविद्यालय से जारी आधिकारिक पहचान पत्र तथा पश्चिम बंगाल सरकार से जारी कोई अन्य फोटोयुक्त पहचान पत्र शामिल हैं.

महिलाओं को मुफ्त यात्रा सुविधा का लाभ लेने के लिए इनमें से कोई एक पहचान पत्र दिखाना होगा. सोमवार सुबह से यह व्यवस्था लागू होने के बाद, महिलाओं ने जब इनमें से कोई एक पहचान पत्र दिखाया तो बस परिचालकों (कंडक्टरों) ने उन्हें मुफ्त टिकट जारी किया. यह सुविधा छोटी और लंबी दूरी, दोनों तरह की राज्य संचालित बसों में उपलब्ध है. परिवहन विभाग ने बस कंडक्टरों को इस नई व्यवस्था और शून्य मूल्य टिकट जारी करने की प्रक्रिया का प्रशिक्षण भी दिया है. फिलहाल कुछ समय तक महिलाओं को मुफ्त यात्रा के लिए इनमें से कोई एक पहचान पत्र दिखाना होगा. बाद में आवेदन के आधार पर प्रत्येक महिला को उसकी फोटो और नाम वाला एक स्मार्ट कार्ड (क्यूआर कोड युक्त डिजिटल कार्ड) जारी किया जाएगा. इसके लिए आवेदन बीडीओ या पेज 9 पर जारी

कलिता माझी? घरेलू सहायिका से मंत्री बनने तक का सफर

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में कैबिनेट विस्तार के तहत 35 नए मंत्रियों ने सोमवार सुबह 11 बजे कोलकाता के लोक भवन में शपथ ली. राज्यपाल आर एन रवि ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई. 35 नए मंत्रियों में सबसे चर्चित नामों में एक नाम ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा.

वो कलिता माझी हैं. इन्होंने राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार के तौर पर शपथ ली. कलिता माझी ने बीजेपी के टिकट पर ऑउसग्राम विधानसभा सीट जीतकर एक असाधारण चुनावी सफर तय किया है. कलिता माझी की तारीफ खुद प्रधानमंत्री कर चुके हैं.

कलिता माझी एक घरेलू सहायिका के तौर पर काम करती हैं. वह दूसरों के घरों में जाकर बर्तन धोती थीं और घर के कामकाज करती थीं. यही काम उनके परिवार के भरण-पोषण का एकमात्र जरिया रहा है. दरअसल चुनाव प्रचार के दौरान भी उन्होंने अपने इस काम से कोई छुट्टी नहीं ली थी. इन कामों से वह हर महीने 2,500 रुपये कमाती थीं. माझी के लिए 4 मई का दिन अविस्मरणीय साबित हुआ. उस दिन बर्तन धोकर अपना गुजारा करने वाली कलिता माझी विधानसभा सदस्य बन गईं. इस जीत के बाद उनकी खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा.

कलिता माझी पश्चिम बंगाल के आउसग्राम विधानसभा क्षेत्र में विधायक हैं. उन्होंने विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार श्यामा प्रसन्न लोहार को करारी शिकस्त दी थी. कलिता माझी को 107,692 वोट मिले, जबकि श्याम लोहार को 95,535 वोट मिले. माझी ने 12,692 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की थी. माझी की जीत की बदौलत औसग्राम में पहली बार बीजेपी का 'कमल' खिला था. दरअसल आउसग्राम विधानसभा क्षेत्र अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित थी.

विद्यापति पर्व समारोह में दिखी मैथिली संस्कृति की झलक

मैथिल युवा सामाजिक विकास मंच का वार्षिकोत्सव संपन्न

कोलकाता : कोलकाता स्थित गैर सरकारी संस्था मैथिल युवा सामाजिक विकास मंच के तत्वावधान में रविवार शाम मुकुंदपुर स्कूल ग्राउंड में विद्यापति पर्व समारोह का भव्य आयोजन किया गया. समारोह पश्चिम बंगाल के पंचायत एवं कृषि विपणन मंत्री दिलीप घोष तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ सुभाष सरकार सहित कई गणमान्य लोग अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि, दिलीप घोष द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया. अपने संबोधन में दिलीप घोष ने मिथिला की संस्कृति एवं सभ्यता की सराहना करते हुए कहा कि मिथिलावासी अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को इसी प्रकार संरक्षित एवं संवर्धित करते रहें. कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जादवपुर जिला संगठनात्मक सभापति मनोरंजन जोधा, उपसभापति गोविन्द जी, महासचिव मौसमी दास, युवा मोर्चा महासचिव कुंदन साह, उपसभापति पंकज झा, मंडल-1 सभापति सजल राय, समाजसेवी प्रकाश झा सहित मिथिला एवं मैथिली समाज की अनेक संस्थाओं के गणमान्य पदाधिकारी एवं सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे.समारोह में मैथिली भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं सामाजिक एकता को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया गया. समारोह के दौरान मिथिलांचल के विख्यात गायकों ने महाकवि विद्यापति रचित गीतों की प्रस्तुति देकर मैथिली संस्कृति की अद्भुत छटा बिखेरी. जिन कलाकारों ने परंपरागत मैथिली गीतों से समां बांधा उनमें पंडित कुंज बिहारी मिश्र, डा. चंद्रमणि झा, सुरेश पंकज, रामबाबू झा, माधव राय, आदित्य ठाकुर, रोशन झा, जुली झा व अन्य कलाकार शामिल थे. कार्यक्रम के दौरान संस्था की ओर से पंडित कुंज बिहारी मिश्रा को मिथिल मणि, गायक सुरेश पंकज को मिथिला मणि, उद्घोषक सह गायक, कवि राधे भाई एवं समाज सेवी विष्णु झा जी को मिथिला वैभव सम्मान से सम्मानित किया गया.

संस्था के संस्थापक अध्यक्ष प्रेम के मुताबिक संस्था का मुख्य उद्देश्य कन्या विवाह में मदद करना एवं बेरोजगारों के लिए रोजगार का प्रबंध करना है.आयोजन को सफल बनाने में संस्था की अध्यक्ष मालती झा, लक्ष्मी कांत झा, सुनील पाठक, उमेश मिश्रा, प्रमोद मिश्रा, जतिंद्र नाथ मिश्रा, विभूति राय, राजेश पांडे, सुमित सिंह, त्रिलोक नाथ झा, दुर्गेन्द्र झा सहित संस्था के अन्य कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी रही.

कलकत्ता उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता से मंत्री तक : श्रीरामपुर के भास्कर भट्टाचार्य का राजनीतिक उदय

हुगली : राजनीति में कुछ यात्राएं संघर्ष, समर्पण और निरंतर प्रयास की मिसाल बन जाती हैं. श्रीरामपुर के विधायक भास्कर भट्टाचार्य की यात्रा भी इसी का उदाहरण है. कलकत्ता उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता, प्रबंधन विशेषज्ञ, संगठनकर्ता और जननेता के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले भास्कर भट्टाचार्य ने सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार में राज्य मंत्री के रूप में शपथ लेकर अपने सार्वजनिक जीवन की एक नई जिम्मेदारी संभाली.भास्कर भट्टाचार्य का व्यक्तित्व शिक्षा, पेशेवर दक्षता और राजनीतिक अनुभव का अनूठा संगम है. कॉमर्स के छात्र रहे भास्कर ने प्रबंधन (मैनेजमेंट) की डिग्री प्राप्त की. इसके बाद उन्होंने कानून के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई और कलकत्ता उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में प्रतिष्ठा अर्जित की. कानूनी मामलों की गहरी समझ और प्रभावशाली पैरवी ने उन्हें न्यायिक क्षेत्र में सम्मान दिलाया. साथ ही वे केंद्र सरकार की एक संस्था में निदेशक के पद पर भी कार्य कर चुके हैं, जिससे उन्हें प्रशासनिक और प्रबंधकीय अनुभव प्राप्त हुआ.राजनीति में उनका उदय संगठन के माध्यम से हुआ. भारतीय जनता पार्टी के पश्चिम बंगाल मानवाधिकार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक के रूप में उन्होंने राज्य भर में मानवाधिकार से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाया. उनकी सक्रियता और संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए पार्टी ने उन्हें अविभाजित हुगली जिला भाजपा का अध्यक्ष बनाया. जिलाध्यक्ष के रूप में उन्होंने संगठन विस्तार, कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण और पार्टी को मजबूत करने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.भास्कर भट्टाचार्य उन नेताओं में गिने जाते हैं जिन्होंने संगठन में रहकर हर जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाया. प्रदेश नेतृत्व ने उन्हें समय-समय पर जो भी दायित्व सौंपा, उन्होंने उसे पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ पूरा किया. इसी कारण वे धीरे-धीरे भाजपा के भरोसेमंद नेताओं में शामिल होते गए.हालांकि उनका राजनीतिक सफर चुनौतियों से भी भरा रहा. वर्ष 2016 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने उन्हें श्रीरामपुर विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया था. उस समय उन्हें सफलता नहीं मिली. लेकिन हार के बाद भी उन्होंने क्षेत्र नहीं छोड़ा. वे लगातार जनता के बीच बने रहे, स्थानीय समस्याओं को उठाते रहे और संगठन को मजबूत करने में जुटे रहे.उनकी वर्षों की मेहनत का परिणाम तब सामने आया जब उन्होंने श्रीरामपुर विधानसभा क्षेत्र से शानदार जीत दर्ज की. यह जीत केवल एक विधायक बनने की उपलब्धि नहीं थी, बल्कि लंबे संघर्ष, राजनीतिक धैर्य और जनता के विश्वास की जीत भी थी. श्रीरामपुर जैसे ऐतिहासिक और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र से मिली इस सफलता ने उन्हें राज्य राजनीति के प्रमुख चेहरों में शामिल कर दिया.अब राज्य मंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद भास्कर भट्टाचार्य की जिम्मेदारियां और बढ़ गई हैं. मंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद भास्कर भट्टाचार्य ने 'हिन्दुस्थान समाचार' से कहा कि विधायक से मंत्री बनने के बाद मेरी जिम्मेवारियां बढ़ गई हैं. पहले में श्रीरामपुर का विधायक था तो मेरी जिम्मेवारी श्रीरामपुर तक सीमित थी. लेकिन अब मंत्री बनने के बाद मेरी जिम्मेवारी पूरे राज्य के प्रति हो गई है. अब मुझे पूरे राज्य के लिए सोचना होगा और विकास के लिए काम करना होगा.

हमारे मुख्य मंत्री शुभेंदु अधिकारी जो भी दिशा निर्देश देंगे उसके अनुसार हम काम करेंगे.

बहरहाल, राज्य मंत्री भास्कर भट्टाचार्य का यह सफर इस बात का प्रमाण है कि निरंतर परिश्रम, संगठन के प्रति समर्पण और जनसेवा का संकल्प व्यक्ति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है. श्रीरामपुर से शुरू हुई यह यात्रा अब पश्चिम बंगाल की सत्ता के केंद्र तक पहुंच चुकी है.

प्रगति की लय: यात्री सुविधा व सुरक्षा हेतु हर पल समर्पित है पूर्व रेलवे

कोलकाता : एक मधुर संगीत की तरह, रेलवे नेटवर्क भी सामंजस्य पर आधारित होता है. प्लेटफॉर्म पर टिक-टिक करती हर घड़ी, वातावरण में गूंजती हर उद्घोषणा और चमकते हुए प्रत्येक डिस्प्ले बोर्ड मिलकर एक ऐसी लय का निर्माण करते हैं, जो सुरक्षित, आरामदायक और निर्बाध यात्रा का आधार बनती है. प्रत्येक यात्रा को यादगार बनाने के लिए चौबीसों घंटे कार्य करने के संकल्प के साथ, महाप्रबंधक मिलिंद देऊस्कर के नेतृत्व में पूर्व रेलवे ने अप्रैल 2026 के मात्र एक महीने के दौरान अपने स्टेशनों पर व्यापक परिवर्तन किए हैं. यह केवल तकनीकी उन्नयन की सूची नहीं है, बल्कि उन लाखों यात्रियों के प्रति एक भावनात्मक प्रतिबद्धता है जो प्रतिदिन अपने जीवन और सपनों के लिए रेलवे पर भरोसा करते हैं. इन प्रयासों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यात्रा के हर चरण में यात्रियों को सुरक्षा, सुविधा और आत्मीयता का अनुभव हो.

व्यस्त रेलवे प्लेटफॉर्म पर कदम रखते समय यात्रियों को कभी-कभी भ्रम और असुविधा का सामना करना पड़ता है, लेकिन पूर्व रेलवे अब इस भ्रम को स्पष्टता और चिंता को विश्वास में बदल रहा है. ट्रेन के कोच की सही स्थिति जानना अब पूरी तरह आसान हो गया है. हावड़ा मंडल के साइंथिया स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 1 एवं 2 तथा आजिमगंज स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 6 पर कुल 58 नए कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्ड लगाए गए हैं, जिससे यात्री आत्मविश्वास के साथ अपने कोच के आगमन स्थल पर खड़े हो सकेंगे. वहीं, प्रतिदिन हजारों यात्रियों की आवाजाही वाले प्रतिष्ठित सियालदह स्टेशन पर एक विशाल आउटडोर वीडियो वॉल स्थापित की गई है, जो वास्तविक समय में ट्रेन संबंधी महत्वपूर्ण सूचनाएं प्रदर्शित करेगी ताकि कोई भी यात्री आवश्यक जानकारी से वंचित न रहे. इसके साथ ही, कैनिंग स्टेशन पर सार्वजनिक संबोधन प्रणाली को सुदृढ़ बनाया गया है ताकि महत्वपूर्ण सुरक्षा घोषणाएं स्टेशन के हर कोने तक स्पष्ट रूप से पहुँच सकें. समय की सटीक जानकारी उपलब्ध कराने और यात्रियों की यात्रा को सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए कैनिंग एवं मध्यमग्राम स्टेशनों पर 10 अतिरिक्त जीपीएस आधारित प्लेटफॉर्म घड़ियां भी लगाई गई हैं.

पूर्ण सुरक्षा के बिना वास्तविक सुविधा संभव नहीं है. इसी उद्देश्य से पूर्व रेलवे ने पर्दे के पीछे रहकर ऐसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए हैं जो यात्रियों और उनके प्रियजनों की सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करते हैं. रेलवे फाटकों पर सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए हावड़ा मंडल के मसाग्राम और गुड़ाप सहित सियालदह मंडल के बनगांव, बारासात, काकद्वीप तथा लक्ष्मीकांतपुर स्टेशनों के अंतर्गत कुल 12 इंटरलॉक्ड समपार फाटकों पर वॉयस रिकॉर्डिंग सुविधा युक्त उन्नत गेट टेलीफोन लगाए गए हैं. इससे गेटकीपर और स्टेशन मास्टर के बीच होने वाला संचार सुरक्षित, स्पष्ट और रिकॉर्डेड रहेगा. डिजिटल सेवाओं को भी और अधिक सशक्त बनाया गया है. सियालदह स्टेशन पर ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीनों के लिए कनेक्टिविटी को उन्नत किया गया है, जिससे टिकट लेने के लिए लगने वाली लंबी कतारों में कमी आएगी. वहीं, आवश्यक माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु आसनसोल और दुर्गापुर गुड्स शेडों में 8 नए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं. रेलवे संचार प्रणाली को निर्बाध बनाए रखने के लिए सोदपुर ऑप्टिकल फाइबर हट में पुराने बैटरी सेटों को बदलकर अत्यधिक विश्वसनीय नई प्रणालियां स्थापित की गई हैं.

इसके अतिरिक्त, मालदा मंडल के बासुदेवपुर में नव-निर्मित इंटरमीडिएट ब्लॉक हट में डेटा लॉगर और सुरक्षा प्रणालियों सहित अत्याधुनिक दूरसंचार उपकरण सफलतापूर्वक चालू किए गए हैं, जो ट्रेनों के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखने और दुर्घटनाओं की संभावना को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे. अप्रैल 2026 के दौरान बिछाई गई प्रत्येक तार, स्थापित किया गया प्रत्येक कैमरा और समन्वित की गई प्रत्येक घड़ी पूर्व रेलवे और उसके यात्रियों के बीच गहरे भावनात्मक संबंध का प्रतीक है. इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझी ने कहा कि रेलवे स्टेशन केवल कंक्रीट और लोहे की संरचना नहीं है, बल्कि यह भावनाओं, मिलन और नई शुरुआतों का केंद्र है.

प्रधानाध्यापक से कैबिनेट मंत्री तक अरूप दास का सफर

कांथी : पश्चिम बंगाल की नई सरकार के मंत्रिमंडल का सोमवार को विस्तार किया गया, जिसमें दक्षिण कांथी के विधायक अरूप कुमार दास को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है. उनके मंत्री बनने की खबर से कांथी महकमा क्षेत्र में खुशी का माहौल है.अरूप कुमार दास राजनीति में आने से पहले कांथी हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक थे. उन्होंने भौतिकी विषय में स्नातकोत्तर (एमएससी) की पढ़ाई की है. शिक्षा के क्षेत्र में उनकी विशेष पहचान रही है. वे स्कूल के अलावा कई विद्यार्थियों को नि:शुल्क पढ़ाते थे, जिसके कारण इलाके में उन्हें एक सम्मानित शिक्षक के रूप में जाना जाता है.वर्ष 2021 में उन्होंने शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा. उसी वर्ष दक्षिण कांथी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़कर पहली बार विधायक निर्वाचित हुए. बाद में उन्होंने कांथी जिले के भाजपा अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाली.अरूप कुमार दास कांथी नगरपालिका के वार्ड संख्या आठ के निवासी हैं और स्थानीय स्तर पर पार्षद के रूप में भी कार्य कर चुके हैं. वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने दूसरी बार दक्षिण कांथी सीट से जीत दर्ज की. इसके बाद उन्हें राज्य मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री के रूप में शामिल किया गया.पूर्वी मेदिनीपुर जिले से अरूप कुमार दास के अलावा भगवानपुर के विधायक शांतनु प्रमाणिक, मयना के विधायक अशोक डिंडा तथा तमलुक के विधायक एवं चिकित्सक डॉ. हरेकृष्ण बेड़ा को भी मंत्रिमंडल में स्थान मिला है.स्थानीय लोगों का कहना है कि एक शिक्षक से मंत्री बनने तक का अरूप कुमार दास का सफर युवाओं के लिए प्रेरणादायक है. उनके मंत्री बनने से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है.

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी, तृणमूल पंचायत सदस्य गिरफ्तार

पूर्व मेदिनीपुर : नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने के आरोप में पूर्व मेदिनीपुर जिले के तमलुक स्थित उत्तर सोनामुई ग्राम पंचायत की वर्तमान सदस्य और पूर्व प्रधान काजल बेरा को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. तमलुक थाना पुलिस ने अदालत द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट के आधार पर रविवार रात उनके घर पर छापेमारी कर उन्हें गिरफ्तार किया.पुलिस सूत्रों के अनुसार, काजल बेरा के खिलाफ बेरोजगार युवक-युवतियों को नौकरी दिलाने का झांसा देकर बड़ी रकम लेने और वादा पूरा नहीं करने का आरोप है. इस मामले में पहले से थाना में शिकायत दर्ज थी और मामला अदालत में विचाराधीन था. अदालत में लगातार अनुपस्थित रहने के कारण उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था.जांच में यह भी सामने आया है कि काजल बेरा के खिलाफ चेक बाउंस से जुड़े कई अन्य वित्तीय मामलों की भी शिकायतें दर्ज हैं. आरोप है कि उन्होंने सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी दिलाने का भरोसा देकर कई लोगों से पैसे लिए, लेकिन किसी को नौकरी नहीं मिली. बाद में पैसे लौटाने की मांग करने पर लोगों को टालमटोल किया गया और कई मामलों में दिए गए चेक भी बाउंस हो गए.ग्राम पंचायत की वर्तमान सदस्य और पूर्व प्रधान की गिरफ्तारी से उत्तर सोनामुई क्षेत्र में काफी चर्चा है. हालांकि, तृणमूल कांग्रेस की स्थानीय या जिला इकाई की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है.पुलिस ने बताया कि काजल बेरा को सोमवार को तमलुक महकमा अदालत में पेश किया जाएगा. मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है.

घाटाल में सड़क हादसे में युवक की मौत, एक घायल

पश्चिम मेदिनीपुर : जिले के घाटाल थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया. मृतक का नाम प्रलयन चौधरी (25) है.जबकि घायल युवक का नाम मोहन टुडू है.प्राप्त जानकारी के अनुसार, घाटाल थाना अंतर्गत महाराजपुर निवासी प्रलयन चौधरी (25) सोमवार सुबह अपने मित्र मोहन टुडू के साथ बाइक से घर लौट रहे थे. इसी दौरान नवग्राम इलाके के पास बाइक का नियंत्रण अचानक बिगड़ गया और वाहन सड़क किनारे लगी रेलिंग से जा टकराया. टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल घाटाल सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल ले जाया गया. अस्पताल में चिकित्सकों ने प्रलयन चौधरी को मृत घोषित कर दिया,सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त बाइक को अपने कब्जे में ले लिया. सोमवार को शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया.

शिक्षक से मंत्री तक का सफर- शंकर घोष ने फिर साबित किया जनता का भरोसा ही सबसे बड़ी ताकत

सिलीगुड़ी : पांच साल के लंबे इंतजार के बाद सिलीगुड़ी को फिर से एक पूर्ण मंत्री मिला है. इस नई जिम्मेदारी से शहर के परिचित चेहरे, शिक्षक और दो बार के विधायक शंकर घोष को सम्मानित किया गया है. राजनीति में उन्हें 'जायंट किलर' के नाम से जाना जाता है. 2026 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने एक बार फिर इस पहचान को साबित कर दिया.इस चुनाव में सिलीगुड़ी के मेयर और राज्य के पूर्व मंत्री गौतम देव को लगभग 70 हजार वोटों के भारी अंतर से हराकर शंकर घोष ने बड़ी जीत दर्ज की. उनकी इस जीत ने राजनीतिक गलियारों में चर्चा छेड़ दी है और शहरवासियों के बीच उत्साह का माहौल बना दिया है.2021 के विधानसभा चुनाव में शंकर घोष ने तत्कालीन दिग्गज वाम नेता अशोक भट्टाचार्य को हराकर अपनी राजनीतिक पहचान बनाई थी. वाम दल छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद मिली उस सफलता को उन्होंने 2026 में भी बरकरार रखा और गौतम देव जैसे अनुभवी नेता को पराजित कर यह साबित किया कि सिलीगुड़ी के

लोगों के बीच उनकी लोकप्रियता कितनी मजबूत है.पेशे से शिक्षक शंकर घोष अपनी सादगी और आम लोगों से जुड़ाव के लिए जाने जाते है. उनके जीवन में न तो दिखावा है और न ही अत्यधिक सुरक्षा व्यवस्था का घेरा, जिससे वे लोगों के और करीब माने जाते हैं.शंकर घोष के मंत्री बनने की खबर पर उनके प्रमुख राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों ने भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी. पूर्व मंत्री अशोक भट्टाचार्य ने कहा कि शहर का एक बेटा मंत्री बना है, यह अच्छी खबर है. मैं खुश हूं. वह मेरे राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं, लेकिन अब देखना होगा कि वह शहर के विकास को किस तरह आगे बढ़ाते हैं.वहीं, पूर्व मंत्री और सिलीगुड़ी के मेयर गौतम देव ने कहा, 'यह अच्छी बात है कि शहर का एक बेटा मंत्री बना है. मैं चाहता हूं कि वह लोगों की उम्मीदों पर खरे उतरें, क्योंकि सिलीगुड़ी की जनता ने उन पर बहुत भरोसा जताया है.'शंकर घोष के मंत्री बनने की खबर से सिलीगुड़ी की गलियों में उत्सव जैसा माहौल है. शहर के वरिष्ठ निवासी उत्पल दास ने कहा कि एक शिक्षक को मंत्री के रूप में पाकर हमें गर्व है. पिछले कुछ वर्षों में सिलीगुड़ी ने कई प्रशासनिक और बुनियादी ढांचा संबंधी बदलाव देखे है. हमें उम्मीद है कि शंकर बाबू स्वास्थ्य, शिक्षा और ट्रैफिक जैसी मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए जल्द कदम उठाएंगे.युवाओं का भी मानना है कि शंकर घोष की साफ-सुथरी छवि और आम लोगों से सीधा जुड़ाव उनकी सबसे बड़ी ताकत है. उन्हें उम्मीद है कि मंत्री के रूप में वे केवल सिलीगुड़ी ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर बंगाल में औद्योगीकरण और रोजगार के नए अवसर पैदा करने पर भी विशेष ध्यान देंगे.

अलीपुरद्वार से तीन विधायक बने मंत्री, जिले में जश्न का माहौल

अलीपुरद्वार : पश्चिम बंगाल में नई भाजपा सरकार के पहले मंत्रिमंडल विस्तार में अलीपुरद्वार जिले ने एक अनोखा रिकॉर्ड कायम किया है. सोमवार को कोलकाता के लोकभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में जिले के तीन विधायकोंङ्गफालाकाटा के दीपक बर्मन, कुमारग्राम के मनोज उरांव और कालचीनी के विशाल लामा ने मंत्री पद की शपथ ली.एक ही जिले से तीन-तीन विधायकों के मंत्रिमंडल में शामिल होने पर पूरे अलीपुरद्वार जिले में जश्न का माहौल है.पार्टी सूत्रों के अनुसार, रविवार रात को ही इन नेताओं के मंत्री बनने की खबर आधिकारिक रूप से सामने आते ही भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई.जिले के भाजपा कार्यालय के बाहर देर रात से ही कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भारी भीड़ जुट गई. जमकर आतिशबाजी की गई, अबीर-गुलाल उड़ाए गए. कई जगहों पर मिठाइयां बांटी गईं और आम लोगों को भी इस खुशी में शामिल किया गया.सोमवार सुबह से अलीपुरद्वार, फालाकाटा, कुमारग्राम और कालचीनी क्षेत्रों में उत्सव का माहौल बना हुआ है. कार्यकर्ताओं का कहना है कि लंबे समय से उपेक्षित रहे इस जिले को अब सरकार में मजबूत प्रतिनिधित्व मिला है, जिससे डुआर्स क्षेत्र, खासकर आदिवासी और चाय बागान इलाकों के विकास को गति मिलेगी.लोकभवन में हुए शपथ ग्रहण समारोह का सीधा प्रसारण देखने के बाद से ही पूरे जिले में उत्साह और उत्सव का माहौल बना हुआ है.

न्यूज कॉर्नर

चलती बाइक में लगी आग, बाल-बाल बचा युवक

मालदा : जिले के चांचल इलाके में भीषण गर्मी के बीच एक बड़ा हादसा टल गया, सोमवार दोपहर चलती बाइक में अचानक आग लग गई. इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया. हालांकि समय रहते सतर्कता दिखाने के कारण एक युवक की जान बच गई.स्थानीय सूत्रों के अनुसार, चांचल के अमलापाड़ा निवासी हृदय मंडल सोमवार को अपनी बाइक पर सवार सूरतपुर की ओर जा रहे थे. इसी दौरान रास्ते में अचानक बाइक के इंजन से तेज धुआं निकलता देख उन्होंने खतरे को भांप लिया. हृदय ने तुरंत बाइक को सड़क किनारे रोका और नीचे उतर गए. बाइक में आग लग गई और देखते ही देखते पूरी मोटरसाइकिल जलकर खाक हो गई. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग इतनी तेज थी कि कुछ ही देर में बाइक पूरी तरह नष्ट हो गई.घटना की सूचना पाकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने की कोशिश की, तब तक बाइक पूरी तरह जल चुकी थी. प्राथमिक अनुमान है कि भीषण गर्मी या तकनीकी खराबी के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है.इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है, लेकिन अपनी बाइक को जलते हुए देख युवक सदमे में है.

बर्नपुर में 50 साल पुराने ख्याली क्लब पर चला बुलडोजर

पश्चिम बर्दवान : सेल आईएसपी (बर्नपुर) के नगर सेवा विभाग की ओर से सोमवार को एक बार फिर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया. इस दौरान बर्नपुर क्षेत्र के चर्चित और लगभग 50 वर्ष पुराने ख्याली क्लब को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया. क्लब को तोड़े जाने के बाद सदस्यों और स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखी गई.जानकारी के अनुसार, वर्ष 1963 में स्थापित ख्याली क्लब लंबे समय से सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र रहा है. क्लब की ओर से छठ पूजा, दुर्गा पूजा सहित विभिन्न धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में सेवा शिविर लगाए जाते रहे हैं. इसके अलावा जरूरतमंद लोगों की सहायता और अन्य सामाजिक कार्यों में भी क्लब की सक्रिय भूमिका रही है.क्लब से जुड़े राजेश पांडे ने सेल आईएसपी प्रबंधन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि प्रबंधन चुनिंदा संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है. उन्होंने कहा कि ख्याली क्लब का किसी राजनीतिक पार्टी या प्रभावशाली व्यक्ति से कोई संबंध नहीं है, इसलिए उसे निशाना बनाया गया है. आसपास के कुछ अन्य क्लब, जिनके राजनीतिक संपर्क हैं,

पिता थे विधायक, बेटी बनी मंत्री : बलागढ़ की सुमना सरकार ने ली राज्य मंत्री पद की शपथ

हुगली: राजनीति में विरासत तभी सार्थक होती है जब उसे जनसेवा के संकल्प के साथ आगे बढ़ाया जाए. बलागढ़ की भाजपा विधायक सुमना सरकार ने सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार में राज्य मंत्री के रूप में शपथ लेकर अपने राजनीतिक जीवन की नई पारी की शुरुआत की. शपथ ग्रहण के बाद उन्होंने कहा कि यदि आज उनके माता-पिता जीवित होते तो बेहद खुश होते. उन्होंने स्वीकार किया कि मंत्री बनने के बाद उनकी जिम्मेदारियां पहले से कहीं अधिक बढ़ गई हैं.बलागढ़ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतरीं सुमना सरकार ने तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार और हुगली जिला परिषद के सभाधिपति रंजन धारा को करीब 43 हजार मतों से पराजित कर विधानसभा पहुंची थीं. पहली बार विधायक बनने के बाद अब उन्हें राज्य मंत्री की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है.लोक भवन में शपथ ग्रहण समारोह के बाद सुमना सरकार सीधे अपने ससुराल त्रिवेणी पहुंचीं. वहां पड़ोसियों, रिश्तेदारों और समर्थकों ने फूल-मालाओं और मिठाइयों के साथ उनका स्वागत किया. मंत्री बनने की खुशी पूरे परिवार और इलाके में साफ दिखाई दी.सुमना सरकार के पिता बीरेन सरकार वर्ष 1971 से 1977 तक कांग्रेस के विधायक रहे थे. उनकी मां का नाम गीता सरकार था. सुमना का कहना है कि बचपन से ही उन्होंने अपने पिता को जनसेवा करते देखा और वहीं से उन्हें राजनीति में आने की प्रेरणा मिली. वह अपने पिता के अधूरे सपनों और विकास कार्यों को आगे बढ़ाना चाहती हैं.शिक्षा के क्षेत्र में भी सुमना सरकार का रिकॉर्ड उल्लेखनीय रहा है. उन्होंने रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय से संगीत और राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर (एम.ए.) की डिग्री प्राप्त की है. उनका

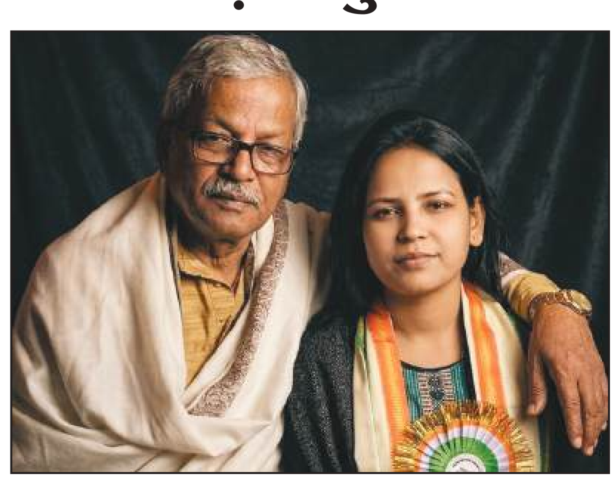

पैतृक घर बलागढ़ के सोमरा मध्यपाड़ा में है, जबकि विवाह के बाद वह त्रिवेणी के शिवपुर हाजरा पाड़ा परिवार से जुड़ीं. उनके परिवार में सास निभा सरकार, पति विद्युत सरकार और पुत्र शुभायु सरकार हैं. उनके पति व्यवसायी हैं और पुत्र नौवीं कक्षा में अध्ययनरत है.राजनीतिक जीवन की शुरुआत उन्होंने तृणमूल कांग्रेस से की थी. पार्टी में रहते हुए उन्होंने कई संगठनात्मक जिम्मेदारियां संभालीं. वर्ष 2013 से 2018 तक वह हुगली जिला परिषद की सदस्य रहीं और बाद में जिला परिषद की सह-सभाधिपति भी बनीं. वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विचारधारा से प्रभावित होकर उन्होंने मुकुल राय के नेतृत्व में भाजपा का दामन थाम लिया.सुमना सरकार ने कहा कि लंबे संघर्ष के बाद मुझे करीब 43 हजार मतों से जीत मिली. मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे मंत्री बनने का अवसर मिलेगा. रविवार रात को ही मुझे इसकी सूचना मिली. खुशी के इस क्षण में मेरी आंखों में आंसू आ गए. मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करती हूं. पार्टी ने मुझ पर जो विश्वास जताया है, वह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है.उन्होंने कहा कि बलागढ़ की जनता के आशीर्वाद से वह विधायक बनीं और अब मंत्री पद की शपथ लेने के साथ उन्होंने क्षेत्र के विकास का भी संकल्प लिया है. उन्होंने श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पैतृक भूमि के संरक्षण, गंगा कटाव की समस्या, पेयजल संकट, फूल उद्योग, नाव निर्माण उद्योग और क्षेत्र के समग्र विकास के लिए काम करने की प्रतिबद्धता जताई. उन्होंने बताया कि बलागढ़ में प्रस्तावित श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट के निर्माण से हजारों लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे और क्षेत्र में व्यापार तथा आधारभूत संरचना का विकास होगा.सुमना सरकार की सास निभा सरकार ने कहा कि मैंने कभी भी सुमना को केवल घर-परिवार तक सीमित नहीं रखा. मेरी हमेशा इच्छा थी कि वह जीवन में कुछ बड़ा करें. आज उनके मंत्री बनने से हम सभी बहुत खुश हैं.पिता की राजनीतिक विरासत, वर्षों का जनसंपर्क, संगठनात्मक अनुभव और जनता का विश्वासङ्घइन सबके बल पर सुमना सरकार ने विधायक से मंत्री तक का सफर तय किया है. अब बलागढ़ की जनता को उनसे विकास और सुशासन की नई उम्मीदें हैं.

टीएमसी से बदला नहीं चाहती भाजपा, दो विधायकों की शिकायत पर अभिषेक को सीआईडी नोटिस मिला: शुभेंदु

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि भाजपा सरकार तृणमूल कांग्रेस से बदला नहीं लेना चाहती और सीआईडी ने सांसद अभिषेक बनर्जी को उनकी ही पार्टी के दो विधायकों की शिकायत के बाद नोटिस भेजा है. उन्होंने बताया कि तृणमूल कांग्रेस के दो विधायकों (रीताब्रता बनर्जी और संदीपान साहा) ने विधानसभा सचिवालय में शिकायत दर्ज कराई है कि शोभनदेब चट्टोपाध्याय को विपक्ष का नेता नियुक्त करने के पार्टी के प्रस्ताव पर उनके हस्ताक्षर जाली थे. मुख्यमंत्री के संवाददाता सम्मेलन के तुरंत बाद, तृणमूल कांग्रेस ने दोनों विधायकों को दल विरोधी गतिविधियों के आरोप में पार्टी से निष्कासित कर दिया. मुख्यमंत्री ने कहा, कुछ लोगों को यह प्रतिशोध जैसा लग सकता है, लेकिन हम ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहते क्योंकि पार्टी (टीएमसी) पहले ही निष्क्रिय हो चुकी है. अभिषेक बनर्जी ने राज्य में भाजपा सरकार द्वारा की गई कार्रवाइयों को लेकर राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाया है. अधिकारी ने कहा कि आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) द्वारा बनर्जी को सोमवार को उसके समक्ष पेश होने के लिए नोटिस भेजने में न तो भाजपा और न ही सरकार की कोई भूमिका है,

यह नोटिस कथित हस्ताक्षर जालसाजी की जांच के सिलसिले में भेजा गया है. फालटा से उम्मीदवार बने जहांगीर खान के 21 मई को होने वाले पुनर्मतदान से दो दिन पहले चुनाव से हटने पर टीएमसी का मजाक उड़ाते हुए उन्होंने कहा, इससे पता चलता है कि पार्टी असल में निष्क्रिय हो चुकी है. हस्ताक्षरों को जाली बताते हुए अधिकारी ने कहा, मैंने सीआईडी को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत जालसाजी के प्रावधानों के तहत कार्रवाई करने के लिए कहा है. अधिकारी ने बताया कि सीआईडी ने टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव बनर्जी को सोमवार को संकल्प के साथ पेश होने का नोटिस दिया है. मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने उन्हें बताया है कि बनर्जी ने सीआईडी के समक्ष पेश होने के लिए और समय मांगा है. अधिकारी ने कहा कि बीमारी या अन्य मुद्दों के कारण किसी को भी समय सीमा में विस्तार देना है या नहीं, यह तय करना सीआईडी पर निर्भर है, और उन्होंने कहा कि वह इसमें हस्तक्षेप नहीं करेंगे. बनर्जी ने अपने वकीलों के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का हवाला देते हुए सीआईडी के समक्ष पेश होने के लिए समय बढ़ाने की मांग की है. अधिकारी ने कहा कि नौ मई को विधानसभा अध्यक्ष को लिखे एक पत्र में, क्षेत्रीय पार्टी तृणमूल कांग्रेस के अखिल भारतीय महासचिव ने लिखा कि पार्टी के वरिष्ठ नेता शोभनदेब चट्टोपाध्याय को विपक्ष का नेता नियुक्त किया जाए. सीआईडी जांच की ओर ले जाने वाली घटनाओं के क्रम बताते हुए, अधिकारी ने कहा कि 18 मई को, अध्यक्ष के आदेश पर, विधानसभा के प्रधान सचिव ने अभिषेक बनर्जी को चट्टोपाध्याय की नियुक्ति के प्रस्ताव का विवरण प्रस्तुत करने के लिए लिखा था. अधिकारी ने कहा कि 20 मई को टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव ने पार्टी के 70 विधायकों के हस्ताक्षरों वाला प्रस्ताव भेजा था, जिनमें से दस से अधिक नाम बड़े अक्षरों में लिखे गए हैं, और उनका कहना है कि हस्ताक्षर बड़े अक्षरों में नहीं हो सकते. मुख्यमंत्री ने कहा कि टीएमसी के दो विधायकों (रीताब्रता बनर्जी और संदीपन साहा) ने अध्यक्ष से शिकायत की और आरोप लगाया कि छह मई को विपक्ष के नेता के चयन के संबंध में कोई प्रस्ताव पारित नहीं किया गया.

हिंदी भाषियों की आवाज बुलंद करेंगे मंत्री अर्जुन सिंह व उमेश राय

जयदीप यादव

कोलकाताः बंगाल की भाजपा सरकार में सोमवार को 35 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलावाकर सीएम शुभेंदु अधिकारी ने जहां कई क्षेत्रों में संतुलन बनाने की कोशिश की तो वहीं उन्होंने इस राज्य में दो हिंदी भाषियों अर्जुन सिंह व उमेश राय को मंत्री बनाकर हिंदीपट्टी के भाजपा के प्रति विश्वास का अभिनंदन किया है. बिहार के भोजपुर जिले के बड़हरा प्रखंड अंतर्गत केवटिया गांव के मूल निवासी अर्जुन सिंह को मंत्री बनाए जाने के समाचार से केवल उनके गांव में ही नहीं बरन बंगाल के हिंदी भषियों में खुशी की लहर दौड़ गई है. अर्जुन सिंह के मंत्री पद की शपथ लेते ही उनके चाहने वालों ने बिहार से लेकर अपने-अपने इलाकों में उत्सव जैसा माहौल बना दिया. उनके समर्थकों ने पटाखे फोड़कर खुशी मनाई तथा एक-दूसरे को बधाई दी. बुजुर्गों से लेकर युवाओं तक में खासा उत्साह देखा गया. वहीं हावड़ा उत्तर विधानसभा से विधायक बने और उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के पलियां के मूल निवासी उमेश राय को भी मंत्री बनाये जाने पर गाजीपुर से लेकर बंगाल तक खास कर हावड़ा में जश्न का माहौल रहा. खबर के लिखे जाने तक उमेश राय के आवास पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा. क्षेत्र के बुजुर्ग, युवा और महिलाएं सभी उन्हें शुभकामनाएं देने पहुंचे. समर्थकों का कहना है कि यह जीत उमेश राय के सरल स्वभाव, जनसेवा और क्षेत्र में उनकी सक्रियता का परिणाम है. उमेश राय ने सबके के प्रति आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि जो अवसर उन्हें मिला है वह बड़ी जिम्मेदारी है और वह विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करेंगे.

हावड़ा में हमले के बाद तृणमूल नेतृत्व पर बरसे विधायक अरूप राय

कोलकाताः हावड़ा उत्तर से तृणमूल कांग्रेस विधायक और राज्य के पूर्व मंत्री अरूप राय ने पार्टी नेतृत्व पर नाराजगी जताई है. उन्होंने आरोप लगाया कि जिले के कार्यकर्ताओं से लेकर सांसद और विधायक तक हमलों का शिकार हो रहे हैं, लेकिन पार्टी का शीर्ष नेतृत्व उनकी सुध नहीं ले रहा है. सोमवार को अपने आवास पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अरूप राय ने कहा कि शनिवार को उनके घर पर हुए कथित हमले के बाद पार्टी के किसी वरिष्ठ नेता ने फोन कर हालचाल तक नहीं पूछा. इससे उन्हें गहरा दुख पहुंचा है. उन्होंने आरोप लगाया कि हावड़ा के कासुंदिया फर्स्ट बाई लेन स्थित उनके घर के सामने एक गोदाम से सरकारी राहत सामग्री हटाई जा रही थी. उसी दौरान भाजपा समर्थकों ने वाहन को रोककर विरोध प्रदर्शन किया और उनके खिलाफ 'चोर-चोर' के नारे लगाए. इसके बाद उनके घर पर हमला भी किया गया. पूर्व मंत्री ने बताया कि उन्होंने काफी

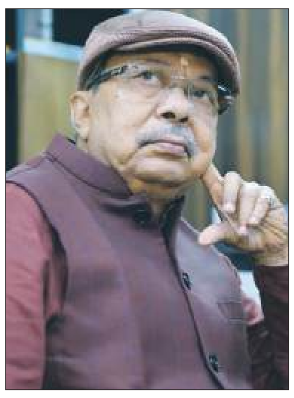

पहले जिला प्रशासन से गोदाम में रखी राहत सामग्री हटाने का अनुरोध किया था. प्रशासन जब सामग्री हटाने पहुंचा, तभी भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध शुरू कर दिया और उन्हें बदनाम करने की कोशिश की. अरूप राय ने कहा कि केवल वही नहीं, बल्कि उदयनारायणपुर के तृणमूल विधायक समीर पांजा और सांसद कल्याण बनर्जी भी हमलों का सामना कर चुके हैं. विभिन्न जिलों में पार्टी कार्यकर्ताओं पर हमले हो रहे हैं, लेकिन संगठन की ओर से अपेक्षित समर्थन नहीं मिल रहा है. उन्होंने कहा कि पहले भी चुनावों में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है, लेकिन तब कार्यकर्ता और नेता पूरे आत्मविश्वास के साथ जनता के बीच काम करते थे. मौजूदा स्थिति पहले कभी नहीं देखी. अरूप राय ने संकेत दिया कि वह भविष्य में पार्टी के कार्यक्रमों में भाग लेने को लेकर विचार करेंगे. साथ ही, शनिवार की घटना के संबंध में पुलिस में एफआईआर दर्ज कराने की बात भी कही. उल्लेखनीय है कि तृणमूल कांग्रेस ने दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पर हुए कथित हमले के विरोध में सोमवार को राज्यभर में विरोध कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया है. मंगलवार को कोलकाता के रानी रासमणि रोड पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है.

खाद्य भवन में सीढ़ियों से गिरे जॉइंट सेक्रेटरी, एसएसकेएम में चल रहा इलाज

कोलकाताः खाद्य भवन में कृषि विपणन विभाग के एक अधिकारी सीढ़ियों से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए. घायल अधिकारी के सिर, आंख और चेहरे पर गंभीर चोटें आयी हैं. हालांकि वह कैसे गिरे इसपर अभी भी रहस्य बना हुआ है. घायल अधिकारी का नाम इंद्रजीत भट्टाचार्या है, वह फूड मार्केटिंग डिपार्टमेंट के जॉइंट सेक्रेटरी के पद पर कार्यरत थे. सूत्रों के मुताबिक, यह घटना सोमवार सुबह करीब 10 बजे हुई. शुरुआती तौर पर पता चला है कि वह चौथी मंजिल पर सीढ़ियों के गैप से गिरे. कार्यालय में काम करने वाले चश्मदीदों ने बताया कि सुबह ऑफिस खुलने के बाद लोग कार्यालय पहुंच रहे थे, तभी अचानक उन्हें कुछ गिरने की आवाज सुनाई दी. लोग भागते हुए मौके पर पहुंचे तो देखा कि ग्राउंड फ्लोर पर सीढ़ियों के गैप में रखे फर्नीचर पर एक व्यक्ति गिरा पड़ा है. खून से लथपथ व्यक्ति को पड़ा देख लोग हैरान-परेशान हो गये. कार्यालय में हड़कंप मच गया. घायल अतिरिक्त सचिव को एसएसकेएम हॉस्पिटल ले जाया गया. खाद्य विभाग सूत्रों के मुताबिक, घायल अधिकारी का इलाज ट्रॉमा केयर सेंटर में चल रहा है. हालांकि वह इतनी ऊंचाई से कैसे गिरे यह अभी-भी रहस्य बना हुआ है. डॉक्टरों का कहना है कि चोट गंभीर है और अभी उन्हें खतरे से बाहर नहीं बताया जा सकता है. डॉक्टरों की एक टीम उनकी निगरानी कर रही है.

अभिषेक बनर्जी पर हमले के बाद टीएमसी का विरोध प्रदर्शन

11 आरोपितों की पहचान, 6 को मिली जमानत

कोलकाताः तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने 11 आरोपितों की पहचान कर ली है. पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी. वहीं टीएमसी ने आरोप लगाया है कि इनमें से अधिकांश का भाजपा से संबंध है और वे किसी न किसी रूप में पार्टी के पदाधिकारी या सक्रिय सदस्य हैं. गत शनिवार को दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर में एक मृत तृणमूल कार्यकर्ता के घर जाते समय अभिषेक बनर्जी को भारी विरोध का सामना करना पड़ा था. उनके ऊपर अंडे, जूते, ईंट और पत्थर फेंके गए थे. इधर, घटना में गिरफ्तार छह आरोपितों को सोमवार को जमानत मिल गई. रविवार को आरोपितों को बारुईपुर महकमा अदालत में पेश किया गया था. पुलिस ने 14 दिन की हिरासत की मांग की थी, लेकिन अदालत ने एक दिन की जेल हिरासत का आदेश दिया था. दूसरी ओर अभिषेक बनर्जी अपने ऊपर हुए हमले की जानकारी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को देंगे. सूत्रों के मुताबिक, अभिषेक बनर्जी इस मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट का भी दरवाजा खटखटा सकते हैं. अभिषेक बनर्जी और सांसद कल्याण बनर्जी पर हुए हमले और चुनाव बाद हिंसा की घटनाओं के खिलाफ पार्टी ने सोमवार को राज्य के सभी ब्लॉकों व वार्डों में विरोध जुलूस निकाला. हालांकि इनमें पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं की काफी कम उपस्थित रही. बता दें कि रविवार को हुगली जिले के चंडीतला में श्रीरामपुर से तृणमूल के सांसद कल्याण बनर्जी को भारी जनक्रोश का सामना करना पड़ा. इस दौरान

प्रदर्शनकारियों ने उन्हें काला झंडा दिखाया और 'चोर-चोर' के नारे लगाए. उन पर पथराव भी किया गया. मतदान के बाद हिंसा के विरोध में मंगलवार को ममता बनर्जी के प्रस्तावित धरने के लिए रानी रासमणि एवेन्यू में मंच निर्माण की अनुमति कोलकाता पुलिस ने नहीं दी. पुलिस का कहना था कि कार्यक्रम के लिए आवश्यक अनुमति नहीं ली गई थी. इसके बाद पुलिस ने धर्मतला स्थित वाई चैनल को वैकल्पिक स्थान के रूप में सुझाया. अब दोपहर दो बजे से चार बजे तक वाई चैनल में तृणमूल का धरना कार्यक्रम होगा. ममता बनर्जी भी कार्यक्रम में शामिल होंगी.

सांसद अभिषेक बनर्जी के निवास पहुंची सीआईडी

कोलकाताः राज्य की सीआईडी ने हस्ताक्षर जालसाजी से जुड़े एक बहुचर्चित मामले में पूछताछ के लिए सांसद अभिषेक बनर्जी को समन जारी किया था. उन्हें स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि वे सोमवार कोलकाता स्थित भवानी भवन (सीआईडी मुख्यालय) में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हों. हालांकि, उन्होंने सीआईडी के समन को नजरअंदाज कर दिया. ऐसे में एक बार फिर सीआईडी अभिषेक बनर्जी के निवास पर पहुंची. सीआईडी के ऐसे पहुंचने पर फिर माहोल गरमा गया है. सीआईडी अधिकारी एक नोटिस लेकर पहुंचे थे. उन्हें कार्यालय में नोटिस देने को कहा गया. इसपर अधिकारियों ने कहा कि वे अभिषेक बनर्जी को ही नोटिस देंगे. शारीरिक अस्वस्थता का कारण सुन अधिकारियों ने कर्मचारी को अभिषेक बनर्जी से रिसीव कॉपी पर साइन लाने को कहा. कुछ देर बाद अभिषेक बनर्जी के कार्यालय के कर्मचारी ने नोटिस पर साइन लाकर अधिकारियों को दे दिया. इस दौरान कर्मचारी ने कहा कि अभिषेक बनर्जी ने ही साइन किए है. इससे पहले, जांच एजेंसी सीआईडी ने अभिषेक बनर्जी को राज्य पुलिस मुख्यालय भवानी भवन' में जांचकर्ताओं के सामने व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया था. हालांकि, टीएमसी सांसद सोमवार को भवानी भवन नहीं पहुंचे. उन्होंने अपने खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए 15 दिनों का अतिरिक्त समय मांगा है और अपनी पेशी को आगे टालने का अनुरोध किया है.

लेकटाउन से हटाई गई 70 फीट ऊंची लियोनेल मेसी की प्रतिमा, अब नए स्थान की तलाश

कोलकाताः लेकटाउन स्थित 70 फीट ऊंची फुटबॉल स्टार लियोनेल मेसी की प्रतिमा को आखिरकार सोमवार को हटा दिया गया. लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने दोपहर में हाइड्रोलिक क्रेन की मदद से प्रतिमा को उसके प्लेटफॉर्म से उतारकर ट्रक पर लाद दिया. फिलहाल प्रतिमा को विभाग की निगरानी में रखा जाएगा. हालांकि इसे कहां स्थापित किया जाएगा, इस बारे में राज्य सरकार या पीडब्ल्यूडी की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है. सूत्रों के अनुसार, प्रतिमा को रवींद्र सरोवर या इको पार्क में स्थानांतरित किया जा सकता है, लेकिन अंतिम निर्णय राज्य सरकार ही लेगी. पीडब्ल्यूडी सूत्रों के मुताबिक, प्रतिमा को पहले लोहे के ढांचे से अलग किया गया और फिर सावधानीपूर्वक नीचे उतारा गया. इसके लिए विशेष हाइड्रोलिक क्रेन मंगाई गई थी. विभाग के डिप्टी प्रोजेक्ट मैनेजर सूर्यकांत गिरि ने बताया कि प्रतिमा लोहे के ढांचे पर स्क्रू की सहायता से लगाई गई थी.

सभी स्क्रू खोलकर प्रतिमा को सुरक्षित तरीके से हटाया गया. उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि प्रतिमा को किसी प्रकार का नुकसान न पहुंचे. बताया गया है कि राज्य की नगर विकास मंत्री अग्निमित्रा पाल ने भी अधिकारियों को निर्देश दिया था कि प्रतिमा हटाने के दौरान उसकी सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए. विभाग ने उन्हीं निर्देशों के अनुसार कार्रवाई की. कुछ दिन पहले लेकटाउन थाने को सूचना मिली थी कि तेज आंधी और तूफान के कारण मेसी की प्रतिमा हिल रही है. राहगीरों और स्थानीय निवासियों ने सबसे पहले यह स्थिति देखी और पुलिस को इसकी जानकारी दी. इसके बाद पुलिस और पीडब्ल्यूडी के अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रतिमा की स्थिति का निरीक्षण किया. पीडब्ल्यूडी के ठेकेदार प्रवीर पाल ने जांच के बाद दावा किया कि प्रतिमा के 'फाउंडेशन बोल्ट' में तकनीकी समस्या है. उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी जानकारी देते हुए कहा था कि प्रतिमा खतरनाक स्थिति में है और किसी भी समय गिर सकती है. इसी कारण इसे तत्काल हटाने की सिफारिश की गई थी. गौरतलब है कि वीआईपी रोड पार करने के लिए लेकटाउन में बनाए गए भूमिगत मार्ग के ऊपर इस विशाल प्रतिमा को स्थापित किया गया था. दिसंबर 2025 में मेसी के कोलकाता दौरे के दौरान स्वयं अर्जेंटीना के विश्वविजेता कप्तान ने रिमोट बटन दबाकर इसका अनावरण किया था. यह प्रतिमा पहले भी विवादों में रही है. इसे सरकारी जमीन पर स्थापित किए जाने को लेकर कोलकाता उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई थी. प्रतिमा की स्थापना के पीछे तत्कालीन राज्य सरकार के मंत्री सुजीत बसु की महत्वपूर्ण भूमिका बताई जाती है. हाल ही में नगरपालिका भर्ती घोटाले से जुड़े मामले में सुजीत बसु की गिरफ्तारी भी चर्चा का विषय बनी हुई है.

गोल्फ ग्रीन मौत कांड में नया मोड़, एक और व्यक्ति हिरासत में

कोलकाताः दक्षिण कोलकाता के गोल्फ ग्रीन इलाके में एक फ्लैट से युवक और युवती के शव बरामद होने के मामले में पुलिस को जांच के दौरान महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं. मामले में पुलिस ने एक और व्यक्ति को हिरासत में लिया है. इससे पहले रविवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था. पुलिस के अनुसार, मृत युवक की पहचान मोहम्मद दिलशाद के रूप में हुई है. वह पिछले कुछ महीनों से एक 21 वर्षीय युवती के साथ किराये के फ्लैट में रह रहा था. प्रारंभिक जांच में पता चला है कि घटना से एक रात पहले फ्लैट में एक निजी पार्टी आयोजित की गई थी, जिसमें चार लोग शामिल थे. पार्टी के दौरान भारी मात्रा में शराब और नशीले पदार्थों के सेवन की बात सामने आई है. जांचकर्ताओं का प्रारंभिक अनुमान है कि अत्यधिक नशे के कारण दिलशाद और युवती की तबीयत बिगड़ गई, जिससे उनकी मौत हो सकती है. हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम और फोरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा. शवों पर रक्तस्राव के कुछ निशान भी मिलने की जानकारी सामने आई है. रविवार को फ्लैट से दुर्गंध आने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और युवक-युवती के शव बरामद किए. वहीं, फ्लैट के अंदर से एक अन्य युवक और युवती को नशे की हालत में बचाया गया. पूछताछ के बाद राहुल मुश्ताक और उसकी महिला मित्र को गिरफ्तार किया गया. बाद में उनकी निशानदेही पर एक और व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है. पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है. फ्लैट से बरामद शराब की बोतलें, संदिग्ध नशीले पदार्थ और अन्य सामान जांच के लिए भेजे गए हैं. साथ ही मोबाइल फोन रिकॉर्ड, चैट और सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं.

मानसून से पहले अलर्ट हुई बंगाल सरकार, उच्चस्तरीय बैठक में तय हुई बाढ़ और जलजमाव रोकने की रणनीति तय

कोलकाता : आगामी मानसून और संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं. इसी क्रम में सोमवार को जलसंपदा भवन में सिंचाई विभाग तथा विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में जलभराव, बाढ़ नियंत्रण, तटबंधों की स्थिति, नालों और कैनालों की सफाई तथा जल निकासी व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा हुई. बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जलभराव और बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्रों की पहचान कर समय रहते आवश्यक कदम उठाए जाएं. साथ ही पंपिंग स्टेशनों की कार्यक्षमता, तटबंधों की मजबूती और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त रखने पर विशेष जोर दिया गया. विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने की रणनीति भी तैयार की गई. इस अवसर पर सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की मंत्री अग्निमित्रा पाल ने कहा कि राज्य के कई क्षेत्रों में जलभराव की समस्या को लेकर पहले से ही

उत्तर बंगाल का दौरा करेंगी मंत्री अग्निमित्रा पाल

निरीक्षण और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है. उन्होंने बताया कि हल्दीराम एयरपोर्ट क्षेत्र में लंबे समय से जलजमाव की समस्या बनी हुई है. इस समस्या के समाधान के लिए सिंचाई विभाग, पीडब्ल्यूडी और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ इलाके का संयुक्त निरीक्षण किया गया है. मंत्री ने कहा कि निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि पूर्ववर्ती सरकार के समय कई स्थानों पर प्राकृतिक जल निकासी मार्गों और कैनालों को भरकर उनके ऊपर सड़कें बना दी गईं, जिसके कारण बारिश का पानी निकलने का रास्ता बाधित हो गया है. यही वजह है कि कई इलाकों में जलभराव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो रही है. उन्होंने बताया कि विभाग के इंजीनियरों ने कैनालों और जल निकासी चैनलों की व्यापक सफाई तथा पुनर्विकास का प्रस्ताव तैयार किया है, ताकि वर्षा का पानी तेजी से निकल सके और लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े. अग्निमित्रा पाल ने कहा कि वह अगले तीन से चार दिनों के भीतर उत्तर बंगाल के दौरे पर जा रही हैं, जहां मानसून के दौरान बाढ़ और जलभराव की संभावित समस्याओं का विस्तृत निरीक्षण किया जाएगा. तीन दिवसीय दौरे के दौरान विभिन्न जिलों में तटबंधों, नदियों और जल निकासी व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की जाएगी तथा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे. बैठक में अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित निगरानी रखने, जलस्तर पर लगातार नजर बनाए रखने और आवश्यक मशीनरी व संसाधनों को तैयार रखने के निर्देश दिए गए. साथ ही आम लोगों को संभावित जोखिमों के प्रति जागरूक करने और समय पर सूचना उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना
युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रूपये में प्रकाशित करता है
(साइज 12x8)
सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

न्यूज़ कॉर्नर

रेड डॉट चैलेंज एवं मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देशानुसार झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) ने एगारकुंड के गोपीनाथपुर, निरसा के खुसरी, टुंडी के मनियाडीह सहित अन्य प्रखंडों में रेड डॉट चैलेंज एवं मासिक धर्म स्वच्छता पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जेएसएलपीएस के डीपीएम सुदिप्ता बनर्जी ने बताया कि इस अवसर पर स्वयं सहायता समूह के सहयोग से महिलाओं व किशोरियों को माहवारी से जुड़े वैज्ञानिक तथ्यों, स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई. बताया गया कि माहवारी कोई बीमारी नहीं, बल्कि प्रकृति की एक सामान्य और आवश्यक चक्र है. कार्यक्रम के दौरान मासिक धर्म स्वच्छता, महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य, स्वच्छता संबंधी सावधानियों तथा सामाजिक जागरूकता पर विस्तार से चर्चा की गई. उपस्थित महिलाओं एवं किशोरियों को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के महत्व के बारे में जानकारी दी गई तथा उनसे जुड़े विभिन्न मिथकों एवं भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास किया गया. इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने रेड डॉट चैलेंज के माध्यम से मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया. कार्यक्रम में किशोरी लड़कियों एवं महिलाओं के बीच सेनेटरी पैड का वितरण भी किया गया.मुखियाओं ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य और सम्मान के लिए इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक हैं. उन्होंने सभी से इस विषय पर खुलकर चर्चा करने तथा समाज में सकारात्मक संदेश फैलाने की अपील की. कार्यक्रम में जल सहिया, स्वास्थ्य सहिया, जेएसएलपीएस से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की सदस्याएं एवं गांव की किशोरी लड़कियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया. रेड डॉट चैलेंज एवं मासिक धर्म स्वच्छता पर अलग-अलग प्रखंडों में 3 जून तक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा.

आधार संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु एक दिवसीय विशेष शिविर का सफल आयोजन

साहिबगंज : जिले के सिद्धो-कान्हो सभागार में सीएससी, ए0एस0के0 सेंटर एवं इंडियन पोस्टल बैंक के सहयोग से आज आधार से संबंधित विभिन्न समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया. शिविर का नेतृत्व जिला परियोजना पदाधिकारी (यूआईडी) श्री संदीप कुमार द्वारा किया गया. जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. शिविर के दौरान लगभग 150 लोगों की आधार से संबंधित समस्याओं का ऑन-द-स्पॉट समाधान किया गया. आधार में नाम, पता, मोबाइल नंबर, जन्म तिथि अद्यतन, बायोमेट्रिक अपडेट सहित अन्य तकनीकी समस्याओं का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया गया.शिविर का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को आधार सेवाओं से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए एक ही स्थान पर सरल, सुगम एवं प्रभावी सुविधा उपलब्ध कराना था. उपस्थित नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया.जिला परियोजना पदाधिकारी (यूआईडी) संदीप कुमार ने बताया कि आधार से संबंधित सेवाओं को आमजन तक सुलभ एवं पारदर्शी रूप से पहुंचाने के लिए भविष्य में भी इस प्रकार के विशेष शिविरों का आयोजन किया जाता रहेगा.

मनीषिका एवं संच फाउंडेशन द्वारा समर कैम्प – 2026 का आयोजन

कोलकाता : श्रद्धेय पुष्करलाल केडिया द्वारा संस्थापित मनीषिका ने संच फाउंडेशन के सहयोग से 12 से 18 वर्ष के बच्चों के लिये समर कैम्प - 2026 का आयोजन मनीषिका सभागार में किया है . संच फाउंडेशन की ओर से संचिता सक्सेना, इशिका अग्रवाल, रौनक जयसवाल, स्नेहा गुप्ता, गौरव पारीक, ऐश्वर्या साव ने आयोजन में सक्रिय सहयोग प्रदान किया . मनीषिका के सचिव अमित केडिया एवं मोहन केडिया ने बताया 6 दिवसीय शिविर में प्रथम दिवस प्रदीप जयसवाल, वनिता झारखंडी, राधिका शर्मा, सिमरन सिंह, रिकिता सिंह ने 50 से अधिक बच्चों को प्रशिक्षण देते हुए योगाभ्यास कराया . शिविर में श्लोकमब , स्टोरी क्विज, वाद - विवाद, क्राफ्टिंग, साइंस विथ फन एवं कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है . निर्मल केडिया, सचिन अग्रवाल, सुशील केडिया, विनय पाण्डेय एवं कार्यकर्ता सक्रिय हैं . 6 जून को शिविर के समापन समारोह में विशिष्ट समाजसेवी उपस्थित रहेंगे .

राजमहल विधायक ने 2.34 करोड़ की लागत से 11 योजनाओं का किया शिलान्यास

उधवा : राजमहल विधायक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने राजमहल विधानसभा क्षेत्र के राजमहल एवं उधवा प्रखंड क्षेत्र में 2.34 करोड़ की लागत से विशेष प्रमंडल विभाग के 11 योजनाओं का शिलान्यास किए. विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की गति देने का कार्य किया जा रहा है. वैसे क्षेत्र जहां विगत 3 दशकों से सड़क नहीं थी वहां भी सड़क का निर्माण कराया जा रहा है. ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क एवं पेयजल की आवश्यकता को पुर्ण करने के साथ साथ विवाह भवन का भी निर्माण कराया जा रहा है. विधायक ने राजमहल प्रखंड के लखीपुर बनगांव में मोइनुल इस्लाम मदरसा में तीन रूम का निर्माण कार्य, गुनिहारी पंचायत अंतर्गत नागेश्वर बाग में लखीराम मुर्मू के घर के पास डीप बोरिंग सहित जलमीनार का निर्माण, प्राणपुर में नवाब पोखर व तौफिक आलम तालाब में सीढ़ी घाट का निर्माण कार्य, नागेश्वर बाग में सार्वजनिक विभाग भवन का निर्माण कार्य, उधवा प्रखंड क्षेत्र के श्रीघर में नारायण मंदिर के बगल में पोखर का सौंदर्यीकरण एवं गार्डवाल का निर्माण कार्यहुए कब्रिस्तान तक पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया है. मौके पर विशेष प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता रमाकांत , विधायक प्रतिनिधि मो मारूफफ उर्फ गुड्डू,उधवा प्रखंड अध्यक्ष अयूब अली उर्फ बाबू, काजू मल्लिक,अली कमिशन,मोहम्मद इब्राहिम,मो यासीन,हारून रशीद,तमल मंडल व गणेश कीर्तनीयां सहित अन्य मौजूद थे.

गहने चमकाने का झासा देकर महिलाओं के साथ ठगी करने वाले दो अपराधियों को भेजा सलाखों के पीछे

महेशपुर (पाकुड़): सोना-चांदी के आभूषण साफ करने के नाम पर लोगों को ठगी का शिकार बनाने वाले दो अंतरराज्य शातिर अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. इस संबंध में सोमवार को थाना परिसर में पुलिस निरीक्षक मदन कुमार शर्मा ने प्रेस वार्ता कर मामले का खुलासा करते हुए गिरफ्तारी की जानकारी दी. पुलिस निरीक्षक ने बताया की थाना क्षेत्र के लखीपुर गांव के पश्चिम पाड़ा में रविवार को दो व्यक्ति एक बाइक से घुम-घुम कर कंपनी वाला बोलकर फ्री में सोना-चांदी के गहना साफ कर रहे है, जो ठग प्रतीत होतें है. उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया तथा छापामारी दल द्वारा उक्त ठगों के संबंध में आसूचना संकलन के क्रम में उक्त ठगों को ग्राम लखीपुर में होने की सूचना प्राप्त हुई. छापेमारी दल द्वारा लखीपुर, पश्चिम टोला पंहुचकर पुछताछ किया गया तो ज्ञात हुआ कि संजेनारा बीबी से ठगों द्वारा सोना-चांदी साफ करने के नाम पर ठगी की गई है. तत्पश्चात छापामारी दल के द्वारा आरोपित सुभाष कुमार, पता-एकडारा, थाना-बुधुचक, जिला-भागलपुर एवं सुमित कुमार गुप्ता पता-गोविन्दपुर, थाना-महेशकुट, जिला-खगड़िया (बिहार) को गिरफ्तार कर तलाशी लेने पर दोनों व्यक्तियो के पास से सोना का नथनी एवं चांदी का अंगुठी को बरामद किया गया. संजेनारा बीबी से पुछताछ करने पर उनके द्वारा बताया गया कि रविवार समय करीब 12.30 बजे अपने घर के पास थी, उसी समय दो व्यक्ति एक बाइक से आया और सोना चांदी साफ करने को बोलकर एक स्टील बर्तन को साफ करके दिखाया. तथा वादिनी को विश्वास में लेकर पहने हुए सोना का नथनी एवं चांदी का अंगुठी मांग कर ले लिया और वे दोनो व्यक्ति उक्त सोना का नथनी एवं चांदी का अंगुठी को साफ करके सफेद पाउडर के अंदर प्लास्टिक में रख दिया और बोला कि प्लास्टिक को आधा घंटा बाद खोलना, साफ हो जायेगा. जब वादिनी अपने घर के अंदर घुसकर प्लास्टिक खोला तो देखा कि सोना का नथनी एवं चांदी का अंगुठी नहीं है. वादिनी के द्वारा हो हल्ला करने के बाद दोनों आरोपितों को दबोच लिया गया. पुलिस को अनुसंधान के क्रम में पुछताछ करने पर ज्ञात हुआ कि इन ठगों द्वारा पूर्व में महेशपुर थाना क्षेत्र के डांगापाड़ा में भी फिरोजा बीबी नामक महिला से सोना-चांदी साफ करने के नाम पर सोना का बाली एवं कान के सोना का बाली का धोखा पूर्वक ठगी कर घटना को अंजाम दिया गया था. जिस पर महेशपुर थाना में कांड संख्या 50/2026 दर्ज किया गया था. इस निरीक्षक में बताया गया कि दोनों अपराधियों के पास से चांदी जैसा अंगुठी, मोटोरोला मोबाईल, ब्लैक कलर का अमेरिकन टूरिस्ट बैग जिसमें 15 रुपये वाला भीम पैकेट, प्लास्टिक का गमला, क्लिनिंग पाउडर, सटेपलर, एक डब्बा, चांदी साफ करने वाला ब्रश, सफेद पन्ना 25 पीस, काले एवं भुरे रंग का सुपर स्प्लेंडर बाइक जिसका नंबर बीआर10ए एफ- 8702, स्क्रीन टच मोबाइल, हारपीक के डब्बा के अंदर केमिकल (एसिड), लकड़ी का डंडी वाला ब्रश, भैया पाउडर दो पॉकेट, एक डब्बा ब्लीचिंग पाउडर, प्लास्टिक भैली में सोना का नथनी बरामद किया गया है. पुलिस निरीक्षक ने बताया कि सोमवार को दोनों अपराधियों का स्वास्थ्य परीक्षण कराकर पाकुड़ जेल भेज दिया गया.

स्वच्छ गांव सुरक्षित जलवायु अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय बैठक आयोजित

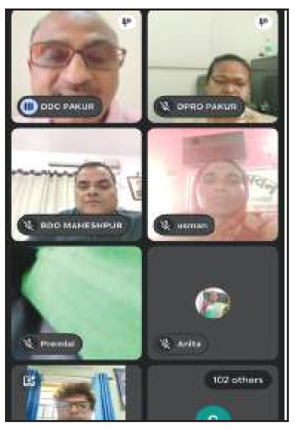

पाकुड़:पंचायती राज विभाग एवं पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 01 जून से 05 जून 2026 तक आयोजित होने वाले स्वच्छ गांव सुरक्षित जलवायु अभियान के सफल संचालन एवं प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर सोमवार को जिला स्तरीय जूम बैठक का आयोजन किया गया. बैठक की अध्यक्षता उप विकास आयुक्त-सह-स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीणके नोडल पदाधिकारी अरविंद कुमार लाल ने की.बैठक को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त अरविन्द कुमार लाल ने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों एवं माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के आलोक में ग्रामीण स्थानीय निकायों की भूमिका और जिम्मेदारियों की जानकारी प्रत्येक ग्राम पंचायत तक पहुंचाना आवश्यक है. उन्होंने कहा कि जिले को स्वच्छ एवं पर्यावरणीय रूप से सुरक्षित बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर निरंतर कार्य किए जा रहे हैं तथा जनसहभागिता एवं सभी संबंधित विभागों के सहयोग से इस अभियान को सफल बनाया जाएगा. उन्होंने अभियान के प्रमुख बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि प्रत्येक परिवार स्तर पर कचरे का अनिवार्य रूप से चार श्रेणियों में पृथक्करण, घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था को सुदृढ़ करना, कचरा डंप स्थलों का सूचीकरण, बल्क वेस्ट जेनरेटर की पहचान तथा उनके पंजीकरण एवं प्रमाणीकरण सहित अन्य आवश्यक गतिविधियों को अभियान के दौरान प्राथमिकता दी जाएगी.03 जून 2026: ग्रामीणों के साथ परामर्श बैठक एवं बल्क वेस्ट जेनरेटर की पहचान04 जून 2026: स्वच्छता श्रमदान एवं हरित ग्राम अभियान का आयोजन05 जून 2026: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विशेष ग्राम सभा एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

विकेड वॉरियर्स बने सीसीएम सीज़न–7 के विजेता, फाइनल में व्रेथ्स को 6 विकेट से हराया

जमशेदपुर : कदमा स्थित विकेड क्रिकेट द्वारा आयोजित कॉर्पोरेट क्रिकेट मैच (सीसीएम) सीज़न-7 का रोमांचक फाइनल मुकाबला गम्हरिया के टीजीएस ग्राउंड में फ्लडलाइट्स की रोशनी में खेला गया. बेहद प्रतिस्पर्धी इस मुकाबले में विकेड वॉरियर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विकेड व्रेथ्स को 6 विकेट से पराजित कर खिताब अपने नाम कर लिया. सात मैचों की इस श्रृंखला में तीन रेड-बॉल और चार व्हाइट-बॉल मुकाबले खेले गए थे. फाइनल से पहले दोनों टीमें 3-3 की बराबरी पर थीं, जिससे निर्णायक मुकाबला और भी रोमांचक बन गया था. पहले बल्लेबाजी करते हुए विकेड व्रेथ्स की पूरी टीम 20 ओवर में 153 रन बनाकर आउट हो गई. टीम की ओर से रोहित महाजन ने मात्र 13 गेंदों में 27 रनों की तेजतर्रार पारी खेली. वहीं विकेड वॉरियर्स के गेंदबाज वरुण ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 17 रन देकर 4 विकेट झटके और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया. 154 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी विकेड वॉरियर्स ने केवल 16 ओवर में 4 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली. रेस्टन रोड्रिग्स ने 39 गेंदों पर 52 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली और उन्हें फाइनल का मैन ऑफ द मैच चुना गया. विजयी रन बिशेष खा ने बनाकर अपनी टीम को चेम्पियन बनाया. विकेड व्रेथ्स के मनवेंद्र तिवारी को फाइनल का सुपर स्ट्राइकर अवॉर्ड प्रदान किया गया. उन्होंने 236 के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया. पूरे टूर्नामेंट में नितेश शर्मा का प्रदर्शन सबसे शानदार रहा. उन्होंने 7 मैचों में 289 रन बनाने के साथ 15 विकेट भी हासिल किए. उनके बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें बेस्ट बैट्समैन और बेस्ट बॉलर दोनों पुरस्कारों से सम्मानित किया गया. व्हाइट-बॉल टीमों की कप्तानी क्रमशः चिरंजीव शाह और नितेश शर्मा ने की, जबकि रेड-बॉल मुकाबलों में सीए सुगम सरावगी और मनवेंद्र तिवारी ने नेतृत्व संभाला. मुख्य अतिथि पंडित अभिषेक पाठक ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को सम्मानित किया. महिला बॉलिंग मशीन चौलेंज में तनिषा शर्मा विजेता रहीं. विकेड क्रिकेट के संचालक आदित्य पाठक के नेतृत्व में आयोजित इस प्रतियोगिता को सीए सुगम सरायवाला, चिरंजीव शाह एवं जसराज वीरक का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ. आयोजन को सफल बनाने में डीएसबी स्टड फार्म एवं एलएम इंटरनेशनल का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा. विकेड क्रिकेट ऐसे आयोजनों के माध्यम से खेल, फिटनेस, खेलभावना और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने के साथ क्रिकेट प्रेमियों और उनके परिवारों को एक साझा मंच उपलब्ध करा रहा है.

जमीन विवाद में दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प

बरहेट : थाना क्षेत्र के भोगनाडीह गांव में जमीन विवाद को लेकर सोमवार को दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट और पत्थरबाजी हुई. विवाद उस समय बढ़ गया जब विवादित जमीन पर निर्माण कार्य को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए. देखते ही देखते कहासुनी हिंसक झड़प में बदल गई, जिसमें दोनों पक्षों के कुल 17 लोग घायल हो गए.सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट में भर्ती कराया गया. प्राथमिक उपचार के बाद छह लोगों की हालत गंभीर पाई गई, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी. दोनों पक्ष जमीन पर अपना-अपना दावा कर रहे हैं. समाचार लिखे जाने तक किसी भी पक्ष की ओर से थाने में लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी. क्षेत्र में तनाव को देखते हुए पुलिस स्थिति पर नजर बनाए हुए है.

खड़गपुर में तृणमूल का मार्च

खड़गपुर : तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पर कथित हमले के विरोध में रविवार देर शाम पश्चिम मेदिनीपुर के खड़गपुर शहर के तालबागिचा इलाके में तृणमूल कांग्रेस की ओर से एक विरोध मार्च निकाला गया.संख्या में भागीदारी देखी गई.प्रदर्शनकारियों ने अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की.

बुलडोजर लेकर पहुंची सेल आईएसपी टीम

पश्चिम बर्दवान : सेल आईएसपी प्रबंधन द्वारा बर्नपुर टाउनशिप स्थित बारी मैदान के समीप सेंट एंथोनी चर्च से हीरापुर थाना तक सड़क किनारे स्थित दुकानों को हटाने के लिए सोमवार को अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया. जैसे ही बुलडोजर और प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंची, दुकानदारों ने जोरदार विरोध शुरू कर दिया. देखते ही देखते सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू हो गया, जिससे इलाके में लगभग आधे घंटे तक तनावपूर्ण स्थिति बनी रही.दुकानदारों का आरोप था कि वर्षों से वे यहां व्यापार कर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं. यदि प्रबंधन को सड़क चौड़ीकरण करना है तो पहले उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए. बिना पुनर्वास के दुकानें तोड़ना उनके रोजगार पर सीधा हमला है.वहीं, सेल आईएसपी के अधिकारियों का कहना था कि सभी दुकानदारों को पहले ही नोटिस जारी किया जा चुका है. लगातार कई दिनों तक इलाके में माइकिंग कर लोगों को सूचित किया गया था. स्थानीय समाचार पत्रों में भी विज्ञापन प्रकाशित कर दुकानों को खाली करने का अनुरोध किया गया था. अधिकारियों के अनुसार, टाउनशिप की सड़कों को चौड़ा करने की योजना पर काम चल रहा है और इसके लिए अवैध अतिक्रमण हटाना आवश्यक है.जब तक उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की जाती, वे अपनी दुकानें नहीं हटाएंगे.

तोपचांची गोलीकांड की कहानी संदिग्ध, घायल के बयान पर एसडीपीओ ने जताया संदेह

धनबाद : तोपचांची थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के हुए कथित गोलीकांड मामले में नया मोड़ आ गया है. पुलिस की प्रारंभिक जांच में मामला सड़क अपराध या छिनतई से अधिक कोयला खनन क्षेत्र में वर्चस्व की लड़ाई से जुड़ा प्रतीत हो रहा है. बाघमारा एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल ने घायल युवक और उसके साथी के बयानों में विरोधाभास मिलने की बात कही है. पुलिस अब मामले की तह तक पहुंचने के लिए दुग्दा क्षेत्र में जांच करने की तैयारी में है.

सोमवार सुबह करीब 3 बजे तोपचांची थाना क्षेत्र में एक युवक के गोली लगने से घायल होने की सूचना पुलिस को मिली थी. घायल रवि बख्श राय को इलाज के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है. सूचना मिलने के बाद बाघमारा एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल और अन्य पुलिस अधिकारी अस्पताल पहुंचे और घायल से पूछताछ की.

पुलिस के अनुसार घटना में तीन राउंड फायरिंग हुई थी, जिसमें दो गोलियां रवि बख्श राय के दोनों पैरों में लगीं. पूछताछ के दौरान घायल ने दावा किया कि वह अपने मित्र के साथ पल्सर एनएस बाइक से देवघर जा रहा था, तभी तोपचांची बाजार के पास बाइक सवार अपराधियों ने गोली मारकर उसकी बाइक लूट ली.

हालांकि जांच के दौरान घायल रवि बख्श राय और उसके साथी दिवाकर सिंह के बयानों में कई विसंगतियां सामने आई हैं. पुलिस का कहना है कि घटनास्थल के निरीक्षण में न तो खून के निशान मिले और न ही कोई खोखा बरामद हुआ.

इससे घटना की पूरी कहानी संदेह के घेरे में आ गई है.

एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिले हैं कि दुग्दा थाना क्षेत्र में कोयला खनन से जुड़े वर्चस्व विवाद के दौरान फायरिंग हुई थी. इसके बाद घायल को इलाज के लिए धनबाद लाया गया और घटना को तोपचांची में हुई वारदात के रूप में प्रस्तुत किया गया. हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है.

पुलिस अब दुग्दा थाना क्षेत्र जाकर संभावित वास्तविक घटनास्थल का निरीक्षण करेगी. जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी. पुलिस का दावा है कि जल्द ही पूरे मामले की वास्तविकता सामने आ जाएगी.

पेरेंट्स डे पर जिला टॉपर को लैपटॉप, माता–पिता को मोटरसाइकिल उपहार देकर किया सम्मानित

पाकुड़िया: संत जेवियर्स मध्य विद्यालय, बड़तला पलियादहा में पेरेंट्स डे के अवसर पर प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया. इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक सालभातोर मरांडी , झारखंड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के महासचिव राम रंजन कुमार सिंह, जिला अध्यक्ष गेब्रियल मुर्मू, जिला सचिव राजकुमार भगत, पूर्व कोषाध्यक्ष मनोज कुमार भगत, प्रखंड अध्यक्ष जूलियस मरांडी, आदि द्वारा जैक बोर्ड द्वारा आयोजित वर्ष 2024-25 के परीक्षा में जिला टॉप रहे जोतन मुर्मू को लैपटॉप एवं उनके माता-पिता तलाकु हंसदा एवं जोहन मुर्मू को मोटरसाइकिल देकर सम्मानित किया गया. विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने बताया कि जोतन मुर्मू नर्सरी से आठवीं तक की पढ़ाई इसी विद्यालय में की, कक्षा नौ और दस की कोचिंग भी इसी स्कूल से प्राप्त की थी. बच्चों को अध्ययन अध्यापन के प्रति प्रोत्साहन हेतु उन्हें सम्मानित किया गया. सत्र 2025-26 के विद्यालय टॉपर छात्र सुजीत हेंब्रम को प्रथम स्थान प्राप्त करने तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले रामजी टुडू को विद्यालय सचिव दाऊद मरांडी के हाथों साइकिल देकर पुरस्कृत किया गया. इसके अलावा विभिन्न कक्षाओं और विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को क्रमशः मिलन सोरेन को तृतीय स्थान,वहीं एलकेजी - यूकेजी वर्ग में बिक्रम सोरेन एवं जिमी मुर्मू को भी परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया.मौके पर संत जेवियर्स स्कूल के सचिव दाऊद मरांडी,एसएमएस स्कूल पथरडांगा के प्रधानाध्यापक सिलेस्टीन टुडू, क्रिस्ट एडवांटेज स्कूल पाथपहाड़ी के प्रधानाध्यापक जुलियास सोरेन, संत जोसेफ स्कूल सोगले के प्रधानाध्यापक मनोहर मुर्मू, ज्ञान विकास आवासीय विद्यालय बोलको के उपप्रधानाध्यापक सोलेमन मुर्मू, मर्सी डिवाइन स्कूल हुलियापाथर के प्रधानाध्यापक मनोज टुडू, न्यू चिल्ड्रन पब्लिक स्कूल गणपुरा के प्रधानाध्यापक राजेश भगत समेत बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित थे. विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि मेधावी छात्रों को सम्मानित करने से अन्य बच्चों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है.

विश्व दुग्ध दिवस पर बरौनी दुग्ध संघ में भव्य कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बरौनी/ बेगूसराय (युवा शक्ति ब्यूरो) : विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर दुग्ध संघ, बरौनी में सोमवार को एक भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर दुग्ध संघ के अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक, निदेशक मंडल के सदस्यगण, पदाधिकारी, कर्मचारीगण, सहयोगी, दुग्ध उत्पादक किसान, दुग्ध उत्पादक सहयोग समितियों के अध्यक्ष एवं सचिव, कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ता, वितरक,खुदरा विक्रेता तथा दुग्ध संघ परिवार से जुड़े सभी सम्मानित सदस्य उपस्थित थे. कार्यक्रम के दौरान निदेशक मंडल के सदस्यगणों द्वारा दुग्ध संघ,बरौनी की दुग्ध संग्रहण एवं विपणन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों की सराहना की गई तथा प्रबंध निदेशक एवं समस्त कर्मियों को बधाई देते हुये भविष्य में भी इसी उत्साह एवं समर्पण के साथ कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया. इस अवसर पर प्रबंध निदेशक, दुग्ध संघ बरौनी रविन्द्र कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि दुग्ध संग्रहण में निरंतर वृद्धि तथा दुग्ध उत्पादक किसानों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिये संघ द्वारा मोबाइल वेटेनरी सेवा के माध्यम से गांव-गांव एवं घर-घर पशु चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जा रही है. उन्होंने बताया कि किसानों की सुविधा एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अब दुग्ध मूल्य का भुगतान प्रत्येक 10 दिनों पर डीबीटी के माध्यम से सीधे किसानों के बैंक खातों में किया जायेगा,जिससे किसानों को समय पर एवं सीधे भुगतान का लाभ मिले. उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में दुग्ध उत्पादक किसानों को लीन इंसेंटिव का भुगतान किया गया है. किसानों के निरंतर सहयोग, विश्वास एवं समर्पण के परिणामस्वरूप आज दुग्ध संघ, बरौनी दुग्ध संग्रहण के क्षेत्र में बिहार के अग्रणी दुग्ध संघों में अपना महत्वपूर्ण स्थान बनाये हुये है. कार्यक्रम को संबोधित करते हुये अध्यक्ष विजय शंकर सिंह ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने, पशुपालन को बढ़ावा देने तथा किसानों की आय में वृद्धि हेतु सभी संबंधित पक्षों को मिलकर कार्य करने का आह्वान किया. विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले वितरकों, खुदरा विक्रेताओं, कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ताओं, दुग्ध उत्पादक सहयोग समितियों के सचिवों, क्षेत्रीय कर्मियों, पशु चिकित्सकों एवं ग्रामीण विपणन कर्मियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिये सम्मानित किया गया.कार्यक्रम का समापन दुग्ध उत्पादकों, कर्मचारियों एवं सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये इस संकल्प के साथ किया गया कि दुग्ध संघ, बरौनी भविष्य में भी किसानों के हितों की रक्षा, ग्रामीण विकास तथा दुग्ध व्यवसाय के विस्तार हेतु निरंतर कार्य करता रहेगा.

न्यूज़ कॉर्नर

.एसएसबी में खेल कोटा से बहाली, 6 जून तक आखिरी तिथि

युवा शक्ति न्यूज
गया : जिला के समस्त खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल संघों को सूचित किया जाता है कि सशस्त्र सीमा बल द्वारा खेल कोटा के अंतर्गत कांस्टेबल (जनरल ड्यूटी) पदों पर भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं.भर्ती प्रक्रिया के तहत विभिन्न खेल विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों को नियुक्ति का अवसर प्रदान किया जाएगा.प्राप्त सूचना के अनुसार तीरंदाजी (पुरुष एवं महिला) तथा एथलेटिक्स (पुरुष) सहित विभिन्न खेल स्पर्धाओं में कुल 404 रिक्त पदों पर भर्ती की जानी है.भर्ती हेतु केवल वे खिलाड़ी पात्र होंगे जिन्होंने अधिसूचना में वर्णित मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया हो अथवा पदक प्राप्त किया हो.जिला खेल कार्यालय, गया द्वारा जिले के पात्र खिलाड़ियों को आवेदन प्रक्रिया में सहयोग प्रदान किया जाएगा.अतः इच्छुक खिलाड़ी अपने खेल उपलब्धियों से संबंधित प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की छायाप्रति के साथ 06 जून 2026 तक जिला खेल कार्यालय-सह-व्यायामशाला, गया में अपना विवरण एवं आवेदन जमा कर सकते हैं.विशेष रूप से तीरंदाजी, एथलेटिक्स एवं अन्य अधिसूचित खेलों के खिलाड़ी निर्धारित तिथि के भीतर कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पंजीकरण कराएं, ताकि योग्य खिलाड़ियों की सूची तैयार कर उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा सके.आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि (जिला खेल कार्यालय, गया) 06 जून 2026 है.कांस्टेबल (जनरल ड्यूटी) - खेल कोटा का पद है.एसएसबी भर्ती अधिसूचना के अनुसार पुरुष एवं महिला दोनों खिलाड़ी आवेदन कर सकते हैं.आवेदन प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन है.भर्ती से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश, पात्रता, खेलवार रिक्तियां, आयु सीमा, चयन प्रक्रिया एवं ऑनलाइन आवेदन की जानकारी हेतु अभ्यर्थी ्शिर्लीठिशर्ष्री.ीत.सीं.ळप का अवलोकन कर सकते हैं.अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी जिला खेल कार्यालय, गया अथवा एसएसबी द्वारा नामित समन्वय पदाधिकारी से संपर्क कर सकते हैं.

डीएम ने जनता दरबार में सुनी आमजनों की समस्याएं

युवा शक्ति न्यूज
गया : जिले के डीएम शशांक शुभंकर ने सोमवार को समाहरणालय स्थित सभागार में आयोजित जनता दरबार के माध्यम से जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए लगभग 100 से अधिक आमजनों की समस्याएं सुनीं.इस अवसर पर भूमि विवाद, आवास योजना, स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी शिकायतें, पेंशन योजना, मुआवजा, शिक्षा विभाग से संबंधित विषयों समेत अन्य मामलों को लोगों ने डीएम के समक्ष रखा.डीएम ने उपस्थित अधिकारियों को संबंधित प्रकरणों का त्वरित एवं निष्पक्ष निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए.उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान जिला प्रशासन की प्राथमिकता है और प्रत्येक विभागीय पदाधिकारी इस दिशा में गंभीरता से कार्य करें.

सीयूएसबी की तीन छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट

युवा शक्ति न्यूज
टिकारी(गया) : दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के समाजशास्त्रीय अध्ययन विभाग के एम.एस.डब्ल्यू. के अंतिम वर्ष की दो छात्राओं को प्लेसमेंट के माध्यम से नागरिक समाज और सामाजिक क्षेत्र के संगठनों में रोज़गार का अवसर मिला है.विरल राज का एक सहयोगात्मक सामाजिक प्रभाव संगठनों के नेटवर्क, बिहार डेवलपमेंट कलेक्टिव (आधिकारिक रूप से बीडीसी इम्पैक्ट फाउंडेशन के रूप में पंजीकृत) में प्रोग्राम एसोसिएट के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है. विभाग की अन्य छात्रा नंदनी कुमारी का कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से शिक्षा, समानता एवं मानव विकास के क्षेत्रों में पूरे भारत में कार्यरत प्रतिष्ठित अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन में चयन हुआ है.वहीं मनोवैज्ञानिक विज्ञान के फाइनल वर्ष की छात्रा दीक्षा झा का भी अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन में एसोसिएट रिसर्च पर्सन पद के लिए चयन हुआ है. इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह एवं कुलसचिव प्रो. नरेंद्र कुमार राणा ने चयनित छात्रों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं.कुलपति प्रो के. एन. सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि छात्राओं का प्लेसमेंट के माध्यम से चयन होना सीयूएसबी के शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रमाणित करता है.जन सम्पर्क पदाधिकारी (पीआरओ) मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने सोमवार को बताया कि प्लेसमेंट होने पर छात्राओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अपने शिक्षकों के प्रति कुशल मार्गदर्शन के लिए आभार प्रकट किया है.इस अवसर पर समाजशास्त्रीय अध्ययन विभाग के प्राध्यापकों प्रो. समापिका महापात्रा (विभागाध्यक्ष), प्रो. एम. विजय कृष्ण शर्मा, प्रो. अनिल कुमार सिंह झा, डॉ. सनत कुमार शर्मा, डॉ. जितेंद्र राम, डॉ. हरेश नारायण पांडेय, डॉ. प्रियरंजन, डॉ. पारिजात प्रधान एवं डॉ. ए.पी. कबीर समिति आदि ने भी छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी.वहीं मनोवैज्ञानिक विज्ञान के प्राध्यापकों क्रमशः प्रो धर्मेंद्र कुमार सिंह, डॉ. मंगलेश कुमार मंगलम, डॉ. दास अंबिका भारती, डॉ. चैतना जायसवाल, डॉ. सुदर्शन बेहरा एवं डॉ. अंकिता कुमारी ने विभाग की छात्रा दीक्षा झा को बधाई दी है.

पूर्व पार्षद पर पिटाई का आरोप

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी : शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के नादरगंज इलाके में मारपीट का एक सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गया.इस मामले में नगर निगम वार्ड संख्या-38 के पूर्व वार्ड पार्षद मोहम्मद हलीम पर पिटाई का आरोप लगा है.पुलिस ने बताया कि यह विवाद 8 लाख रुपये के लेनदेन को लेकर शुरू हुआ था.घटना के बाद दोनों पक्षों ने सिविल लाइन थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है.आलिंगंज निवासी पीड़ित पक्ष ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि वे बकाया रुपये की मांग को लेकर नादरगंज पहुंचे थे, जहां उनके साथ मारपीट की गई और अभद्र व्यवहार किया गया.वहीं, आरोपों के घेरे में आए पूर्व वार्ड पार्षद मोहम्मद हलीम ने भी अपना पक्ष रखते हुए सिविल लाइन थाना में एक लिखित आवेदन दिया है.उन्होंने पुलिस को घटना से संबंधित अपनी जानकारी और पक्ष से अवगत कराया है.दोनों पक्षों की ओर से आवेदन दिए जाने के बाद पुलिस मामले की निष्पक्ष जांच में जुट गई है.बताया गया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरी घटना रिकॉर्ड हो गई है, जिसका एक हिस्सा सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है.हालांकि, पुलिस की ओर से वायरल वीडियो की प्रामाणिकता और उसमें दिखाई गई परिस्थितियों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं की गई है. पुलिस सूत्रों के अनुसार, मामले में दोनों पक्षों के बयान लिए जा रहे हैं और सीसीटीवी फुटेज की भी बारीकी से जांच की जा रही है ताकि घटना की वास्तविकता सामने आ सके.पुलिस ने यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि विवाद की शुरुआत किन परिस्थितियों में हुई और किस पक्ष की भूमिका क्या रही.सिविल लाइन थाना के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि दोनों पक्षों से आवेदन मिला हुआ है.मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है.

शुभम बने नेशनल टॉपर, 360 में से 330 नंबर मिले, आईआईटी दिल्ली जोन से दिया था एग्जाम

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी : जेईई एडवांस 2026 का रिजल्ट जारी कर दिया गया है.गयाजी के शुभम कुमार ने परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक-1 (एआईआर 1) हासिल की है.शुभम आईआईटी दिल्ली जोन के छात्र हैं.उन्होंने कुल 360 में से 330 अंक प्राप्त किए हैं.इससे पहले शुभम ने जेईई मेन 2026 के दोनों सेशन में भी 100 पर्सेंटाइल स्कोर किया था.शुभम गया के ब्रिटिश इंग्लिश स्कूल के छात्र रहे हैं.उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और शिक्षकों को दिया है. परीक्षा में कबीर छिल्लर ने 360 में से 329 अंक हासिल कर देश में दूसरा स्थान (एआईआर 2) प्राप्त किया. वहीं, जतिन चाहर ने 319 अंक के साथ ऑल इंडिया रैंक-3 हासिल की. ये दोनों छात्र भी आईआईटी दिल्ली जोन से हैं.जेईई एडवांस 2026 में 1,87,389 उम्मीदवारों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, जिनमें से 1,79,694 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल हुए.इनमें कुल 56,880 उम्मीदवार सफल रहे हैं.कैंडिडेट क्षशशरवर्ी.रल.ळप पर जाकर रिजल्ट चेक कर सकते हैं.शुभम के पिता शिव कुमार हार्डवेयर व्यवसाय से जुड़े हैं.मां कंचन देवी गृहिणी हैं.

पश्चिम बंगाल के सबसे कम उम्र के युवा मंत्री बने बिराज विश्वास

दारिभिट आंदोलन से मिली अधिक पहचान

उत्तर दिनाजपुर : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पहली 'डबल इंजन' सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार में सबसे ज्यादा चर्चा उत्तर दिनाजपुर के करणदिघी से विधायक बिराज विश्वास की हो रही है. महज 32 वर्ष की उम्र में उन्होंने राज्य के सबसे युवा मंत्री के रूप में शपथ लेकर नया रिकॉर्ड कायम किया है.सोमवार को लोकभवन में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार के 35 नए मंत्रियों ने शपथ ग्रहण की. राज्यपाल आर. एन. रवि ने सभी मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई.

छात्र राजनीति से अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत करने वाले बिराज विश्वास का राजनीतिक सफर काफी संघर्षपूर्ण और प्रेरणादायक रहा है. उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़कर राजनीति में कदम रखा और बाद में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) में शामिल हुए. संगठन में उन्होंने प्रदेश सचिव और बाद में राष्ट्रीय सचिव जैसे महत्वपूर्ण पदों पर जिम्मेदारी निभाई. उनकी संगठनात्मक क्षमता ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया.

बिराज विश्वास को सबसे अधिक पहचान दारिभिट आंदोलन के दौरान मिली. सरकार विरोधी उस आंदोलन में वे अग्रिम पंक्ति के नेताओं में शामिल थे और आंदोलन का नेतृत्व करते हुए उन्हें जेल भी जाना पड़ा था.

2026 के विधानसभा चुनाव में करणदिघी सीट से भाजपा उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरे बिराज विश्वास ने बड़ी जीत दर्ज की. उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी गौतम पाल को लगभग 20 हजार वोटों से हराकर विधानसभा में प्रवेश किया.

यह जीत न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता मानी जा रही है, बल्कि उत्तर बंगाल में भाजपा की बढ़ती राजनीतिक ताकत का भी संकेत है.मंत्री बनने की खबर मिलते ही करणदिघी और आसपास के क्षेत्रों में खुशी की लहर दौड़ गई. स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि युवा मंत्री के रूप में बिराज विश्वास क्षेत्र के लंबे समय से लंबित बुनियादी ढांचे और प्रशासनिक विकास से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देंगे.

जनता की समस्याओं/शिकायतों का पदाधिकारी त्वरित गति से निष्पादन करें: प्रभारी मंत्री श्रवण कुमार

युवाशक्ति न्यूज
पूर्वी चंपारण: श्रवण कुमार, मंत्री ग्रामीण विकास विभाग तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग सह प्रभारी मंत्री पूर्वी चंपारण की अध्यक्षता में पूर्वी चंपारण समाहरणालय मोतिहारी स्थित डॉक्टर राधाकृष्णन सभागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति (20 सूत्री) की बैठक संपन्न हुई. इस बैठक में सांसद शिवहर लवली आनंद, विधायक प्रमोद कुमार, कृष्णनंदन पासवान राणा रणधीर, लाल बाबू प्रसाद गुप्ता, प्रमोद कुमार सिंहा, श्याम बाबू प्रसाद यादव, सचिंद्र प्रसाद सिंह, शालिनी मिश्रा,राजू तिवारी, राजेश कुमार उर्फ बबलू गुप्ता, विशाल कुमार, फैजल रहमान, विधान पार्षद महेश्वर सिंह, डॉ खालिद अनवर,जिला परिषद अध्यक्ष ममता राय, बीस सूत्री उपाध्यक्ष मंजू देवी एवं प्रकाश अस्थाना, सांसद पश्चिमी चंपारण के प्रतिनिधि,जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात, सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, डीसीएलआर, कार्य विभागों के कार्यपालक अभियंता सहित कार्यक्रम कार्यान्वयन में समिति के अन्य सदस्यगण उपस्थित थे. बैठक के प्रारंभ में सभी माननीय सदस्य गण का जिलाधिकारी के द्वारा स्वागत किया गया तत्पश्चात बैठक की कार्रवाई प्रारंभ हुई जिसमें पावर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से जिला में चल रहे विकास के कार्यों की जानकारी सभी माननीय सदस्य गण को दी गई.इस अवसर पर प्रभारी मंत्री महोदय के द्वारा निर्देश दिया गया कि पूर्वी चंपारण जिले में महात्मा गांधी जी से जुड़े स्थलों को चिन्हित किया जाए एवं इन स्थलों के विकास के लिए क्या कुछ किया जा सकता है इसका प्रस्ताव बनाया जाए.उन्होंने कहा कि जहां भी पंचायत सरकार भवन पूर्ण हो चुके हैं उसे शीघ्र हस्तगत करते हुए एक सप्ताह के अंदर वहां पर विभागीय दिशा निर्देश के आलोक में कार्य प्रारंभ कराया जाए ताकि ग्रामीण जनता को इसका लाभ मिल सके.सम्राट अशोक भवन के लिए जमीन की उपलब्धता के लिए माननीय मंत्री के द्वारा निर्देश दिया गया साथ ही रामगढ़वा में इंडस्ट्रियल एरिया के लिए जमीन चिन्हित करने संबंधी निर्देश दिये गए. बाबा सोमेश्वर नाथ मंदिर परिसर के विकास सहित मुख्य पथ को जोड़ने वाले बाईपास के निर्माण पर विचार करने की बात कही गई ताकि रास्ते/यातायात सुगम हो सके. बैठक में विभागीय कार्य एवं उपलब्धियों की समीक्षा की गई. विभागीय कार्य एवं उपलब्धियों को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से माननीय सदस्य गण को अवगत कराया गया.ग्रामीण विकास के कार्यों के अंतर्गत किए कार्यों एवं प्राप्त किए गए उपलब्धि की जानकारी देते हुए उप विकास आयुक्त ने बताया कि जिला में खेल के मैदान में 99.67 प्रतिशत की उपलब्धि अर्जित की गई है. जिला के कुल 394 ग्राम पंचायत में 308 में खेल मैदान का निर्माण कार्य लिया गया था जिसमें 307 खेल मैदान को पूर्ण कर लिया गया है. उन्होंने बताया कि मनरेगा अंतर्गत मानव दिवस सृजन के मामले में वित्तीय वर्ष 2025- 26 में 99.61प्रतिशत की उपलब्धि प्राप्त की गई है. जिला में अभी तक 116,51,831 मानव दिवस का सृजन किया गया है. वित्तीय वर्ष 26-27 अंतर्गत भी पिछले दो माह में 22.27 प्रतिशत की उपलब्धि अर्जित करते हुए 533 032 मानव दिवस का सृजन किया गया है. उनके द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत 2024-25 से लेकर 2025- 26 तक 99.87% की उपलब्धि अर्जित की गई है. जिला में कुल 106424 के लक्ष्य के विरुद्ध 106281लोगों को पीएम आवास की स्वीकृति दी गई है.

नगर निगम के वार्ड 1 से 4 तक लगाया जा रहा है सहयोग शिविर

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं नगर निगम की सेवाओं को वार्ड स्तर तक पहुंचाने के उद्देश्य से गया नगर निगम द्वारा वार्ड संख्या 1 से 4 तक सहयोग शिविर का आयोजन किया जा रहा है.यह शिविर 01 जून से 15 जून तक चलेगा जिसमें पूर्वाह्न 10.00 बजे से 4.00 तक आवेदन दिया जा सकता है.आवेदन प्राप्त करने के 30 दिनों के अंदर संबंधित अधिकारी द्वारा निष्पादित कराया जाएगा.अपने आवेदन पर किए गए कार्रवाई के सूचना कैंप के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं.इस शिविर में स्थानीय लोग नगर निगम से जुड़ी समस्या से संबंधित आवेदन प्राप्त करा सकते हैं.नगर निगम की ओर से वार्ड संख्या 1 एवं 2 के लिए खरखुरा महावीर स्थान स्थित सामुदायिक भवन में सहयोग शिविर आयोजित किया गया.वहीं वार्ड संख्या 3 के लिए लालू मंडल कॉलेज परिसर तथा वार्ड संख्या 4 के लिए बागेश्वरी मंदिर परिसर में शिविर लगाया जा रहा है.शिविर में नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहेंगे, जो लोगों की समस्याओं से संबंधित आवेदन को प्राप्त किया जा रहा है.मौके पर मौजूद अधिकारियों द्वारा बताया गया कि आवेदनों का नियमानुसार 30 दिनों के अंदर निष्पादन किया जाएगा.उन्होंने कहा कि जिन समस्याओं का समाधान तत्काल संभव होगा,

संघ के स्वयंसेवक से मंत्री तक का सफर : निष्ठा और समर्पण ही डॉ. अजय कुमार पोद्दार की कामयाबी का राज

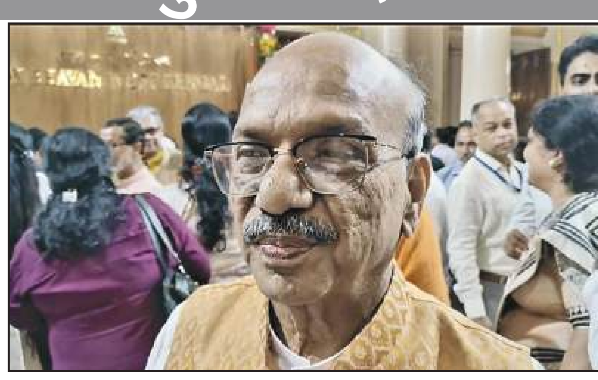

पश्चिम बर्धमान: भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और कुल्टी से विधायक डॉ. अजय कुमार पोद्दार को शुभेंदु मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है. शपथ ग्रहण होने के बाद उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की सपने को साकार करने का संकल्प दोहराते हुए कहा कि उनका जीवन डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को समर्पित है.उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक के रूप में शुरुआत करने वाले डॉ. पोद्दार का नाम भाजपा के प्रमुख नेताओं में शुमार होता है. संगठन के प्रति निष्ठा, लंबे संघर्ष और जनता से जुड़ाव ने डॉ. अजय कुमार पोद्दार को एक साधारण कार्यकर्ता से मंत्री पद तक पहुंचाया है. उनकी यह यात्रा भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा मानी जा रही है.डॉ. पोद्दार ने वर्ष 1972 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवक के रूप में सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की थी. इसके बाद 1973 में भारतीय जनसंघ के साथ सक्रिय राजनीति में कदम रखा. जयप्रकाश नारायण आंदोलन और आपातकाल के दौर में भी उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष किया.भारतीय जनता पार्टी के गठन के बाद वर्ष 1980 से वे लगातार संगठन के लिए कार्य करते रहे. पश्चिम बंगाल में भाजपा के विस्तार के दौरान कुल्टी क्षेत्र में पार्टी को मजबूत करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही. वर्ष 2021 में उन्होंने कुल्टी विधानसभा क्षेत्र से जीत हासिल की और 2026 के विधानसभा चुनाव में 26 हजार से अधिक मतों के अंतर से ऐतिहासिक विजय दर्ज की.मंत्री बनने के बाद अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए डॉ. अजय कुमार पोद्दार ने कहा कि हमारा सपना पूरा हुआ है. इस जीवनकाल में हम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि दे पाए हैं. वर्ष 1973 से हम लोग पार्टी के लिए काम कर रहे हैं. पार्टी का जो भी आदेश होगा, एक सैनिक के रूप में वही कार्य करेंगे. उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि किसी एक व्यक्ति की नहीं बल्कि लाखों कार्यकर्ताओं के वर्षों के संघर्ष, समर्पण और जनता के विश्वास का परिणाम है. उन्होंने पार्टी नेतृत्व और क्षेत्र की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे मंत्री के रूप में भी जनसेवा और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे.

9 पुलिस पदाधिकारियों का तबादला

युवा शक्ति न्यूज
गया : जिले में पुलिस प्रशासन को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) सुशील कुमार ने एक प्रशासनिक फेरबदल किया है.रविवार को जारी आदेश के तहत जिले के विभिन्न थाना और पुलिस प्रतिष्ठानों में कार्यरत कुल 9 पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया गया है.इन सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने नए पदस्थापन स्थल पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है.नगर यातायात थाना के थानाध्यक्ष अजीत कुमार को मोहनपुर थाना का नया थानाध्यक्ष बनाया गया है.पुलिस केंद्र में पदस्थापित सुनील कुमार द्विवेदी को बेलागंज थाना की कमान सौंपी गई है.इसी प्रकार, पुलिस केंद्र में प्रभारी परिवीक्षा प्रवर के पद पर कार्यरत मुकेश कुमार वर्मा को नगर यातायात थाना का थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है.अतरी थाना के थानाध्यक्ष राज कोरल और मोहनपुर थाना के थानाध्यक्ष संजय कुमार का स्थानांतरण पुलिस केंद्र में किया गया है.रामपुर में पदस्थापित प्रमोद कुमार को कोठी थाना का नया थानाध्यक्ष बनाया गया है.पूरा थाना के थानाध्यक्ष अजय कुमार को अतरी थाना का दायित्व सौंपा गया है.चंदौती में पदस्थापित सुमिता राज को पूरा थाना का नया थानाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि कोठी थाना के थानाध्यक्ष संजीत कुमार को गया पुलिस केंद्र में पदस्थापित किया गया है.इस फेरबदल के संबंध में एसएसपी सुशील कुमार ने बताया कि पुलिस विभाग में प्रशासनिक आवश्यकताओं और कार्यकुशलता को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर स्थानांतरण किए जाते हैं.उन्होंने कहा कि यह निर्णय जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने, अपराध नियंत्रण को प्रभावी बनाने और जनता को बेहतर पुलिस सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लिया गया है.एसएसपी ने सभी नए पदस्थापित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में अपराध नियंत्रण, लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन, जन शिकायतों के निपटारे और सामुदायिक पुलिसिंग को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है.उन्होंने कहा कि पुलिसिंग की गुणवत्ता में सुधार और आम लोगों का विश्वास बढ़ाना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है.

सभी कार्यकर्ता अपने घरों पर पार्टी का झंडा और दरवाजे पर नेम प्लेट जरूर लगाए : जिलाध्यक्ष

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी : शहर के बिसार तलाब स्थित जदयू जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष अजय कुशवाहा के अध्यक्षता में प्रखंड अध्यक्षों एवं नगर परिषद अध्यक्षों के साथ संगठन विस्तार हेतु सोमवार को महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई.
बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अजय कुशवाहा ने कहा की सभी प्रखंड अध्यक्ष एवं नगर परिषद अध्यक्ष अपने अपने प्रखंड मुख्यालय में पार्टी के सुचारू रूप संसंचालन के लिए कार्यालय जल्द से जल्द खोल लें.
सभी को निर्देश दिया गया की प्रखंड से पंचायत स्तर तक सभी कार्यकर्ता अपने घर पर झंडा और दरवाजे पर नेम प्लेट जरूर लगा लें.प्रखंड अध्यक्षों को निर्देश दिया गया की पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार द्वारा किए गए कार्यों एवं पार्टी के विचार धारा को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करें.जिला प्रवक्ता अवध बिहारी पटेल ने कहा कि प्रखंड अध्यक्षों को प्रखंड स्तरीय कमेटी गठित करने और पंचायत स्तर तक कमिटी गठन का निर्देश दिया गया.साथ ही नव मनोनित प्रखंड अध्यक्ष एवं नगर परिषद अध्यक्ष को जिलाध्यक्ष द्वारा मनोनयन पत्र दिया गया.
इस अवसर पर अवध बिहारी पटेल, प्रखंड अध्यक्ष पिंकी कुमारी, राजेश कुमार, धीरेंद्र वर्मा, सुरेंद्र कुमार, लक्ष्मी कुशवाहा, नीरज चंद्रवंशी, राहुल कुमार सिंह, रणविजय प्रसाद, परशुराम प्रसाद, आनंदी सिंह, बाल्मिकी प्रसाद, उमेश यादव, संजीव कुमार, संजय चंद्रवंशी, नीतीश दांगी, राजकुमार शर्मा, महेंद्र प्रसाद, बृजनंदन प्रसाद, रामबरण कुमार, कौशर अंसारी उपस्थित थे.

बीएयू सबौर अंतर्गत केवी के बाढ़ से खेत बचाओ अभियान का शुभारंभ

सबौर(भागलपुर): भारत सरकार द्वारा संचालित खेत बचाओ अभियानङ्क (01 जून से 30 जून 2026) का शुभारंभ बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र बाढ़ पटना में गया. कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर के माननीय कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया. अपने उद्घाटन संबोधन में उन्होंने किसानों एवं स्वयं सहायता समूहों से अपील की कि वे मिट्टी जांच के आधार पर ही संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करें. उन्होंने हरित खाद के उपयोग को बढ़ावा देने तथा जैविक एवं प्राकृतिक खेती को अपनाने का आह्वान किया. माननीय कुलपति ने किसानों को अपनी कृषि भूमि के कम से कम 25 प्रतिशत हिस्से में जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने की सलाह दी, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति एवं पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखा जा सके. प्रसार शिक्षा के सह निदेशक डॉ. आर. एन. सिंह ने किसानों से रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैविक एवं जीवाणु खादों के अधिकाधिक उपयोग की अपील की. वहीं कृषि अनुसंधान संस्थान, पटना के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. एस. एन. दास ने औषधीय एवं सुगंधित फसलों की खेती को बढ़ावा देने पर बल देते हुए बताया कि इन फसलों में कम लागत और कम क्षेत्रफल में अधिक लाभ प्राप्त करने की संभावनाएं हैं.कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में कृषि विज्ञान केंद्र, बाढ़ की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. रीता सिंह ने जिले में संचालित किसान हितकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा किसानों को प्राकृतिक खेती, जैविक खेती एवं बदलते जलवायु परिदृश्य में पोषक अनाजों की खेती अपनाने की सलाह दी.तकनीकी सत्र में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक राजीव कुमार ने मिट्टी जांच, उर्वरकों के संतुलित उपयोग, जैविक एवं जीवाणु खादों तथा उर्वरक उपयोग दक्षता बढ़ाने के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी. वहीं उद्यान वैज्ञानिक डॉ. पुष्पम पटेल ने उद्यानिकी फसलों में समेकित पोषक तत्व प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कृषि वानिकी अपनाने की सलाह दी, जिससे प्रति इकाई भूमि की उत्पादकता बढ़ने के साथ-साथ मृदा स्वास्थ्य का भी संरक्षण हो सके.कार्यक्रम में कुल 268 पुरुष एवं महिला किसानों ने भाग लेकर टिकाऊ एवं पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने का संकल्प लिया. यह अभियान किसानों को संतुलित पोषण प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के प्रति जागरूक करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा.

02 जून को आयोजित होने वाले सहयोग शिविर के सफल संचालन हेतु औरंगाबाद जिला अंतर्गत सभी निर्धारित पंचायतों में व्यापक स्तर पर तैयारी कर ली गई है : जिलाधिकारी

औरंगाबाद: (बिहार) जिला पदाधिकारी, श्रीमती अभिलाषा शर्मा (भा.प्र.से.) के निर्देशानुसार मंगलवार दिनांक - 02 जून 2026 को आयोजित होने वाले सहयोग शिविर के सफल संचालन हेतु औरंगाबाद जिला अंतर्गत सभी निर्धारित पंचायतों में व्यापक स्तर पर तैयारी कर ली गई है. जिला - प्रशासन, औरंगाबाद द्वारा सभी जिलेवासियों से अपील की गई थी, कि वे अपने - अपने पंचायत सरकार भवन में जाकर अपनी समस्याओं का आवेदन समय पूर्व जमा करें, ताकि ससमय निष्पादन किया जा सके. इसी क्रम में अधिकतम आवेदनों का निष्पादन संबंधित विभागों द्वारा कर दिया गया! जिसकी सूचना सभी लाभार्थी को दे दी गई है, एवं वे शिविर के दिन आकर अपने आवेदन पर कृत कार्यवाही भी देख सकेंगे.
सहयोग शिविर का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों की शिकायतों की सुलभ प्राप्ति एवं उनके त्वरित, पारदर्शी तथा प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है. इसके अंतर्गत प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिसमें विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहेंगे. प्रत्येक शिविर के आयोजन से पूर्व संबंधित पंचायतों में कम-से-कम 30 दिन पूर्व से आवेदन प्राप्त करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है, ताकि प्राप्त आवेदनों का पूर्व परीक्षण कर उनके निष्पादन की प्रक्रिया को और अधिक सुगम बनाया जा सके. जिला पदाधिकारी द्वारा प्रत्येक शिविर हेतु वरीय पदाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं सहयोगी पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है. संबंधित प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी को शिविर के सफल संचालन एवं आवश्यक व्यवस्थाओं हेतु जिम्मेदारी सौंपी गई है. इसी क्रम में मंगलवार दिनांक - 02 जून 2026 (माह का प्रथम मंगलवार) को होने वाले सहयोग शिविर अंतर्गत
बारुण प्रखंड के पिपरा, घनगाई, औरंगाबाद प्रखंड अंतर्गत पड़रावाँ, खैराबिन्द, देव प्रखंड अंतर्गत पवई, खरकनी, मदनपुर प्रखंड अंतर्गत पिपरौरा, वार, रफीगंज प्रखंड अंतर्गत पौथू, इटार, लट्टा, कजपा, कुटुम्बा प्रखंड अंतर्गत भरौंधा, कर्मा बसंतपुर, डुमरा, घेउरा, नबीनगर प्रखंड अंतर्गत महुआंव, अंकोरहा, ओबरा प्रखंड अंतर्गत तेजपुरा, डिहरा, दाउदनगर प्रखंड अंतर्गत शमशेर नगर, अरई, गोह प्रखंड अंतर्गत हथियारा, बनतारा, अमारी, तेयाप, हसपुरा प्रखंड अंतर्गत पीरु, पुरहारा में सहयोग शिविर आयोजित किए जाएंगे.
जिला - प्रशासन द्वारा सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है, कि शिविर का आयोजन सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं परिणामोन्मुखी तरीके से सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिकाधिक नागरिकों को इस पहल का लाभ मिल सके. जिला - प्रशासन द्वारा आमजन से अपील की गई है, कि वे अपने पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं एवं योजनाओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत करें, तथा सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ प्राप्त करें. जिसकी जानकारी समाहरणालय, औरंगाबाद के जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सोशल - मीडिया के माध्यम से दी गई है!

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | मंगलवार | 2 जून, 2026

सांसद पर भीड़ का हमला

तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सांसद एवं पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी पर भीड़ ने ऐसा हमला किया कि लोकतंत्र पर सवाल उठने लगे। अभिषेक पर अंडे फेंके गए, पत्थर मारे गए, लात-थप्पड़ तक चले, उनकी कमीज फाड़ दी गई, उन्हें 'चोर, चोर' कहा गया, उनका चश्मा भी तोड़ दिया गया। सांसद को हेलमेट पहना कर, किसी तरह, वहां से निकाला गया। वह अब भी अस्पताल में भर्ती बताए जाते हैं। पश्चिम बंगाल के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की, 15 लंबे सालों की सत्ता के बाद, करारी पराजय हुई है। मुख्यमंत्री रहीं एवं पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी तक हार गईं। अभिषेक ममता के ही सगे भतीजे हैं। बंगाल की जनता ने जनादेश के जरिए अपना गुस्सा, असंतोष, तृणमूल सरकार के प्रति नाराजगी और अस्वीकृति जता दी है। लोकतंत्र का बुनियादी अध्याय यहीं समाप्त होना चाहिए। अभिषेक पर भ्रष्टाचार, कटमनी, अवैध संपत्तियों, कोयला घोटाला, शिक्षा भर्ती घोटाला और धनशोधन के कई गंभीर आरोप हैं। जांच एजेंसियां और अदालत अपना काम कर रही हैं। दक्षिण 24, परगना के सोनारपुर इलाके में चुनावी हिंसा के शिकार पार्टी कार्यकर्ताओं के परिजनों से मिलने तथा सहानुभूति जताने जा रहे थे। संभव है कि उस इलाके में सड़कों, बिजली, पानी, नालियों का रखरखाव और उनकी व्यवस्था पर्याप्त नहीं होगी, लिहाजा लोगों का उत्तेजित होना, हारे हुए नेता के खिलाफ नारेबाजी करना, सीमित विरोध-प्रदर्शन करना स्वाभाविक है, लेकिन वह सब कुछ कानून-व्यवस्था के दायरे में किया जाना चाहिए। संयम और नियंत्रण की 'लाल लकीर' पार नहीं की जानी चाहिए, लेकिन भारत में सब कुछ उलट हो रहा है। भीड़ कानून नहीं बना सकती। भीड़ सजा नहीं सुना सकती और न ही सजा दे सकती है। भीड़ का ऐसा व्यवहार पूरी तरह कानूनहीनता है। चुनाव तो देश की प्रधानमंत्री रहीं इंदिरा गांधी, कई मुख्यमंत्री और मंत्री हारे हैं। भीड़ शारीरिक हिंसा पर आमादा नहीं हो सकती। भारत में भीड़ अक्सर निरंकुश और हिंसक रही है। यह देश के कई हिस्सों में दंगों के दौरान देखा गया है। भीड़ पथराव करती है, लाठियां-तलवारें चमकाती है और पेट्रोल बम तक भी फेंकती है। क्या फिर भी हम 'महान लोकतंत्र' हैं? क्या इन आपराधिक हरकतों को 'लोकतंत्र' माना जा सकता है? तीन बार के निर्वाचित सांसद अभिषेक बनर्जी के साथ भीड़ ने जो किया है, वह निश्चित तौर पर अराजकता, सड़किया गुंडई, बेलगाम हिंसा, उन्माद, उच्छृंखलता के अलावा कुछ भी नहीं है। भीड़ का एक चेहरा देश के रक्षा-कृषि मंत्री रहे और अब भी राज्यसभा सांसद शरद पवार को थप्पड़ रसीद कर देता है, केंद्रीय वित्त-गृह मंत्री रहे और अब भी राज्यसभा सांसद पी. चिदंबरम पर जूता उछाला जाता है, दिल्ली के 10 साल मुख्यमंत्री रहे केजरीवाल के चेहरे पर कई बार कालिख पोती गई। बंगाल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर पथराव किया गया। पिछले चुनाव में तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और पार्टी के तत्कालीन प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय पर भी हमले किए गए। आज एक और टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी पर हमला किया गया। यह कैसा लोकतंत्र है? ये हरकतें क्या दर्शाती हैं? बंगाल में अब भाजपा की सरकार है और शुभेंदु अधिकारी मुख्यमंत्री हैं। वह बहुत तेजी से व्यवस्था बदलने में जुटे हैं। कई सांप्रदायिक बदलाव भी किए गए हैं। बांग्लादेश सीमा पर 600 किमी से ज्यादा लंबी बाड़बंदी होगी। उसके लिए बीएसएफ को जमीन दी जा चुकी है। माहौल हिंदुत्व का है। जिस भीड़ ने अभिषेक पर हमला किया, उसमें से 'जय सिया राम' की आवाजें भी बुलंद थीं। धर्म चाहिए अथवा बुनियादी ढांचा दुरुस्त होना चाहिए? अच्छा है कि नई सरकार आने के बाद कथित घुसपैठिए बांग्लादेश बॉर्डर तक भाग रहे हैं, लेकिन यह इतना आसान काम नहीं है, जितना दिखाया जा रहा है। सवाल यह है कि सांसद की सुरक्षा का दायित्व अब किसका है? राज्य सरकार ने अभिषेक की जेड सुरक्षा छीन ली। यह सरकार का अपना मूल्यांकन होगा, लेकिन सांसद के साथ जब मारी-पीटी की जा रही थी, तब एक भी पुलिसिया चेहरा दिखाई नहीं दिया। घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा बल के जवान वाहनों में तुरत-फुरत आए और सांसद को निकाल कर ले गए। सवाल यह भी है कि यदि सांसद के साथ कोई अनहोनी हो जाती, तो शर्मसार कौन होता? निश्चित तौर पर लोकतंत्र और कानून-व्यवस्था। इस संदर्भ में भाजपा सरकार को अभी शुरुआत करनी है। महज नारों से सरकारें नहीं चला करतीं। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा होती रही है। माकपा के बाद टीएमसी की सरकार पर भी ऐसे आरोप लगते रहे हैं। इस मामले में भाजपा की परीक्षा अब होनी है, जो हिंसा खत्म करने के वादे के साथ सत्ता में आई है।

दुनिया के सामने खतरनाक वायरस इबोला की चुनौती

– क्रांति कुमार पाठक

अब दुनिया को एक और वायरस चुनौती देने के लिए दस्तक दे रहा है. वह है इबोला वायरस, जो कि दुनिया के सबसे घातक संक्रामक रोगों में से एक है. यह अत्यधिक उच्च मृत्यु दर (50 फीसदी से 90 फीसदी तक) और अंगों के फेल होने का कारण बनता है. इबोला एक जूनोटिक वायरस है, यानी यह जानवरों (जैसे चमगादड़ और बंदर) से इंसानों में फैलता है. इसके प्रकोप से बचाव, इलाज की सीमित उपलब्धता और तेजी से फैलने की क्षमता वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है. दुनिया ने कोरोना वायरस के दौरान यह कड़वा अनुभव कर लिया था कि कोई भी वायरस केवल किसी एक देश या महाद्वीप की समस्या नहीं होता. आज अफ्रीका के डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ द कांगो और युगांडा में इबोला वायरस के बढ़ते मामलों ने फिर यह याद दिलाया है कि स्वास्थ्य सुरक्षा अब सीमाओं में बंधी हुई चीज नहीं रही. जहां भी बीमारी फैलती है, उसका प्रभाव पूरी दुनिया की चिंता बन जाता है. ताजा रिपोर्टों के मुताबिक, इसके प्रकोप से सैकड़ों संदिग्ध मामले और बड़ी संख्या में संदिग्ध मौतें सामने आई हैं, जबकि भारत में भी प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों के लिए सतर्कता संबंधी सलाह जारी की गई है. यह कितना तेजी से फैल रहा है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ द कांगो और यूगांडा में इबोला के प्रकोप को 'अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल' घोषित किया है. पूर्वी कांगो में इबोला वायरस के प्रकोप के कारण 139 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 500 से अधिक संदिग्ध मामले सामने आए हैं. भारत में इसको लेकर काफी सतर्कता बरती जा रही है. इबोला वायरस के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए भारत और अफ्रीकी संघ के बीच होने वाले शिखर सम्मेलन को भी रद्द कर दिया गया है. यह आयोजन 28 मई को नई दिल्ली में होना था.साथ ही भारत सरकार की तरफ से सतर्कता जारी की गई है. इबोला कोई सामान्य बीमारी नहीं है. इबोला वायरस एक अत्यंत संक्रामक और घातक वायरल हेमोरेजिक बुखार है जो रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाता है. इसके प्रकोप में मृत्यु दर 25 फीसदी से लेकर 90 फीसदी तक होती है.वर्तमान में, कांगो और अफ्रीकी क्षेत्रों में इसके बढ़ते मामलों के कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा इसे लेकर वैश्विक अलर्ट जारी किया गया है. इबोला के मुख्य लक्षण वायरस के संपर्क में आने के2 से 21 दिनों (औसत 8-10 दिन) के भीतर लक्षण दिखाई देने लगते हैं. शुरुआती लक्षण तेज बुखार, अत्यधिक थकान, गले में खराश, सिरदर्द और मांसपेशियों में दर्द. गंभीर लक्षण उल्टी, दस्त, पेट में दर्द और त्वचा पर चकत्ते. अंतिम चरण आंतरिक और बाहरी दोनों तरफ से बिना कारण खून बहना और अंगों का काम बंद कर देना.यह संक्रमित व्यक्ति के खून,शरीर के तरल पदार्थों या संक्रमित जानवरों के संपर्क से फैल सकता है. बुखार, कमजोरी, उल्टी, दस्त, सिरदर्द और असामान्य रक्तस्राव जैसे लक्षण इसके खतरे की चेतावनी हो सकते हैं. इसलिए ऐसे किसी भी व्यक्ति को, जिसने हाल में प्रभावित क्षेत्र की यात्रा की हो, लक्षण दिखते ही तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए और अपनी यात्रा का पूरा विवरण स्वास्थ्य अधिकारियों को बताना चाहिए. इस बार चिंता इसलिए भी अधिक है कि प्रकोप बुंडिबुग्यो स्ट्रेन से जुड़ा बताया जा रहा है. इस स्ट्रेन के लिए अभी व्यापक रूप से उपलब्ध प्रमाणित वैक्सीन की स्थिति सीमित है और विशेषज्ञों के मुताबिक वैक्सीन विकसित करने में समय लग सकता है. यही कारण है कि रोकथाम, जांच, आइसोलेशन और संपर्क में आए लोगों की पहचान सबसे महत्वपूर्ण हथियार बन जाते हैं. अफ्रीका के जिन इलाकों में यह बीमारी फैल रही है, वे पहले से ही हिंसा, विस्थापन और कमजोर स्वास्थ्य सेवाओं जैसी चुनौतियों से जूझ रहे हैं. जब लोग अपने घर छोड़कर इधर उधर जाते हैं, अस्पतालों में संसाधन कम होते हैं और स्वास्थ्यकर्मियों के पास पर्याप्त सुरक्षा साधन नहीं होते, तब वायरस को रोकना और कठिन हो जाता है. भारत के लिए फिलहाल घबराने की नहीं बल्कि पूरी सतर्कता की जरूरत है. देश में अब तक इबोला का कोई मामला सामने आने की सूचना नहीं है. लेकिन अंतरराष्ट्रीय यात्रा के इस दौर में निगरानी को मजबूत रखना आवश्यक है. हवाई अड्डों पर स्क्रीनिंग, संदिग्ध यात्रियों की पहचान, क्वारंटाइन व्यवस्था, प्रयोगशाला जांच और अस्पतालों की तैयारी केवल कागजी प्रक्रिया नहीं होनी चाहिए, बल्कि जमीन पर पूरी मजबूती से लागू होनी चाहिए. *(उपसंपादक दैनिक एक संदेश)*

सोशल मीडिया ट्रेंड और एल्गोरिदम की भूमिका

– डॉ. प्रियंका सौरभ

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनमत होता है. यह जनमत किसी एक दिन या एक चुनाव के दौरान निर्मित नहीं होता, बल्कि समाज में निरंतर चलने वाले संवाद, बहस, विचार-विमर्श, सामाजिक अनुभवों, राजनीतिक चेतना और नागरिक भागीदारी की लंबी प्रक्रिया से आकार लेता है. लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों का सूचित निर्णय, विभिन्न विचारों का आदान-प्रदान और असहमति के प्रति सम्मान अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है. लंबे समय तक देश में जनमत के निर्माण का आधार प्रत्यक्ष संवाद, जनसभाएं, सामाजिक संगठन, समाचार-पत्र, पुस्तकें, शिक्षण संस्थान और जन आंदोलन रहे. लेकिन डिजिटल क्रांति के बाद यह परिदृश्य तेजी से बदला है. आज सोशल मीडिया केवल संवाद का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह जनमत निर्माण की सबसे प्रभावशाली शक्ति के रूप में उभरा है. ऐसे समय में यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या अब जनमत नागरिकों के स्वतंत्र चिंतन से अधिक सोशल मीडिया ट्रेंड और एल्गोरिदम द्वारा निर्धारित होने लगा है? भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और साथ ही दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल उपभोक्ता समूहों में से एक भी. करोड़ों लोग प्रतिदिन फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, यू-ट्यूब, व्हाट्स ऐप और अन्य डिजिटल मंचों का उपयोग करते हैं. समाचारों से लेकर राजनीतिक विचारों तक, समाज के बड़े वर्ग की प्राथमिक जानकारी अब इन्हीं प्लेटफॉर्मों से प्राप्त होती है. यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है. पहले जहां नागरिक किसी मुद्दे पर अखबार पढ़कर, बहस सुनकर या स्थानीय स्तर पर चर्चा करके राय बनाते थे, वहीं अब राय निर्माण की प्रक्रिया काफी हद तक डिजिटल मंचों पर निर्भर हो गई है. इस प्रक्रिया में सोशल मीडिया एल्गोरिदम की भूमिका केंद्रीय हो गई है. एल्गोरिदम ऐसे तकनीकी तंत्र हैं जो यह तय करते हैं कि किसी उपयोगकर्ता को कौन-सी सामग्री दिखाई जाएगी और कौन-सी नहीं. वे उपयोगकर्ता की पसंद, गतिविधियों, खोज इतिहास और ऑनलाइन व्यवहार का विश्लेषण करके सामग्री का चयन करते हैं. तकनीकी दृष्टि से उनका उद्देश्य उपयोगकर्ता को अधिक समय तक प्लेटफॉर्म पर बनाए रखना होता है, क्योंकि डिजिटल कंपनियों का आर्थिक मॉडल इसी पर आधारित है. लेकिन लोकतांत्रिक दृष्टि से यह प्रक्रिया कई गंभीर प्रश्न खड़े करती है. यदि नागरिकों को वही सामग्री दिखाई जाए जो उनकी पूर्व मान्यताओं से मेल खाती हो, तो क्या वे विविध विचारों से परिचित हो पाएंगे? यदि एल्गोरिदम यह तय करने लगें कि कौन सा मुद्दा महत्वपूर्ण है, तो क्या लोकतांत्रिक विमर्श स्वतंत्र रह पाएगा? आज सोशल मीडिया पर ट्रेंड होना किसी विषय की लोकप्रियता का प्रमुख संकेतक माना जाता है. कोई हैशटैग लाखों बार साझा हो जाए तो वह राष्ट्रीय चर्चा का विषय बन जाता है. कई बार ऐसा प्रतीत होता है कि जो ट्रेंड कर रहा है वही जनभावना का प्रतिनिधित्व कर रहा है. किंतु यह आवश्यक नहीं कि ट्रेंड वास्तव में समाज की व्यापक राय का प्रतिबिंब हो. अनेक बार ट्रेंड संगठित डिजिटल अभियानों, राजनीतिक प्रचार, भुगतान आधारित प्रचार रणनीतियों या बॉट नेटवर्क द्वारा भी निर्मित किए जाते हैं. ऐसे में यह समझना आवश्यक है कि डिजिटल दृश्यता और वास्तविक जनसमर्थन हमेशा समानार्थी नहीं होते. जमीनी स्तर की राजनीतिक भागीदारी और डिजिटल सक्रियता के बीच का अंतर भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है. भारत का लोकतांत्रिक इतिहास प्रत्यक्ष जन सहभागिता के अनेक उदाहरणों से भरा हुआ है. स्वतंत्रता आंदोलन में लोगों ने जेल यात्राएं कीं, सत्याग्रह किए और सामाजिक परिवर्तन के लिए व्यक्तिगत जोखिम उठाए. बाद के दशकों में भी अनेक आंदोलनों ने नागरिकों को प्रत्यक्ष रूप से संगठित किया. इन आंदोलनों में लोगों के बीच संवाद, विश्वास और सामूहिकता का निर्माण होता था. इसके विपरीत डिजिटल सक्रियता अकसर प्रतीकात्मक भागीदारी तक सीमित रह जाती है. किसी पोस्ट को साझा करना, किसी हैशटैग का समर्थन करना या प्रोफाइल फोटो बदलना आसान है, लेकिन यह हमेशा वास्तविक सामाजिक हस्तक्षेप में परिवर्तित नहीं होता. परिणामस्वरूप राजनीतिक भागीदारी का एक नया स्वरूप विकसित हुआ है जिसमें दृश्यता अधिक और प्रत्यक्ष सामाजिक प्रतिबद्धता अपेक्षाकृत कम दिखाई देती है. सोशल मीडिया एल्गोरिदम का एक महत्वपूर्ण प्रभाव तथाकथित 'इको चैंबर' और

'फिल्टर बबल' के रूप में सामने आता है. जब कोई व्यक्ति किसी विशेष प्रकार की सामग्री देखता या पसंद करता है, तो एल्गोरिदम उसे उसी प्रकार की और सामग्री दिखाने लगते हैं. धीरे-धीरे वह व्यक्ति ऐसे डिजिटल वातावरण में पहुंच जाता है जहां उसे मुख्यतः वही विचार दिखाई देते हैं जिनसे वह पहले से सहमत होता है. इससे वैचारिक विविधता कम हो जाती है और विरोधी विचारों के प्रति असहिष्णुता बढ़ने लगती है. लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि नागरिक विभिन्न दृष्टिकोणों को सुनने और समझने के लिए तैयार हों. लेकिन यदि एल्गोरिदम नागरिकों को वैचारिक रूप से अलग-अलग खेमों में बांट दें, तो लोकतांत्रिक संवाद की गुणवत्ता प्रभावित होना स्वाभाविक है. भारत में राजनीतिक ध्रुवीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति को भी इसी संदर्भ में देखा जा सकता है. सोशल मीडिया पर विभिन्न राजनीतिक समूह अपने-अपने डिजिटल समुदायों में सक्रिय रहते हैं. इन समुदायों के भीतर साझा की जाने वाली सामग्री अक्सर एक विशेष दृष्टिकोण को पुष्ट करती है और विरोधी विचारों को संदेह, उपहास या शत्रुता की दृष्टि से प्रस्तुत करती है. इससे समाज में संवाद की जगह टकराव की प्रवृत्ति बढ़ सकती है. लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक और आवश्यक है, लेकिन जब असहमति संवाद के बजाय वैमनस्य का रूप लेने लगे तो लोकतांत्रिक संस्कृति कमजोर पड़ने लगती है. फेक न्यूज और दुष्प्रचार का प्रश्न भी सोशल मीडिया एल्गोरिदम से गहराई से जुड़ा हुआ है. एल्गोरिदम उन सामग्रियों को अधिक बढ़ावा देते हैं जिन पर लोग तेजी से प्रतिक्रिया देते हैं. अक्सर भावनात्मक और सनसनीखेज सामग्री तथ्यात्मक और संतुलित सामग्री की तुलना में अधिक तेजी से फैलती है. यही कारण है कि झूठी खबरें, आधे-अधूरे तथ्य, भ्रामक वीडियो और मनगढ़ंत दावे सोशल मीडिया पर अत्यंत तेजी से वायरल हो जाते हैं. भारत में कई अवसरों पर फेक न्यूज ने सामाजिक तनाव, सांप्रदायिक विवाद और सार्वजनिक भ्रम की स्थिति उत्पन्न की है. चुनावी राजनीति में भी गलत सूचनाओं का उपयोग मतदाताओं की राय को प्रभावित करने के लिए किया जाता रहा है. जब नागरिकों के निर्णय तथ्यात्मक जानकारी के बजाय दुष्प्रचार पर आधारित होने लगें, तो लोकतंत्र की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है. सोशल मीडिया ने राजनीतिक संचार को भी पूरी तरह बदल दिया है. पहले राजनीतिक दलों को जनता तक पहुंचने के लिए रैलियों, सभाओं, पोस्टरों और पारंपरिक मीडिया का सहारा लेना पड़ता था. अब वे सीधे नागरिकों के मोबाइल फोन तक पहुंच सकते हैं. यह सुविधा लोकतंत्र के लिए सकारात्मक भी है क्योंकि इससे सूचना का प्रवाह तेज हुआ है. लेकिन इसके साथ ही माइक्रो-टार्गेटिंग जैसी नई रणनीतियां भी विकसित हुई हैं. डिजिटल प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ताओं के व्यवहार से संबंधित विशाल मात्रा में डेटा एकत्र करते हैं. इस डेटा के आधार पर अलग-अलग समूहों को अलग-अलग राजनीतिक संदेश भेजे जा सकते हैं. इससे राजनीतिक प्रचार अधिक प्रभावी तो हो जाता है, लेकिन पारदर्शिता कम हो जाती है. नागरिकों को यह पता ही नहीं चलता कि उन्हें जो संदेश दिखाया जा रहा है, वही संदेश अन्य नागरिकों को भी दिखाई दे रहा है या नहीं. लोकतंत्र का आदर्श सार्वजनिक और खुला विमर्श है, जबकि माइक्रो-टार्गेटिंग राजनीतिक संवाद को खंडित और निजी बना सकती है. हालांकि सोशल मीडिया और एल्गोरिदम के प्रभाव को केवल नकारात्मक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा. इन मंचों ने अनेक सकारात्मक अवसर भी प्रदान किए हैं. समाज के हाशिए पर स्थित समूहों, महिलाओं, युवाओं, ग्रामीण समुदायों और अल्पप्रतिनिधित्व वाले वर्गों को अपनी बात रखने का नया मंच मिला है. कई सामाजिक मुद्दे जो पहले मुख्यधारा मीडिया में पर्याप्त स्थान नहीं पाते थे, सोशल मीडिया के माध्यम से राष्ट्रीय बहस का विषय बने हैं. डिजिटल माध्यमों ने सूचना तक पहुंच को अधिक लोकतांत्रिक बनाया है और नागरिकों को सत्ता से सीधे संवाद करने का अवसर दिया है. कई जनहित अभियानों ने सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक समर्थन प्राप्त किया है. प्राकृतिक आपदाओं, सामाजिक आंदोलनों और जनजागरुकता अभियानों में डिजिटल प्लेटफॉर्म की सकारात्मक भूमिका को नकारा नहीं जा सकता. समस्या तब उत्पन्न होती है जब तकनीकी मंच स्वयं लोकतांत्रिक विमर्श के निर्णायक बनने लगते हैं. किसी लोकतंत्र में यह निर्णय नागरिकों और संस्थाओं का होना चाहिए कि कौन-से मुद्दे महत्वपूर्ण हैं, न कि किसी निजी कंपनी के एल्गोरिदम का. लेकिन व्यवहार में कई बार यही होता दिखाई देता है कि जो विषय एल्गोरिदमिक रूप से अधिक दृश्यता प्राप्त कर लेता है, वही सार्वजनिक बहस के केंद्र में आ जाता है. इससे उन महत्वपूर्ण मुद्दों की उपेक्षा हो सकती है जो डिजिटल रूप से आकर्षक नहीं हैं, लेकिन सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं. ग्रामीण संकट, श्रमिक अधिकार, शिक्षा की गुणवत्ता, सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्थानीय प्रशासन जैसे विषय अक्सर मनोरंजक या विवादास्पद सामग्री की भीड़ में दब जाते हैं. हमारे लोकतंत्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह डिजिटल तकनीक के लाभों को स्वीकार करते हुए उसके दुष्प्रभावों को कैसे नियंत्रित करे. इसके लिए केवल सरकारी नियमन पर्याप्त नहीं होगा. डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना आवश्यक है ताकि नागरिक सूचना का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर सकें. स्कूलों और विश्वविद्यालयों में मीडिया साक्षरता तथा तथ्य-जांच संबंधी शिक्षा को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए. सोशल मीडिया कंपनियों को भी अपने एल्गोरिदम की पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ानी होगी. राजनीतिक विज्ञापनों और डिजिटल प्रचार अभियानों के लिए स्पष्ट नियमों की आवश्यकता है ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की निष्पक्षता बनी रहे. स्वतंत्र मीडिया, नागरिक समाज और शैक्षणिक संस्थानों को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी. अंततः यह समझना आवश्यक है कि लोकतंत्र केवल तकनीक से संचालित नहीं हो सकता. तकनीक लोकतंत्र का साधन हो सकती है, उसका विकल्प नहीं. सोशल मीडिया नागरिकों को जोड़ सकता है, लेकिन वह वास्तविक सामाजिक संबंधों और जमीनी भागीदारी का स्थान नहीं ले सकता. किसी पोस्ट को साझा करना और किसी आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेना दो अलग-अलग बातें हैं. किसी हैशटैग को ट्रेंड कराना और समाज में स्थायी परिवर्तन लाना भी समान नहीं हैं. लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति अभी भी जागरूक नागरिकों, स्वतंत्र चिंतन, सार्वजनिक संवाद और सामूहिक भागीदारी में निहित है. जब ट्रेंड जनमत को प्रभावित करने लगें, तब नागरिकों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है. उन्हें यह समझना होगा कि हर वायरल सामग्री सत्य नहीं होती, हर ट्रेंड जनभावना का प्रतिनिधित्व नहीं करता और हर डिजिटल बहस लोकतांत्रिक विमर्श नहीं होती. लोकतंत्र की रक्षा केवल संस्थाएं नहीं करतीं, बल्कि सचेत नागरिक भी करते हैं. इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि डिजिटल युग में नागरिक तकनीक का उपयोग करें, लेकिन उसके द्वारा नियंत्रित न हों. यदि हम ऐसा कर पाए, तो सोशल मीडिया लोकतंत्र को सशक्त बनाने का माध्यम बनेगा, अन्यथा यह खतरा बना रहेगा कि एक दिन जनमत नागरिकों की स्वतंत्र चेतना से नहीं, बल्कि एल्गोरिदम द्वारा निर्मित ट्रेंड से निर्धारित होने लगेगा. यही हमारे समय की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक चुनौती है.

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

आपका जन्मदिन मंगलमय हो — 2 जून

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 2 जून है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का स्वामी ग्रह चन्द्रमा है. इस माह का अधिपति ग्रह बुध है. आप आजीवन बुध व चन्द्रमा ग्रह से प्रभावी रहेंगे. आप मृदु व दयालु स्वभाव के व्यक्ति होंगे. अतीन्द्रिय ज्ञान की आप में अद्भुत क्षमता होगी. आप किसी भी बात को बढ़ा-चढ़ा कर कहने में सक्षम होंगे. आप किसी भी कार्य के बारे में सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त कर लेने के बाद ही उसे करेंगे. आप किसी भी समस्या पर तुरन्त निर्णय नहीं ले पायेंगे. आप किसी भी कार्य या वस्तु के लिए अपने आपको नहीं कहने में असमर्थ सा महसूस करेंगे. आपका मुख्य ध्येय लक्ष्य की प्राप्ति होगा. आपकी मानसिक शक्ति शारीरिक शक्ति की अपेक्षा बेहतर रहेगी. आप यथार्थवादी होते हुए भी कल्पना लोक में खोये रहेंगे. आप में प्रदर्शन की भावना अधिक रहेगी. कला-सौन्दर्य की ओर आपका विशेष झुकाव रहेगा. आप जनसम्पर्क का लाभ प्राप्त कर सकेंगे. आपका गृहस्थ जीवन सामान्य रहेगा. अत्यधिक उदारता आपकी सफलता में बाधक सिद्ध होगा. जीवन में सौभाग्य हेतु अपने इष्ट देवी-देवता की पूजा-अर्चना करें, नियमित रूप से देशी घी का दीपक अवश्य जलावें. दैनिक जीवन में सफेद रंग की वस्तुओं का प्रयोग करें. पूर्णिमा का व्रत रखें. भोजन चन्द्रोदय के बाद करें. दूध, चावल व चीनी का दान करें. हिंसा जनित कार्य न करें. समस्त नशीले पदार्थों से दूर रहें. आरोग्य व सौभाग्य के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ सों सोमाय नम:	मास	:	अप्रैल, सितम्बर एवं नवम्बर
व्रत	:	सोमवार	वर्ष	:	2, 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65
दिन	:	सोमवार, मंगलवार एवं शुक्रवार	रंग	:	सफेद एवं क्रीम
दिनांक	:	2, 11, 20, 29	जन्मरत्न	:	मोती
उपरत्न	:	मून स्टोन	अंक	:	1, 4, 7
जड़ी	:	अनार की जड़	दिशा	:	नैर्ऋत्य

यंत्र

7	2	9
8	6	4
3	10	5

वर्ष का महत्वपूर्ण समय – 20 जून से 20 जुलाई

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2026

मेष : परिस्थिति भाग्य के अनुरूप, वरिष्ठजनों की सलाह हितकर, धनागम का मार्ग प्रशस्त, वैमनस्यता का समापन, कठिनाइयों में कमी का एहसास, यश में वृद्धि.

वृषभ : शंका-कुशंका प्रभावी, व्यावसायिक हानि, दाम्पत्य जीवन में अशांति, आत्मीय-जनों से कष्ट, निर्णय-अनिर्णय की स्थिति, मानसिक बेचैनी, यात्रा से परेशानी.

मिथुन : विनियोजित धन का प्रतिफल प्राप्त, जिम्मेदारियों की पूर्ति हेतु अधिक व्यय, दाम्पत्य जीवन सुखमय, हर्षोल्लास का माहौल, धन की प्राप्ति, आत्मिक शांति.

कर्क : अभीष्ट सिद्धि का प्रयास, आपसी सम्बन्धों में मधुरता, उपस्थित व्यवधान समाप्त, लाभ का सिलसिला, अधिकारी वर्ग से अनुकूलता, यात्रा का प्रसंग.

सिंह : आशानुकूल परिवर्तन, नवीन कार्यों के प्रति रुचि जागृत, योजना साकार करने की दिशा में प्रयास, विनोद के अवसर सुलभ, विवाद का समापन, चित्त प्रफुल्लित.

कन्या : मित्रों परिजनों से तनाव, क्रोध की अधिकता, मन दुविधामय, सोचे हुए कार्य अपूर्ण, पठन-पाठन में अरुचि, अकेलेपन की अनुभूति, बढ़ते हुए खर्च से परेशान.

तुला : व्यावसायिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त, सुपरिचितों से सहयोग, भौतिक सुख के साधन उपलब्ध, स्थान-परिवर्तन की दिशा में कार्यक्रम, मेल-मिलाप में अभिरुचि.

वृश्चिक : महत्वपूर्ण उपलब्धि, घरेलू समस्याएँ सुलझने की ओर, विनियोजित धन का प्रतिफल प्राप्त, प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता, सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि.

धनु : अधूरे कार्यों की पूर्ति, व्यक्तिगत परेशानी में कमी का अहसास, वैवाहिक अड़चनें समाप्त, प्रेम सम्बन्धों में प्रगाढ़ता, दूर या समीप की यात्रा का प्रसंग, चित्त प्रफुल्लित.

मकर : निराशा की स्थिति, कठिनाइयां प्रभावी, सामयिक कार्यों में अड़चनें, नवीन समस्याएँ उत्पन्न, प्रतियोगिता के क्षेत्र में असफलता, स्वयं की प्रतिभा कुंठित.

कुम्भ: दिनमान अनुकूल, किसी आयोजन में सम्मिलित होने का सुअवसर, आय के स्रोत उपस्थित, मौज-मस्ती के निमित्त व्यय, सुख के साधन सुलभ, प्रतिष्ठा भी.

मीन: भाग्योन्नति हेतु नवीन आयाम, योजना साकार होने की ओर, अधिक संकट का निवारण, उपहार या सम्मान लाभ, भोग-विलासिता की ओर रुझान, यात्रा सफल.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उचारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

दो - हुआ न होइब योगी ऐहि सम बाल कपाल असि परी रेख ।
नाम कपिल भल होइब ईँह कहहिं ऋषि जन नक्षत्र देख ।।5।।

व्याख्या - ऋषि लोग नक्षत्रों का विचार कर कहने लगे कि इस बालक के समान योगी न तो कोई हुआ है और न होगा । क्योंकि बालक के कपाल पर ऐसी रेखा है । अत: इस बालक का नाम ' कपिल ' अच्छा होगा ।

ब्रम्ह चिन्तन करहि दिनु राति । भयउ बड़ कपिल ऐहि भांति ।।
मुनि आश्रम भा आनन्द धामा । सुत क्रीड़ा मुदित कर्दम बामा ।।

व्याख्या - ब्रम्ह का रात - दिन चिन्तन करते हुए कपिल बड़ा होमे लगा । मुनि कर्दन का आश्रम आनन्द का घर बन गया तथा पुत्र की क्रीड़ा देखकर कर्दम की पत्नी प्रसन्न रहने लगी ।

संयुक्त राष्ट्रसंघ की चिंता और चरागाह भूमि का संकट

–कुलभूषण उपमन्यु

संयुक्त राष्ट्रसंघ ने 2026 को चरागाह और पशुचारक वर्ष घोषित किया है. इससे जाहिर है कि वैश्विक स्तर पर चरागाह भूमि संकट ग्रस्त हैं और इन पर ध्यान देने की जरूरत है. इनका क्षेत्रफल भूमि उपयोग में बदलाव के कारण घटता जा रहा है. अतिदोहन और खरपतवारों के कारण इनकी उपजाऊ क्षमता लगातार घटती जा रही है. दुनिया में चरागाह, सवाना घास के मैदान, झाड़ीदार जंगल, रेगिस्तान, पर्वतीय चरागाह, खुले वन और कृषि वानिकी क्षेत्र इसी श्रेणी में शामिल हैं. वैश्विक क्षेत्रफल का 54% भू-भाग किसी न किसी प्रकार की चरागाह भूमि में शामिल है, जिसमें से 78% शुष्क क्षेत्रों में स्थित है. एक तिहाई जैव विविधता इन्ही क्षेत्रों पर निर्भर है. विश्व खाद्य उत्पादन का 16% इन्हीं क्षेत्रों से आता है. चरागाह क्षेत्र भूमि को पोषक तत्व प्रदान करने के अतिरिक्त कार्बन प्रचूषण, इको टूरिज्म,और मनोरंजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. कुल चरागाह क्षेत्र का 50% भाग अनुत्पादक होने के कगार पर है. देश में चरागाह भूमि का क्षेत्रफल 1210 लाख हेक्टेयर है जिसमें से 1000 लाख हेक्टेयर अच्छी स्थिति में नहीं है और पूर्ण उपयोगिता के स्तर की भूमिका निभाने में असमर्थ है. इसके चलते पशु चारक समुदाय हाशिये पर आते जा रहे हैं और सरकारी नीतियों में भी उनके हितों की ओर उपयुक्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है. खनन और ऊर्जा परियोजनाएं इन क्षेत्रों में पहुंच को सीमित करती जा रही हैं. देश में ढाई करोड़ लोग पूर्णत: पशुपालन पर आजीविका के लिए निर्भर करते हैं. ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे भू-मालिकों की दो तिहाई आबादी को पशुपालन से 16% आजीविका का आधार प्राप्त होता है. भारत में कुल पशु संख्या 53 करोड़ 61 लाख के लगभग है, जिसमें से गाय, भैंस, मिथुन, याक 30 करोड़ 31 लाख हैं. बाकी सूअर, घोडा, भेड़, बकरी आदि हैं. चरागाह भूमि के भूमि उपयोग में बदलाव, भूमि कटाव आदि से नुकसान के अलावा खरपतवार आक्रमण से भी चरागाह भूमि को भारी नुकसान पहुंचा है. खरपतवार चरागाहों की उत्पादकता को 90% तक नष्ट कर देते हैं. लैंटाना, युपिटोरियम, पार्थेनियम, एजरेटम आदि प्रमुख खरपतवार हैं जो चरागाहों को भारी हानि पंहुचा रहे हैं. हिमाचल प्रदेश का उदाहरण लें तो प्रदेश के कुल क्षेत्रफल 55 लाख 67 हजार हेक्टेयर में से 15 लाख 11 हजार हेक्टेयर चरागाह भूमि है, जिसमें से 6000 फुट की ऊंचाई से कम वाले क्षेत्रों की चरागाह लगभग 80% खरपतवारों की चपेट में आ कर अनुत्पादक हो चुकी है. प्रदेश में 2020 की पशु गणना के मुताबिक 44 लाख 13 हजार पशु धन है. जो 2012 की गणना के मुकाबले काफी कम है, जिसका मुख्य कारण पशु चारे की कमी है. भारतीय घास-चारा अनुसंधान परिषद के एक अध्ययन में पाया गया कि प्रदेश में हरे चारे की आपूर्ति में 20.30% और सूखे चारे की उपलब्धता में 53.61% की कमी है. इस कमी की पूर्ति करने के लिए पशुपालक पंजाब और हरियाणा से गेहूं और धान का भूसा आयात करते हैं जो 10 से 15 रुपये किलो तक यहां पहुंचता है. इतने महंगे चारे से पशु पालन घाटे का सौदा हो गया है. इसी कारण लोग पशु पालन से मुंह मोड़ रहे हैं. पशु सडकों में छोड़े जारहे हैं. इससे फसलें तबाह हो रही हैं और दुर्घटनाओं को न्योता मिल रहा है. हालांकि प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में पशु पालन का 28.8% योगदान है किन्तु पशुपालन को पेश मुख्य समस्याओं की ओर सम्यक ध्यान ही नहीं दिया जा रहा है. पर्वतीय क्षेत्रों में पशुपालन मुख्यत: चराई पर निर्भर था. यदि चरागाह में पर्याप्त घास हो तो पशु पालन में लगने वाले श्रम और लागत में आधी कटौती हो जाती है. खूंटे पर बांध कर पशुपालन वह भी आयातित चारे के आधार पर करना काफी महंगा मामला है. हालांकि पशुपालन को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार ने दूध के मूल्य में बढ़ोतरी करने आदि कुछ कदम उठाए हैं किन्तु मुख्य समस्या तो चारे की है. इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है. दुर्भाग्य से सारी चरागाह भूमि भी प्रबंधन के लिए वन विभाग के अधीन है. चरागाह प्रबंधन वन विभाग की मान्य कार्ययोजना का हिस्सा ही नहीं है. इनकी भाषा में तो चरागाहों को प्रति भूमि कहा जाता है, जबकि चरागाह वेस्ट लैंड नहीं हैं, उत्पादक प्रक्रिया का हिस्सा है. यदि उनमें घास उत्पादन की क्षमता घट जाती है तो उन्हें कम उपजाऊ चरागाह कहा जा सकता है न कि वेस्ट लैंड. जब इस विषय पर सरकार को लिखा तो उन्होंने यह मामला पशुपालन विभाग को भेज दिया. पशुपालन विभाग के पास तो चरगाह भूमि का नियंत्रण ही नहीं है न ही उनके पास चरागाह सुधार के लिए कोई बजट ही है. इस तरह चरागाह भूमि ऐसी भूमि बन कर रह गई हैं जिनका कोई वारिस नहीं है. वन विभाग तो पहले ही इन भूमि पर चीड़ रोपण करके घास उत्पादन को समाप्त करने का काम कर चुका है. उनके वर्किंग प्लान में अभी भी चरागाह विकास का तो कोई वर्किंग सर्कल ही नहीं है. केवल कुछ परियोजनाओं के माध्यम से सिल्वी पेस्टोरल मॉडल खड़े करने के प्रयास हुए हैं किन्तु वह मांग और क्षेत्र की दृष्टि से नाकाफी हैं. उनका अभी तक कोई प्रत्यक्ष सफल मॉडल देखने को कम ही सामने आया है. हालांकि कृषि विश्व विद्यालय पालमपुर और भारतीय घास चारा अनुसंधान संस्थान पालमपुर के पास खरपतवार उन्मूलन करके चरागाह को उपजाऊ बनाने का पर्याप्त अनुभव और तकनीक और घासों के बीज उपलब्ध है, किन्तु जरूरत है कि प्रदेश सरकार इस दिशा में उपयुक्त ध्यान देकर चरागाह विकास को प्रदेश के लिए 28.8% सकल घरेलू उत्पाद का योगदान देने वाले पशुपालन कार्य को तदनुरूप प्राथमिकता देकर बजट प्रावधान और प्रबंधन व्यवस्था स्थापित करे. विश्व चरागाह और पशुचारक वर्ष में इस दिशा में की गई पहल एक सकारात्मक वैश्विक संदेश भी साबित होगी.

(लेखक, पर्यावरणविद और हिमालय नीति अभियान के अध्यक्ष हैं)

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने समुद्री स्वतंत्रता और आपूर्ति श्रृंखला की सुरक्षा पर दिया जोर

नई दिल्ली: भारत और ऑस्ट्रेलिया ने पश्चिम एशिया संकट के बाद ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं में आए व्यवधानों तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता को लेकर चिंताओं के बीच सोमवार को नौवहन की स्वतंत्रता, हवाई उड़ान की स्वतंत्रता और बिना बाधा समुद्री व्यापार के महत्व पर जोर दिया. यह मुद्दे यहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स के बीच व्यापक वार्ता के दौरान प्रमुख रूप से सामने आए. दोनों मंत्रियों ने क्षेत्रीय साझेदारों के साथ सहयोग बढ़ाने के महत्व पर सहमति जताई ताकि एक स्वतंत्र, खुला, शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित किया जा सके. साथ ही रक्षा उद्योग सहयोग और दोनों देशों के बीच सहभागिता के रणनीतिक महत्व पर भी जोर दिया गया. वार्ता के बाद सिंह और मार्ल्स ने घोषणा की कि दोनों देश रक्षा सामग्री और सेवाओं की आपूर्ति से संबंधित एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) तैयार करने की प्रक्रिया शुरू करेंगे, जो रक्षा औद्योगिक सहयोग को और गहरा करने की दिशा में अगला कदम होगा.

एक संयुक्त बयान में कहा गया कि दोनों मंत्रियों ने समुद्री सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने और संयुक्त समुद्री सुरक्षा सहयोग रूपरेखा को अंतिम रूप देने पर चर्चा की. इसमें कहा गया कि सिंह और मार्ल्स ने समुद्री गश्ती विमानों के माध्यम से सहयोगात्मक समुद्री क्षेत्र जागरूकता गतिविधियों को आगे बढ़ाने तथा समुद्र के नीचे जागरूकता को बढ़ाने के अवसर तलाशने पर सहमति जतायी. संयुक्त बयान के अनुसार, दोनों मंत्रियों ने क्षेत्रीय साझेदारों के साथ सहयोग बढ़ाने के महत्व को दोहराया ताकि एक स्वतंत्र, खुला और सुरक्षित हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित किया जा सके.

इसमें कहा गया, मंत्रियों ने नौवहन और हवाई उड़ान की स्वतंत्रता के महत्व पर जोर दिया और क्षेत्र में निर्बाध व्यापार और अंतरराष्ट्रीय कानून, विशेष रूप से 1982 के संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) के अनुरूप समुद्र के अन्य वैध उपयोगों के लिए अपना मजबूत समर्थन व्यक्त किया. सिंह और मार्ल्स ने भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा औद्योगिक सहयोग और जुड़ाव के रणनीतिक महत्व पर भी जोर दिया और भारत में कैनबरा के पहले रक्षा व्यापार मिशन का स्वागत किया. उन्होंने रक्षा उद्योग, अनुसंधान और सामग्री पर संयुक्त कार्य समूह के माध्यम से भी आगे आदान-प्रदान की संभावनाओं पर सहमति व्यक्त की.

दोनों मंत्रियों ने ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका के बीच हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते रणनीतिक समन्वय का स्वागत किया और समुद्री क्षेत्र जागरूकता बढ़ाने के लिए सहयोग मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई. सिंह और मार्ल्स ने क्वाड इंडो-पैसिफिक मैरीटाइम सर्विलांस कोलेबोरेशन (आईपीएमसीएस) पहल के लिए अपना मजबूत समर्थन जताया जिसे प्रारंभ में हिंद महासागर क्षेत्र में, साथ ही विषय विशेषज्ञों के आदान-प्रदान और अभ्यासों के माध्यम से लागू किया जाएगा. सिंह ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में मार्ल्स के साथ अपनी मुलाकात को 'उत्कृष्ट' बताया. उन्होंने कहा, हमने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के पूरे दायरे की समीक्षा की और इसे और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की. भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा साझेदारी आने वाले वर्षों में स्थिर प्रगति करेगी.

इजराइल ने बेरूत के दक्षिणी उपनगर पर हमले करने का आदेश दिया

बेरूत : इजराइल सरकार ने सोमवार को बेरूत के दक्षिणी उपनगर पर हमलों का आदेश दिया जबकि दूसरी ओर हिज्बुल्ला ने हाइफा शहर समेत उत्तरी इजराइल के विभिन्न क्षेत्रों पर रॉकेट दागे. इससे पहले रविवार को इजराइली थलसेना 26 साल में पहली बार लेबनान में काफी अंदर तक घुस गयी थी. इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने एक संयुक्त बयान में कहा कि हिज्बुल्ला की ओर से लगातार संघर्ष विराम का उल्लंघन किए जाने के और इजराइली शहरों व नागरिकों पर हुए हमलों के मद्देनजर उन्होंने इजराइली सेना को बेरूत के दक्षिणी उपनगर दहिये में हमले करने का आदेश दिया है. अप्रैल के मध्य में संघर्ष विराम समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान हिज्बुल्ला ने इजराइल पर हमले रोकने पर सहमति जताई थी, लेकिन लेबनान पर इजराइली हमलों के बाद हिज्बुल्ला ने फिर से हमले शुरू कर दिए. इजराइल सरकार की चेतावनी के बाद बड़ी संख्या में लोग दहिये से दूसरी जगह जाते हुए दिखे. इस दौरान जगह-जगह जाम लगा नजर आया.

मप्र में जल्द लागू होगी समान नागरिक संहिता, चल रही प्रक्रिया, उच्च स्तरीय समिति गठित

आम नागरिकों से आमंत्रित किये गये हैं सुझाव

भोपाल: मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यू.सी.सी) लागू करने की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है. इसके लिए एक उच्च स्तरीय समिति बनाई गई है, जो विभिन्न धर्म समुदाय के लोगों से सुझाव लेगी. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को मंत्रालय में मीडिया को जारी बयान में कहा कि वर्तमान समय में विभिन्न धर्मों में विवाहित बहनों के लिए प्रचलित अलग-अलग रीति-रिवाज और नियमों की आवश्यकता नहीं है. मध्य प्रदेश को आज समान नागरिक संहिता की ओर बढ़ने की आवश्यकता है. वर्तमान में देश के तीन राज्यों उत्तराखंड, गुजरात और असम ने समान नागरिक संहिता को लागू किया है. मध्य प्रदेश सरकार ने भी यूसीसी (यूनिफॉर्म सिविल कोड) को लागू करने का निर्णय लिया है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में यूसीसी के लिए उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है. अलग-अलग क्षेत्र के विद्वानों को इस समिति में स्थान दिया गया है. यह समिति प्रदेश के विभिन्न जिलों में अलग-अलग धर्म-समुदाय के लोगों से सुझाव प्राप्त करेगी. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार सभी वर्गों के साथ संतुलन बनाते हुए समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है. राज्य की जन हितैषी सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है. मध्य प्रदेश समान नागरिक आचार संहिता लागू करने के लिए सबसे अनुकूल प्रदेश है. प्रदेश सरकार ने समान नागरिक संहिता के लिए एक वेबसाइट भी लॉन्च की है, जिस पर आम नागरिक अपने सुझाव दे सकते हैं.

नीट प्रश्न पत्र लीक : दिल्ली की अदालत ने तीन आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली: दिल्ली की एक अदालत ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) प्रश्न पत्र लीक मामले में तीन आरोपियों को सोमवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया. इन आरोपियों में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा अनुवादक के तौर पर सूचीबद्ध किये गए भौतिकी के एक व्याख्याता, लातूर के एक बाल रोग विशेषज्ञ और एक भौतिकी शिक्षक शामिल हैं. विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता ने भौतिकी अनुवादक मनीषा संजय हवलदार, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज शिरुरे और भौतिकी शिक्षक तेजस हर्षदकुमार शाह की न्यायिक हिरासत के अनुरोध संबंधी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरोकी याचिका स्वीकार कर ली. हवलदार की सीबीआई हिरासत शनिवार को दो दिनों के लिए बढ़ाई गई थी, जबकि शिरुरे और तेजस शाह को

हिरासत में पूछताछ के लिए 27 मई को पांच दिन की पुलिस रिमांड में भेजा गया था. सीबीआई का आरोप है कि हवलदार ने अन्य आरोपियों के साथ साजिश करके पैसों के लिए बिना अनुमति के नीट-यूजी परीक्षा का प्रश्न पत्र अपने पास रखा और वितरित किया. शिरुरे ने महाराष्ट्र के लातूर में रेनुकाई केमिस्ट्री क्लासेज संचालित करने वाले शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर के बेटे सहित तीन छात्रों को नीट प्रश्न पत्र तैयार करने वाले पी वी कुलकर्णी से रसायन विज्ञान के प्रश्न प्राप्त करने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

असम : आसू नेता की हत्या करने वाले हमलावर को पुलिस ने मार गिराया

नलबाड़ी (असम): असम के नलबाड़ी जिले में कथित तौर पर एकतरफा प्यार के मामले में एक किशोर ने अखिल असम छात्र संघ (आसू) के एक स्थानीय नेता की दाव से हमला करके हत्या कर दी और उनकी चचेरी बहन को गंभीर रूप से घायल कर दिया. अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी. हालांकि, पुलिस की गिरफ्त से भागने की कोशिश करने पर की गई जवाबी कार्रवाई में आरोपी किशोर भी मारा गया है. दोनों पर हमला रविवार शाम को जगारा के पास गंगापुर गांव में तब हुआ, जब वे नलबाड़ी नगर से कुछ किताबें खरीदकर घर लौट रहे थे. हमलावर सोमवार को मुकलमुआ के एक 'चार' (नदी द्वीप पर) में मारा गया. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि हमले में आसू नेता मधुर्ज्य बर्मन के सिर और गर्दन पर गंभीर चोट आई. बर्मन को तत्काल नलबाड़ी चिकित्सा महाविद्यालय व अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. बर्मन आसू की क्षेत्रीय इकाई पश्चिम नलबाड़ी आंचलिक सत्र संस्था के सहायक सचिव थे. उनकी रिश्ते की बहन 11वीं कक्षा की छात्रा है और हमले में गंभीर रूप से घायल हैं और गुवाहाटी के चिकित्सा महाविद्यालय व अस्पताल में उनका इलाज किया जा रहा है. अधिकारी ने बताया, प्राप्त सूचना के अनुसार, आरोपी की पहचान

आशिक अली उर्फ रोज अली के रूप में हुई है और उसने आसू नेता के स्कूटर को बहन के घर से 300 मीटर दूर रोककर उन पर धारदार हथियार से हमला किया. नलबाड़ी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विवेकानंद दास ने बताया कि पुलिस को मुकलमुआ के एक भीतरी इलाके में अली की मौजूदगी की सूचना मिली थी और उसे पकड़ने के लिए एक टीम तुरंत वहां पहुंची. वह रविवार रात को नदी के किनारे स्थित द्वीप पर भाग गया था. उन्होंने बताया, हमने उसे वहीं पकड़ लिया. हम वारदात में इस्तेमाल हथियार को बरामद करने के लिए उसके बताए स्थान पर गए थे, लेकिन उसने अचानक एक पुलिसकर्मी से राइफल छीन ली और टीम पर तीन गोलियां चलाईं, जो हमारे वाहनों को लगीं. जवाबी कार्रवाई में, पुलिसकर्मियों ने उस पर गोली चलाई और एक गोली उसकी छाती में जा लगी. पुलिस ने बताया कि हालांकि उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि यह घटना एकतरफा प्रेम प्रसंग का है. उन्होंने बताया कि अली ने कुछ समय पहले बर्मन की घायल बहन को प्रेम प्रस्ताव दिया था जिसे उसने सिरे से ठुकरा दिया था. उन्होंने बताया, हमलावर ने नौवीं कक्षा में पढ़ाई के दौरान प्रेम प्रस्ताव दिया था और दोनों हमउम्र हैं. प्रस्ताव ठुकराए जाने से आहत होकर अली ने लड़की को उसके माता-पिता के सामने जान से मारने की धमकी दी थी. अधिकारी ने बताया कि लड़की के माता-पिता पुलिस के समक्ष मामले में शिकायत दर्ज कराना चाहते थे, लेकिन अली के परिवार के अनुरोध और दोबारा परेशान नहीं किये जाने के वादे की वजह से परिवार ने शिकायत दर्ज नहीं कराई. उन्होंने बताया, लेकिन, अली ने अचानक लड़की पर हमला कर दिया, उसे बचाने के दौरान भाई की जान चली गई. आसू के उपाध्यक्ष भावजीत बेजबरुआ ने हमले की निंदा की और मांग की कि आरोपियों को तत्काल कानून के कटघरे में लाया जाए. आसू ने नलबाड़ी कस्बे की मुख्य सड़कों पर विरोध रैली निकाली, घटना के खिलाफ नारे लगाए और मृतक के लिए न्याय की मांग की.

आदि कैलाश-ओम पर्वत यात्रा के लिए दिखा श्रद्धालुओं में उत्साह, एक माह में 27,911 इनरलाइन परमिट जारी

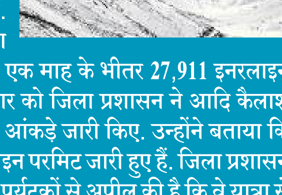

पिथौरागढ़ : सीमांत जनपद पिथौरागढ़ में आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों का उत्साह लगातार बढ़ रहा है. यात्रा सीजन के दौरान देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक यहां पहुंच रहे हैं. इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यात्रा शुरू होने के मात्र एक माह के भीतर 27,911 इनरलाइन परमिट जारी किए जा चुके हैं. सोमवार को जिला प्रशासन ने आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा पर आने वालों आंकड़े जारी किए. उन्होंने बताया कि 31 मई 2026 तक कुल 27,911 इनरलाइन परमिट जारी हुए हैं. जिला प्रशासन ने यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों से अपील की है कि वे यात्रा से पूर्व सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखें, मौसम संबंधी जानकारी प्राप्त करें तथा प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सुरक्षित यात्रा करें. उन्होंने कहा कि आदि कैलाश एवं ओम पर्वत यात्रा न केवल धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि क्षेत्रीय पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन को भी नई गति प्रदान कर रही है. इससे सीमांत क्षेत्रों के विकास को भी बल मिल रहा है. उल्लेखनीय है कि आदि कैलाश-ओम पर्वत दर्शन यात्रा का शुभारंभ 1 मई 2026 को जोलीकोंग स्थित पार्वती कुंड के निकट शिव मंदिर के कपाट खुलने के साथ हुआ था.

न्यूज कॉर्नर

नेपाल पीएम के सीमा संबंधी बयान पर विपक्ष ने दी संसद नहीं चलने देने की चेतावनी

काठमांडू : नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के रविवार को प्रतिनिधि सभा में नेपाल-भारत सीमा विवाद के संबंध में दिए गए बयान को लेकर विपक्षी दल एकजुट हो गए हैं. सोमवार को हुई विपक्षी दलों की बैठक में कहा गया कि प्रधानमंत्री को अपनी टिप्पणी वापस लेते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए. बैठक के बाद नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (नेकपा) के प्रमुख युवराज दुलाल ने कहा कि विपक्षी दलों ने निर्णय लिया है कि जब तक प्रधानमंत्री माफी नहीं मांगते, तब तक संसद की कार्यवाही चलने नहीं दी जाएगी. उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों की बैठक ने निष्कर्ष निकाला है कि प्रधानमंत्री माफी नहीं मांगते तब तक सदन नहीं चलने दिया जाएगा. इसी तरह नेपाली कांग्रेस संसदीय दल के मुख्य सचेतक निष्कल राई ने बताया कि बैठक ने प्रधानमंत्री के सीमा अतिक्रमण संबंधी बयान को राष्ट्रघाती करार दिया है. विपक्षी दलों ने मांग की है कि उक्त टिप्पणी को संसद की कार्यवाही के रिकॉर्ड से हटाया जाए और प्रधानमंत्री स्वयं संसद में खड़े होकर देशवासियों से माफी मांगें. उन्होंने कहा कि इन मांगों के पूरा होने तक विपक्ष संसद का अवरोध जारी रखेगा. राई ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सीमा अतिक्रमण के विषय में संसद में जो अभिव्यक्ति दी, उसे विपक्षी दलों ने राष्ट्रघाती माना है. हमारी मांग है कि इस बयान को संसद के रिकॉर्ड से हटाया जाए और प्रधानमंत्री संसद से ही देशवासियों के नाम माफी मांगें. इन्हीं मांगों के साथ आज विपक्षी दलों ने संसद अवरुद्ध करने का निर्णय लिया है.

विपक्षी दलों का कहना है कि प्रधानमंत्री का बयान नेपाल के राष्ट्रीय हित और सीमा संबंधी आधिकारिक नीति के विपरीत है, इसलिए सरकार को इस पर तत्काल स्पष्टीकरण देना चाहिए.

साइबर फ्रॉड: नकली सीबीआई-ईडी अधिकारी बन 28 दिन डराया, फिर की 1.47 करोड़ रुपये की ठगी

अहमदाबाद: गुजरात से साइबर ठगी का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां 72 साल के एक बुजुर्ग व्यक्ति से साइबर अपराधियों ने 1.47 करोड़ रुपये की ठगी कर ली. ठगों ने खुद को पुलिस, सीबीआई और ईडी का अधिकारी बताकर पीड़ित को पहले झांसे में लिया और कई दिनों तक मानसिक दबाव बनाकर पैसे ट्रांसफर करवाए. गृह मंत्रालय के साइबर सुरक्षा विभाग ने इस मामले को डिजिटल अरेस्ट (ऊळसळींरश्र -रीीशीीं) से जुड़ा साइबर क्राइम करार दिया है. अधिकारियों के मुताबिक, ठगों ने वीडियो कॉल और फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर बुजुर्ग को यह विश्वास दिलाया कि उनका नाम किसी गंभीर आपराधिक मामले में जुड़ गया है. उन्हें बताया गया कि उनकी डिजिटल जानकारी लीक हो गई है और उसका इस्तेमाल गैरकानूनी गतिविधियों में किया गया है. इसके बाद ठगों ने उन्हें कथित डिजिटल निगरानी और डिजिटल गिरफ्तारी में होने का दावा किया और कहा कि जांच पूरी होने तक उन्हें किसी से संपर्क नहीं करना है. साइबर अधिकारियों के अनुसार, पीड़ित को लगभग 28 दिनों तक लगातार डर और दबाव में रखा गया. उसे परिवार के सदस्यों या किसी अन्य व्यक्ति को इस मामले की जानकारी देने से भी रोका गया. ठगों ने बार-बार यह दावा किया कि अगर उन्होंने किसी को जानकारी दी तो उनकी कानूनी परेशानी और बढ़ सकती है. इसी डर का फायदा उठाकर अपराधियों ने बुजुर्ग पर पूरा नियंत्रण बना लिया. जालसाजों ने बुजुर्ग से कहा कि उनके बैंक खातों और संपत्ति का सत्यापन करना जरूरी है. इसके लिए उन्हें अलग-अलग खातों में पैसे ट्रांसफर करने के लिए कहा गया. पीड़ित को विश्वास था कि वह सरकारी जांच में सहयोग कर रहे हैं और अपना नाम साफ करने की प्रक्रिया का पालन कर रहे हैं. इसी दौरान उन्होंने कई लेन-देन में कुल 1.47 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए. बाद में उन्हें एहसास हुआ कि वे साइबर ठगी का शिकार हो चुके हैं.

गृह मंत्रालय के साइबर विभाग ने कहा है कि इस तरह के मामले हाल के दिनों में तेजी से बढ़ रहे हैं. साइबर अपराधी अब लोगों को डराने और उन पर दबाव बनाने के लिए नई-नई तकनीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं. अधिकारियों ने साफ किया कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई कानूनी प्रक्रिया नहीं होती.

सीजेपी के अभिजीत दीपके ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ 6 जून को प्रदर्शन का किया ऐलान

नई दिल्ली: कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) नाम से सोशल मीडिया हैंडल चलाने वाले अभिजीत दीपके ने 6 जून को भारत लौटकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ प्रदर्शन करने की घोषणा की है. अमेरिका के बोस्टन में रह रहे महाराष्ट्र निवासी अभिजीत दीपके ने सोमवार को 'काकरोच इज बैक' नामक एक्स अकाउंट पर साझा वीडियो में कहा कि वह शनिवार, 6 जून की सुबह भारत लौटेंगे और दिल्ली के जंतर-मंतर पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करेंगे. उन्होंने कहा कि उन्होंने भारत लौटने का निर्णय लिया है. प्रश्नपत्र लीक के कारण नीट के छात्रों की आत्महत्या और लाखों बच्चों की मेहनत बर्बाद हुई है, जिसके लिए शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए.

दीपके ने दावा किया कि इस मुद्दे पर उनकी याचिका पर 8 लाख छात्रों ने हस्ताक्षर किए हैं और देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं, लेकिन सरकार ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया. उन्होंने कहा कि नीट के 22 लाख अभ्यर्थी, सीबीएसई के 17 लाख छात्र, सीयूईटी के 16 लाख छात्र और एसएससी जीडी के 16 लाख छात्र कुल मिलाकर एक करोड़ से अधिक विद्यार्थियों का भविष्य संकट में है. दीपके ने समर्थकों से अपील की कि वे 6 जून को दिल्ली हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करें और मिलकर संसद मार्ग थाने से जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति मांगें. कि अब समय आ गया है कि छात्र संविधान के मार्ग पर चलते हुए एकजुट हों और शांतिपूर्वक धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करें. उन्होंने सरकार से जवाबदेही की मांग करते हुए कहा कि परीक्षा संबंधी विवादों और व्यवधानों ने छात्रों को गंभीर रूप से चिंतित कर दिया है.

भाजपा ने 'भारत में रहने पर शर्म आती है' संबंधी टिप्पणी को लेकर सिब्बल पर हमला बोला

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी आलोचना करने के लिए सोमवार को राज्यसभा सदस्य और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल पर तीखा हमला बोला और उन पर भारत से नफरत करने' का आरोप लगाते हुए कहा कि वह 2021 में पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हुई हिंसा पर चुप थे. सिब्बल ने रविवार को कहा था कि उन्हें ऐसे देश में रहने पर शर्म आती है, जहां सत्तारूढ़ पार्टी लोकतंत्र की नींव को नष्ट करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है. उन्होंने यह बात तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले का उल्लेख करते हुए कही. इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एक वीडियो बयान में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि सिब्बल ने देश के सर्वोच्च न्यायालय में वकालत करके करोड़ों रुपये कमाए हैं, फिर भी वह भारत में रहने पर शर्म महसूस करने की बात करते हैं.

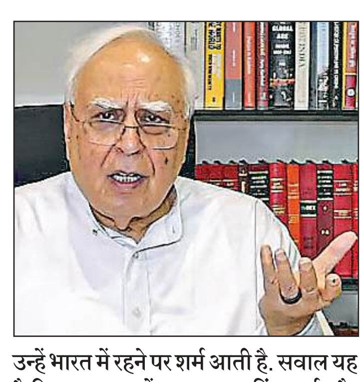

उन्होंने कहा, कपिल सिब्बल का कहना है कि उन्हें भारत में रहने पर शर्म आती है. सवाल यह है कि जब 2021 में चुनाव बाद हिंसा हुई और कथित तौर पर 300 से अधिक भाजपा तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई, तब कपिल सिब्बल ने एक शब्द नहीं कहा. यही कपिल सिब्बल आरजी कर और संदेशखालि जैसे मामलों में भी चुप रहे.

पूनावाला ने कहा कि सरकार से राजनीतिक मतभेद होना स्वीकार्य है, लेकिन कुछ विपक्षी नेताओं की प्रवृत्ति भाजपा विरोध की आड़ में देश को निशाना बनाने की है. उन्होंने कहा, भाजपा का विरोध करना एक बात है, लेकिन भारत का विरोध क्यों? आप राजनीतिक मतभेद रख सकते हैं, लेकिन भारत से नफरत क्यों? अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले के बारे में पूनावाला ने कहा कि किसी ने भी उनके साथ हुई बदसलूकी या हमले को सही नहीं ठहराया है. उन्होंने दावा किया कि इस मामले में गिरफ्तार किए गए कुछ लोगों के तृणमूल कांग्रेस से संबंध होने की बात सामने आई है. उन्होंने कहा, जो भी हो, किसी ने भी इस घटना को उचित नहीं ठहराया है. भाजपा के एक और प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने भी सिब्बल की आलोचना करते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी करोड़ों भारतीय मतदाताओं, बंगाल के मतदाताओं और भारतीय लोकतंत्र का अपमान है.

त्विषा शर्मा मामला: सीबीआई ने कटारा हिल्स स्थित ससुराल में अपराध दृश्य का नाट्य रूपांतरण किया

नई दिल्ली: केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने सोमवार को पूर्व मॉडल-अभिनेत्री त्विषा शर्मा की मौत के सिलसिले में डमी का इस्तेमाल करके अपराध के दृश्य का नाट्य रूपांतरण (रीक्रिएशन) किया. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. त्विषा शर्मा ने कथित तौर पर 12 मई को अपने ससुराल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी. अधिकारियों ने बताया कि फॉरेंसिक और घटना स्थल विशेषज्ञों के साथ सीबीआई त्विषा के पति समर्थ सिंह और सास गिरिबाला सिंह को 12 मई की रात की घटना के विस्तृत ब्योरे के लिए घटनास्थल लेकर पहुंची. त्विषा के पति और सास, दोनों सीबीआई की हिरासत में हैं. सीबीआई ने उनसे घर की छत पर कथित तौर पर फंदे से लटने के बाद की घटनाओं का वर्णन करने के लिए कहा.

समर्थ और उनकी मां गिरिबाला सिंह की उपस्थिति में मृतक के समान वजन वाली एक 'डमी' का उपयोग करके अपराध के दृश्य का नाट्य रूपांतरण किया गया तथा उन्हें कथित आत्महत्या के बाद की घटनाओं के बारे में बताने को कहा गया. एजेंसी ने भोपाल के कटारा हिल्स स्थित ससुराल के घर की छत पर कथित तौर पर फंदे से लटकने वाली त्विषा की मौत को समझने के लिए मिनट-दर-मिनट का घटनाक्रम तैयार करने का भी प्रयास किया. अधिकारियों ने बताया कि प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि त्विषा के पति समर्थ उसे एम्स, भोपाल ले गए. अधिकारियों ने बताया कि पति (समर्थ) के दावे के अनुसार, त्विषा ने रात 10.20 बजे फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली थी. प्राथमिकी के मुताबिक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के चिकित्सकों ने 13 मई को रात 12:05 बजे पुलिस को बताया था कि त्विषा को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था और एक पीएमएलसी दर्ज की गई. पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में कहा गया है कि मृत्यु 'फंदे से लटकने' के कारण हुई थी और उनके शरीर पर 'मृत्यु से पहले कई चोटें' थीं. पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट प्राप्त होने और पूर्व अभिनेत्री-मॉडल त्विषा के परिवार के सदस्यों के बयान दर्ज करने के बाद पुलिस ने 15 मई को प्राथमिकी दर्ज की थी. अपने बयानों में त्विषा के परिजनों ने आरोप लगाया कि ससुराल वाले विवाह के समय दिए गए दहेज से असंतुष्ट होकर उसे प्रताड़ित कर रहे थे. त्विषा की शादी नौ दिसंबर, 2025 को हुई थी. परिजनों ने ससुराल वालों पर 33-वर्षीय त्विषा को मानसिक यातना देने और घरेलू हिंसा तथा यह चरम कदम उठाने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया. प्राथमिकी दर्ज कराते समय पुलिस को दिए गए बयान में त्विषा के परिवार ने बताया कि उसने रात 9:41 बजे अपनी मां से बात की थी.

तमिलनाडु : पार्टी विभाजन व हार से दुखी एआईएडीएमके कार्यकर्ता ने की आत्महत्या

तंजावुर : तमिलनाडु में आल इंडिया अन्ना द्रमुक मुनेत्र कषगम (एआईएडीएमके) में विभाजन और विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार से कथित रूप से आहत एक पार्टी पदाधिकारी ने सोशल मीडिया पर लाइव वीडियो पर आत्मदाह कर लिया. इस घटना ने राजनीतिक हलकों में हलचल पैदा कर दी है.कार्यकर्ता की इच्छा को देखते हुए पूर्व मुख्यमंत्री पलानीस्वामी ने महेंद्रन के पार्थिव शरीर पर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की.पलानीस्वामी ने कार्यकर्ताओं से ऐसी निराशाजनक परिस्थितियों से बचने की अपील की साथ मृतक के परिजनों को पार्टी की ओर से 55 लाख रुपये की मदद देने की घोषणा की.

तंजावुर जिले के कुंभकोणम के पास स्थित तिरुप्पनंदल क्षेत्र के निवासी महेंद्रन एआईएडीएमके व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयुक्त सचिव थे. बताया जा रहा है कि पार्टी के अंदर चल रहे विवादों के कारण वे मानसिक तनाव में थे. आत्महत्या से पहले जारी किए एक वीडियो में महेंद्रन ने कहा कि एआईएडीएमके को फिर से एकजुट होकर सत्ता में आना चाहिए. उन्होंने कहा कि पार्टी में चल रही कुछ घटनाएं उन्हें और कई युवा कार्यकर्ताओं को गहरी पीड़ा दे रही है. उन्होंने अपने वीडियो में कहा कि उनकी मौत के बाद कम से कम पार्टी फिर से एकजुट हो और एडप्पादी पलानीस्वामी के नेतृत्व में अम्मा का शासन स्थापित हो. उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से एकजुट होकर काम

करने की अपील भी की. वीडियो में महेंद्रन यह भी कहते दिखा कि यदि उनके पार्थिव शरीर पर एडप्पाडी पलानीस्वामी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे तो उनकी आत्मा को शांति मिलेगी. इसके बाद महेंद्रन ने तिरुप्पनंदल-आदुथुरै सड़क पर खुद पर मिट्टी का तेल डालकर आग लगा ली, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई. घटना के बाद उनका शव पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल में रखा गया. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

कार्यकर्ता के आत्मदाह और उसकी इच्छा की जानकारी मिलने पर एआईएडीएमके महासचिव व पूर्व मुख्यमंत्री पलानीस्वामी ने महेंद्रन के पार्थिव शरीर पर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की. उन्होंने परिवार को आश्वासन दिया कि पार्टी उनके साथ खड़ी रहेगी और चिंता करने की आवश्यकता नहीं है.

एसबीआई से 2.30 लाख रुपये लूटकर फरार हुए बदमाश

सीवानः जिले बसंतपुर थाना क्षेत्र में सोमवार को दोपहर दिनदहाड़े हुई लूट की घटना ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की बसंतपुर शाखा से 2.30 लाख रुपये निकालकर लौट रहे एक सीएसपी संचालक को बाइक सवार अपराधियों ने निशाना बनाते हुए रुपये लूट लिए और फरार हो गए. घटना बसंतपुर थाना क्षेत्र के कोड़र गांव के समीप सोमवार दोपहर बाद की है. जानकारी के अनुसार, शहरकोला स्थित एसबीआई ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक पप्पू कुमार यादव बसंतपुर मुख्यालय स्थित एसबीआई शाखा से 2 लाख 30 हजार रुपये की निकासी कर बाइक से अपने केंद्र लौट रहे थे. इसी दौरान कोड़र स्थित एक बाइक एजेंसी के समीप एक बाइक पर सवार दो अपराधियों ने उनकी बाइक को टक्कर मारकर असंतुलित कर दिया, जिससे वे सड़क किनारे गिर पड़े. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, गिरते ही अपराधियों ने हथियार का भय दिखाकर उनके पास मौजूद रुपये से भरा बैग छीन लिया और सीवान की ओर फरार हो गए. घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई. सूचना मिलते ही बसंतपुर थानाध्यक्ष राजू कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की. बाद में महाराजगंज के एसडीपीओ अमन भी घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के क्षेत्रों तथा एसबीआई शाखा के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं.

पीड़ित द्वारा 2.30 लाख रुपये लूटे जाने की सूचना दी गई है. पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है तथा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है. उन्होंने दावा किया कि घटना में शामिल अपराधियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग कर रहे मुस्लिम संगठनों की सोच पशुवत : योगी

बिजनौरः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग कर रहे मुस्लिम संगठनों की कड़ी आलोचना करते हुए सोमवार को कहा कि पशुवत सोच के आक्रांता लोग सनातन परंपरा में माता का दर्जा रखने वाली गाय को पशु बता रहे हैं. मुख्यमंत्री बिजनौर में पाकिस्तान से विस्थापित 1,645 परिवारों और पूर्व सैनिकों तथा पट्टाधारकों को भूमि अधिकार पत्र के वितरण के लिए आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे. इस दौरान उन्होंने गाय को 'राष्ट्रीय पशु' घोषित करने की मांग किए जाने को लेकर जमीयत उलमा-ए-हिंद (एएम गुट) के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी और अन्य मुस्लिम संगठनों पर जमकर निशाना साधा. योगी ने कहा, आजकल तमाम मौलवी और मौलाना गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग कर रहे हैं. हमने कहा कि गाय हमारी माता है और हमारा जन्म-जन्मांतर का नाता है. उन्होंने कहा, गाय हमारे लिए पशु नहीं है. पशुवत आपकी (गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग करने वाले मुस्लिम संगठनों की) सोच है, जो आप गौ माता को पशु बोल रहे हैं.

योगी ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग करने वाले मुस्लिम संगठनों पर दोहरा रवैया रखने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा, आप एक तरफ गोकशी में शामिल लोगों को प्रश्रय देते हैं और दूसरी तरफ गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग करते हैं. योगी ने ऐसे मुस्लिम संगठनों को आक्रांता करार देते हुए कहा, किसी आक्रांता को यह बताने की आवश्यकता नहीं है. गाय तो स्व घोषित राष्ट्र माता है और किसी को उसे राष्ट्र माता घोषित करने की जरूरत नहीं है.

मदनी ने पिछले महीने बकरीद से पहले एक बयान में सरकार से गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग की थी. कई प्रमुख मुस्लिम संगठनों ने भी मदनी की इस मांग का समर्थन किया था. योगी ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान और बांग्लादेश में धार्मिक कट्टरता के कारण विस्थापित लोगों के लिए किसी मौलाना या मौलवी ने न तो आवाज उठाई और न ही यह कहा कि उन्होंने वक्फ के नाम पर यहां के हिंदुओं की जो जमीन कब्जा की है, उसे वे उन विस्थापितों को मुफ्त में दे रहे हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर वे ऐसी घोषणा करते, तो माना जाता कि उनके अंदर कुछ संवेदना है. उन्होंने दावा किया कि किसी भी मौलाना ने बांग्लादेश में हिंदुओं के कत्लेआम के खिलाफ आवाज नहीं उठाई और न ही पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में हिंदुओं की आबादी में गिरावट पर आपत्ति जताई.

योगी ने आरोप लगाया कि पिछले दिनों बकरीद के अवसर पर इन मौलवियों और मौलानाओं के चेले-चपाटों ने सोशल मीडिया पर गाय की तस्वीरें लगाकर बधाई दी. उन्होंने कहा, गनीमत है कि सरकार पहले से ही कदम उठाती है, तभी पर्व और त्यौहार शांतिपूर्ण तरीके से हो पा रहे हैं. योगी ने पिछले दिनों गाजियाबाद में एक युवक की उसके मुस्लिम दोस्त द्वारा कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या किए जाने की घटना का जिक्र करते हुए कहा, कैसी दोस्ती? आपने अभी गाजियाबाद में देखा होगा, दोस्ती की आड़ में छुरेबाजी? यह स्वीकार नहीं है और कतई स्वीकार नहीं होगा.

उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर कहा, मैं यही कहने आया हूं कि हम सबको इस बात को ध्यान में रखना होगा कि अहिंसा और करुणा मानवता के भूषण हैं, लेकिन शस्त्र उठाना होगा, अगर सामने खर-दूषण हैं. मुख्यमंत्री ने कहा, भगवान कृष्ण ने भी कहा था परित्राणाय साधुनाम.

पाकिस्तानी गैंगस्टर और आतंकी संगठन आईएसआई के लिए काम करने वाला युवक आजमगढ़ से गिरफ्तार

लखनऊः उत्तर प्रदेश की आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने पाकिस्तानी गैंगस्टर और आतंकी संगठन आईएसआई के लिए काम करने के आरोप में आजमगढ़ से एक युवक गिरफ्तार किया है. एटीएस के अनुसार इस युवक को एक राजनीतिक पार्टी की नेता की हत्या और किसी बड़े मिशन के लिए प्रेरित किया गया था. एटीएस उससे पूछताछ कर रही है.

अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) कानून एवं व्यवस्था अमिताभ यश ने सोमवार को बताया कि देशविरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों को चिन्हित का प्रयास किया जा रहा है. इसी कड़ी में एटीएस को आजमगढ़ जिले के खुदादादपुर निवासी मोहम्मद शेख को गिरफ्तार किया है. उसके पास बरामद मोबाइल की छानबीन की तो पता चला कि वह शहजाद भट्टी के आतंकी गैंग से उनके पाकिस्तानी व दुबई के नंबरों से उसकी बात होती है. वह उनके सोशल मीडिया के अकाउंट से जुड़कर उनके विचाराधारा से प्रभावित होकर जेहाद की बातें कर रहा था. वह अपने साथियों को भी आतंकी गैंग में शामिल कर विधि विरूद्ध कार्य करने के लिए प्रेरित कर रहा था. मोहम्मद शेख को शहजाद भाटी के अलावा उसके गैंग के अजमल गुर्जर और रजा पाकिस्तानी हैंडल कर रहा था.

प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि उसे ट्रायल के तौर पर एक अन्य राज्य की राजनीतिक पार्टी की महिला नेता की हत्या और फिर उसके बाद एक बड़े मिशन की जिम्मेदारी दी गई थी. वह इस काम को अंजाम देने के लिए नाइन एमएम पिस्टल और चार कारतूस का इंतजाम भी कर चुका था. एटीएस जल्द ही संदिग्ध आतंकी को गिरफ्तार कर उसके पास से बरामद साक्ष्यों को न्यायालय के समक्ष पेश कर उसकी रिमांड मांगेगा.

21 जून को जदयू की बैठक..नीतीश कुमार के अध्यक्ष पद पर लगेगी मुहर, निशांत कुमार पर टिकी नजर

पटना: जदयू की ओर से 21 जून को राष्ट्रीय कार्य करने की बैठक बुलाई गई है. पटना के कर्पूरी सभागार में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार की अध्यक्षता में यह बैठक होगी. जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने इस बैठक की जानकारी देते हुए कहा कि बैठक का मुख्य एजेंडा राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर नीतीश कुमार के निर्वाचन पर राष्ट्रीय परिषद की औपचारिक मुहर लगना है. संगठन के विस्तार, भावी राजनीतिक रणनीति और विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर चर्चा होगी. सात निश्चय-3 के संकल्पों को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति पर

मंथन किया जाएगा. विकसित बिहार और सुशासन के एजेंडे को आगे बढ़ाने पर विशेष चर्चा होगी. राष्ट्रीय, प्रदेश और जिला स्तर के प्रमुख पदाधिकारी बैठक में शामिल होंगे. राष्ट्रीय परिषद और राज्य परिषद के सदस्य भी बैठक में मौजूद रहेंगे. बता दें कि जदयू में राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर प्रदेश अध्यक्ष तक का चुनाव काफी पहले हो गया है. मार्च में ही जदयू राष्ट्रीय कार्य करने की बैठक होने की बात कही गई थी, लेकिन नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने और राज्यसभा जाने के फैसले के बाद इसे टाल दिया गया. अब इसी महीने तिथि तय की गई है. ऐसे नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद राष्ट्रीय पदाधिकारी के नाम की घोषणा कर दी है. राष्ट्रीय कार्यकारिणी और राष्ट्रीय परिषद की बैठक में सब की नजर इस पर रहेगी संगठन में निशांत कुमार को भी कोई जिम्मेदारी दी जाती है या नहीं.

विवाद में दोस्तों ने युवक की हत्याकर शव नदी में फेंका, गिरफ्तार

देवरियाः उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले की गंडक नदी में बीते दिनों मिले युवक के शव और हत्या के मामले में भाटपाररानी थाना पुलिस ने सोमवार को खुलासा कर दिया है. शराब पार्टी के दौरान हुए विवाद में दोस्तों ने युवक की हत्या कर शव छिपाने के उद्देश्य से नदी में फेंक दिया था. पुलिस लाइन के प्रेक्षागृह में आयोजित प्रेसवार्ता में पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने भाटपाररानी क्षेत्र में हुए युवक की हत्या का खुलासा कर दिया है. 30 मई को ग्रामसभा मालीबारी के सवरेजी पुल के पास गंडक नदी में एक युवक का शव मिला.

खगड़िया में अज्ञात बदमाशों के हमले में बेटी की मौत, माता-पिता सहित चार लोग गंभीर

खगड़िया: बिहार के खगड़िया जिले के चौथम थाना क्षेत्र के करुआमोड़ में रविवार की देर रात खूनी खेल खेला गया. अज्ञात बदमाशों ने घर में घुसकर एक परिवार पर धारदार हथियार से हमला कर दिया. इस हमले में एक विवाहित महिला की मौत हो गई. वहीं उसके माता-पिता और दो मासूम बच्चे जख्मी हो गए. मृतक महिला की पहचान 28 वर्षीय अर्चना कुमारी के रूप में की गई है, जो कुछ महीने पहले ही अपने मायके आई थी. घटना में मृतका अर्चना कुमारी के पिता जयकांत पासवान (50), मां पार्वती देवी, बेटी परी कुमारी और

बेटा यश कुमार गंभीर रूप से घायल हुए हैं. सोमवार सुबह करीब 5 बजे सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल खगड़िया में भर्ती कराया गया. डॉक्टरों ने अर्चना कुमारी को मृत घोषित कर दिया. वहीं, जयकांत पासवान और उनकी पत्नी पार्वती देवी की हालत नाजुक होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है.

न्यूज कॉर्नर

क्लोन बायोमेट्रिक के जरिये अपने खाते में रकम ट्रांसफर करने वाले तीन साइबर अपराधी गिरफ्तार

बाराबंकीः आधार आधारित बैंकिंग प्रणाली में सेंध लगाकर लोगों की मेहनत की कमाई पर हाथ साफ करने वाले एक शातिर साइबर गिरोह का बाराबंकी साइबर क्राइम थाना पुलिस ने पर्दाफाश किया है. पुलिस ने नकली फिंगरप्रिंट (क्लोन बायोमेट्रिक) के जरिए एईपीएस (आधार सक्षम भुगतान प्रणाली) से धोखाधड़ी करने वाले तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है. उनके कब्जे से चार मोबाइल फोन, पांच सिम कार्ड, दो थम्ब स्कैनर मशीनें और एक अर्टिगा कार बरामद हुई है. पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने सोमवार को बताया कि मामले की शुरुआत तब हुई जब बदोसराय थाना क्षेत्र के मरकामऊ निवासी मोहम्मद आजम ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई. शिकायत के अनुसार आरोपितों ने उनके भाई मोहम्मद अंसार को झांसे में लेकर सहज मनी की रिटेलर आईडी बनवाई और बाद में उसी आईडी का दुरुपयोग करते हुए फर्जी आधार कार्ड एवं नकली बायोमेट्रिक के जरिए करीब 1.29 लाख रुपये की धोखाधड़ी कर रकम विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर दी. जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपितों ने कई अन्य तिथियों में भी इसी आईडी का इस्तेमाल कर अवैध निकासी की और धनराशि अपने तथा अपने साथियों के खातों में ट्रांसफ़र कर लेते थे. जिन्हें आज सोमवार को पकड़ इस कर इनका फ्राड का खुलासा कर इन लोगो को जेल भेजा गया.

पटना में अपराधी बेखौफ, गैस वेंडर को बीच सड़क पर गोलियों से भूना

पटना: राजधानी पटना से सटे दानापुर थाना क्षेत्र के नासरीगंज में रविवार देर रात अपराधियों ने एक गैस वेंडर की गोली मारकर हत्या कर दी. घटना नासरीगंज बिस्किट फैक्ट्री रोड स्थित तक्षशिला कॉलोनी के पास हुई. बाइक सवार दो अपराधियों ने युवक पर ताबड़तोड़ तीन गोलियां चलाईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों बदमाश फरार हो गए. मृतक की पहचान सीतामढ़ी जिले के रून्नीसैदपुर थाना क्षेत्र के बनसपति गांव निवासी राम कुमार साव के 30 वर्षीय पुत्र इंदल साव के रूप में हुई है. वह दानापुर के गोला रोड स्थित बैंक कॉलोनी में रहकर गैस डिलीवरी का काम करता था. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इंदल साव देर रात हाफ पैंट पहने पैदल कहीं जा रहा था. इसी दौरान पहले से घात लगाए बाइक सवार दो अपराधियों ने उसे निशाना बनाते हुए गोलीबारी कर दी. एक गोली उसके सीने में, दूसरी पसली के पास और तीसरी बाएं हाथ के पंजे में लगी. गंभीर चोटों के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई. घटना की सूचना मिलते ही दानापुर पुलिस और एएसपी शिवम धाकड़ मौके पर पहुंचे. पुलिस ने घटनास्थल से एक मोबाइल फोन और एक गोली का खोखा बरामद किया है. बरामद मोबाइल के आधार पर मृतक की पहचान की गई. मृतक के भाई संजीत कुमार ने बताया कि वह गोला रोड में किराना दुकान चलाते हैं, जबकि इंदल गैस डिलीवरी का काम करता था. उनके अनुसार, रविवार रात करीब नौ बजे इंदल दुकान के पास बैठा था. तभी उसका एक परिचित दोस्त बाइक से आया और उसे अपने साथ लेकर चला गया.

पैसे नहीं देने पर पुत्र ने पिता की पत्थर से वार कर की हत्या

अररिया : पुत्र के द्वारा पैसे की मांग करने पर पिता के नहीं देने पर कलयुगी पुत्र ने अपने पिता को पत्थर से वार कर हत्या कर दी.घटना बीते देर रात की है.घटना के बाद से आरोपी पुत्र फरार है और एसपी जितेंद्र कुमार ने मामले के उद्भेदन और फरार आरोपी पुत्र की गिरफ्तारी एसआईटी का गठन किया है.घटना बौसी थाना क्षेत्र के महसेली गांव की है. घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार, बौसी थाना क्षेत्र के महसेली गांव के वार्ड संख्या 3 निवासी 65 वर्षीय मो. लाईक और उनके 24 वर्षीय पुत्र खालीद के बीच पैसों को लेकर विवाद हुआ.खालिद अपने पिता से पैसे की मांग कर रहा था,जिसे 65 वर्षीय मो. लाईक ने देने से मना किया तो बेरहमी से पत्थर से उनपर वार कर पिता को बुरी तरह घायल कर दिया. सिर पर पिता की पत्थर से पिटाई के कारण वह लहूलुहान हो गया था.जिसके बाद परिजन आनन फानन में घायल को लेकर सदर अस्पताल पहुंचे.जहां ऑन ड्यूटी चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया. इस पूरे मामले में एसपी जितेंद्र कुमार ने बताया कि आरोपी बेटे की गिरफ़्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही है.इसके लिए सदर एसडीपीओ सुशील कुमार के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है और जल्द ही आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर लिया जाएगा. घटना के बाद से ही आरोपी पुत्र फरार है और पुलिस टीम उसकी गिरफ्तारी के लिए विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी कर रही है.इधर घटना से परिजन समेत गांव वाले स्तब्ध हैं.

शादी से इनकार होने पर लड़की चढ़ी मोबाइल टावर पर

बेतिया : जिले के बैरिया मोबाइल टावर पर चढ़कर अपने प्यार का इजहार करना आजकल युवा पीढ़ी में ट्रेंड सा बन गया है. ऐसे माने तो मोबाइल टावर पर चढ़कर अपने प्यार का इजहार करने के लिए लड़के या लड़कियां समझ रहे हैं कि उसके दिल चाह लड़के या लड़की से शादी हो जाएगी. ऐसी ही कहानी सोमवार को बैरिया प्रखंड क्षेत्र के मच्छर गांव के परसौनी स्थित जिओ के टावर पर सोमवार के दोपहर बाद घटना देखने को मिली.लड़की मोबाइल टावर पर चढ़कर चिल्लाने लगी और अपने प्रेमी नितेश कुमार के साथ रहने तथा उसके साथ शादी करने की बात कहने लगी. इस घटना की जानकारी बैरिया पुलिस को लगी जो थाना अध्यक्ष प्रमोद कुमार ने अपने दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और लड़की को नीचे उतरने के लिए काफी प्रयास करने लगे. लेकिन लड़की का कहना था कि उसका प्रेमी नौतन थाना क्षेत्र के पांडे टोला निवासी रविंद्र कुशवाहा का पुत्र नीतेश कुमार के साथ मुझे रहना है और इस से शादी भी करना है. जब पुलिस ने नीतीश को बुलाया तो लड़की टावर से नीचे उतरी और पुलिस ने लड़की को अपने हिरासत में लेकर थाने पहुंची. लड़की संजना कुमारी पिता स्वर्गीय गणेश मिंस जो झारखंड राज्य के रांची के रहने वाली है, नितेश के साथ में डांस करने के लिए आई थी और नितेश के साथ उसका दिल लग गया तथा उसी से शादी रचाने की भी बात करने लगी.

जंजीरों में खुद को जकड़कर बाबा धाम निकले पूर्व सैनिक

भागलपुरः श्रावणी मेला शुरू होने से पहले डाक कांवर यात्रा में आस्था का एक अनोखा नजारा देखने को मिला. असरगंज-कच्ची कांवरिया पथ पर एक पूर्व सैनिक अपने पूरे शरीर को जंजीरों से जकड़कर बाबा बैद्यनाथ धाम की यात्रा करते नजर आए. शेखपुरा जिले के एकड़ा गांव निवासी राम उदय सिंह सुल्तानगंज की उत्तरवाहिनी गंगा से जल भरकर बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर के लिए रवाना हुए हैं. राम उदय सिंह ने बताया कि वे भारतीय सेना में 18 वर्षों तक सेवा दे चुके हैं. सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद से वे लगातार बाबा धाम की यात्रा कर रहे हैं. इस बार उन्होंने जनकल्याण, सुख-समृद्धि और विश्व शांति की कामना को लेकर खुद को जंजीरों से बांधकर

डाक कांवर यात्रा करने का संकल्प लिया है इससे पहले वे सुराही कांवर के साथ यात्रा करते थे. लेकिन इस बार उनकी यह अनोखी साधना श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है. रास्ते में जहां-जहां से वे गुजर रहे हैं, वहां श्रद्धालुओं की भीड़ उन्हें देखने के लिए उमड़ रही है.

लोग उनकी भक्ति और समर्पण की सराहना कर रहे हैं. जंजीरों में बंधे पूर्व सैनिक की यह अनोखी कांवर यात्रा इन दिनों कांवरिया पथ पर चर्चा का विषय बनी हुई है.

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में देरी बर्दाश्त नहीं, हर माह 10 तारीख तक पेंशन भुगतान सुनिश्चित करें : मुख्यमंत्री

पटनाः बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सामाजिक सुरक्षा और जनकल्याण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया है कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत लाभार्थियों के खातों में प्रत्येक माह की 10 तारीख तक राशि का भुगतान हर हाल में सुनिश्चित किया जाए. उन्होंने कहा कि पेंशन भुगतान में किसी भी प्रकार की देरी गरीब, वृद्ध, दिव्यांग और अन्य जरूरतमंद लाभार्थियों के जीवन को प्रभावित करती है, इसलिए इस व्यवस्था को पूरी गंभीरता और जवाबदेही के साथ संचालित किया जाना चाहिए.

सोमवार को लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' में आयोजित समाज कल्याण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने विभागीय योजनाओं की प्रगति, सेवा वितरण व्यवस्था और लाभार्थियों तक योजनाओं की पहुंच का विस्तृत आकलन किया. बैठक में समाज कल्याण मंत्री श्वेता गुप्ता, विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा

अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे. मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान कहा कि राज्य के आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के समग्र विकास की आधारशिला हैं. इसलिए इनके संचालन, उपस्थिति और सेवा वितरण की तकनीकी माध्यमों से नियमित एवं गहन निगरानी की जाए. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में सेविका और सहायिकाओं की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए तथा लक्षित बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं. आंगनबाड़ी केंद्र जितने बेहतर ढंग से संचालित होंगे, बच्चों का शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास उतना ही बेहतर होगा. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सुझाव दिया कि राज्य के आंगनबाड़ी केंद्रों को सुदृढ़ और आधुनिक बनाने के लिए कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के माध्यम से सहयोग प्राप्त करने की संभावनाओं पर गंभीरता से कार्य किया जाए. उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र की सहभागिता से आंगनबाड़ी केंद्रों के बुनियादी ढांचे, संसाधनों और सुविधाओं में सुधार लाया जा सकता है. मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान राज्य में बच्चों के बीच स्टंटिंग (अल्पविकसित वृद्धि) और वेस्टिंग (कुपोषण के कारण वजन में कमी) की स्थिति में सुधार लाने को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया. पोषण संबंधी सूचकांकों में सुधार के लिए विभाग को और अधिक सक्रियता से कार्य करना होगा.

राजग सरकार ने राबड़ी को 'बदले की राजनीति' के तहत सरकारी बंगला खाली करने का आदेश दिया : राजद

पटनाः राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेताओं ने बिहार में पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को सरकारी बंगला खाली करने का आदेश दिए जाने को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की सोमवार को कड़ी आलोचना की. उन्होंने सरकार पर बदले की राजनीति के तहत यह कदम उठाने का आरोप लगाया. पटना में 10 सर्कुलर रोड स्थित बंगला, जिसमें वर्तमान में राबड़ी और उनका परिवार रह रहा है, हाल में बिहार सरकार में मत्स्य एवं पशु संसाधन मंत्री नंद किशोर राम को आवंटित किया गया है. नंद किशोर को कुछ हफ्ते पहले 21 हार्डिंग रोड स्थित सरकारी आवास भी आवंटित किया गया था. राजद के प्रधान राष्ट्रीय महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी ने आरोप लगाया कि सरकार अपनी नीतियों की आलोचना करने वाले विपक्षी दलों को निशाना बना रही है. उन्होंने संवाददाताओं से कहा, लोकतंत्र की खूबसूरती सरकार की कमियों को उजागर करने में है. अगर सरकार कोई गलती करती है, तो विपक्ष का दायित्व है कि वह उसे जवाबदेह बनाए. हालांकि, बिहार में सत्तारूढ़ गठबंधन चाहता है कि विपक्ष हर बात पर सरकार की हां में हां मिलाए, वरना उसे विभिन्न तरीकों से प्रताड़ित किया जाता है.

सिद्दीकी ने दावा किया कि बिहार गरीबी और कर्ज जैसी समस्याओं से जूझ रहा है, लेकिन

सरकार इन मुद्दों के समाधान के बजाय विपक्ष को निशाना बनाने में व्यस्त है. उन्होंने 1 अणे मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास और उपमुख्यमंत्री के लिए निर्धारित 5 देशरत्न मार्ग स्थित बंगले को मिलाकर लोक सेवक आवास बनाए जाने पर भी सवाल उठाया. सिद्दीकी ने कहा, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को बताना चाहिए कि दोनों बंगलों को मिलाकर संयुक्त मुख्यमंत्री आवास क्यों बनाया गया और उसका नाम 'लोक सेवक आवास' क्यों रखा गया, जबकि उपमुख्यमंत्री अन्य बंगलों में रह रहे हैं. राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने कहा कि सरकारी बंगलों का आवंटन निर्धारित नियमों और मानकों के अनुसार होना चाहिए, लेकिन बिहार में ऐसा नहीं हो रहा है. उन्होंने कहा, पटना उच्च न्यायालय ने 1990 के दशक के अंत में कहा था कि सरकार लगातार निर्धारित दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करती है. उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव को इसकी जानकारी होनी चाहिए, क्योंकि वह खुद उस मामले में याचिकाकर्ता थे.

मंडल ने आरोप लगाया कि सरकार पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार का अपमान करने की नीयत से काम कर रही है. उन्होंने कहा कि राजद 10 सर्कुलर रोड स्थित बंगले को खाली करने के आदेश के खिलाफ अदालत का रुख करने पर विचार कर सकता है. राजद के वरिष्ठ दलित नेता शिवचंद्र राम ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए दलित नेता नंद किशोर राम का इस्तेमाल कर रही है. उन्होंने कहा, नंद किशोर राम को 11 मई को ही 21 हार्डिंग रोड स्थित बंगला आवंटित किया गया था. फिर महज दो हफ्ते बाद 27 मई को उन्हें 10 सर्कुलर रोड स्थित बंगला आवंटित करने की जरूरत क्यों पड़ी? क्या पहले आवंटित बंगले में कोई समस्या थी? शिवचंद्र ने आरोप लगाया कि सरकार दलितों और आम लोगों का ध्यान वास्तविक मुद्दों से भटकाने का प्रयास कर रही है. सिद्दीकी ने दावा किया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा सहित कई राजग नेता पद छोड़ने के बावजूद सरकारी बंगलों में रह रहे हैं और इस पर कोई आपत्ति नहीं जताई जाती. उन्होंने सवाल किया, अगर पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जीतन राम मांझी सरकारी आवास में रह सकते हैं, तो लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी को अपना बंगला खाली करने के लिए क्यों कहा जा रहा है? सिद्दीकी ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास अब पहले की तुलना में काफी बड़ा हो गया है. उन्होंने कहा, सम्राट चौधरी ने बिहार की सबसे महंगी जमीन पर स्थित अपने भव्य आवास का लगभग 15 एकड़ से अधिक क्षेत्र में विस्तार कर लिया है.

पीपल के पेड़ पर बना था साड़ी का झूला, खेलने के दौरान किशोर की मौत

पटना: बिहार के फुलवारी शरीफ में एक दर्दनाक हादसे में 14 वर्षीय किशोर की जान चली गई. पीपल के पेड़ पर साड़ी से बने झूले पर खेलते समय साड़ी उसके गले में फंस गई, जिससे दम घुटने से उसकी मौत हो गई. घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है, जबकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है. पुलिस के मुताबिक, 14 वर्षीय आदित्य कुमार घर के पास एक पीपल के पेड़ पर खेल रहा था. इस दौरान साड़ी से बने झूले पर वह अकेला मौजूद था. साड़ी उसके गले में कस गई, जिससे उसकी सांसें थम गईं. मामला बिहार के दानापुर के फुलवारी शरीफ के मंझौली गांव का है. स्थानीय लोगों ने बताया कि आदित्य कुमार अकेला था, ऐसे में समय पर कोई उसकी मदद नहीं कर पाया और दम घुटने से उसकी मौत हो गई. किसी राहगीर ने आदित्य को लटका हुआ देखा तो परिवार को इसकी सूचना दी. परिजनों ने बताया कि, एक शख्स ने फोन कर उन्हें इसकी जानकारी दी. पार्क में पहुंचकर, परिजनों ने आदित्य को नीचे उतारा और आनन-फानन में उसे अस्पताल लेकर पहुंचे. हालांकि, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. रोज बच्चे समूह में वहां जाते थे, लेकिन घटना वाले दिन वह अकेला ही गया था.

न्यूज कॉर्नर

जीएसटी राजस्व संग्रह मई में 3.2 फीसदी बढ़कर 1.94 लाख करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली: देश के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में बढ़ोतरी दर्ज की गई है. मई महीने में जीएसटी राजस्व संग्रह 3.2 फीसदी बढ़कर 1.94 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा. पिछले साल मई में सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 1.88 लाख करोड़ रुपये रहा था.जीएसटी महानिदेशालय ने सोमवार को आंकड़ों में बताया कि जीएसटी राजस्व संग्रह में यह वृद्धि वस्तुओं एवं सेवाओं की आपूर्ति में सुधार तथा आयात मिलने वाले कर संग्रह में लगातार बढ़ोतरी के कारण हुई है. आंकड़ों के अनुसार मई के दौरान घरेलू लेन-देन से केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) संग्रह 37,397 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) 45,143 करोड़ रुपये और एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) 51,990 करोड़ रुपये रहा.आंकड़ों के मुताबिक इस अवधि में कर योग्य वस्तुओं की आपूर्ति में 26.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई, जो घरेलू मांग को दर्शाती है. सेवाओं के क्षेत्र में यह वृद्धि 22.2 फीसदी रही है, जो घरेलू खपत की मजबूती को दिखाती है. इसी तरह आयात से आईजीएसटी संग्रह 19.1 फीसदी बढ़कर मई में 59,654 करोड़ रुपये हो गया, जो औद्योगिक क्षमता के विस्तार का संकेत है.इसके अलावा इस अवधि में जीएसटी 'रिफंड' 2.6 फीसदी बढ़कर 27,281 करोड़ रुपये हो गया. 'रिफंड' समायोजित करने के बाद मई में शुद्ध जीएसटी राजस्व संग्रह 3.3 फीसदी बढ़कर लगभग 1.67 लाख करोड़ रुपये रहा. इससे पहले अप्रैल महीने में जीएसटी राजस्व संग्रह 8.7 फीसदी बढ़कर 2.43 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था.

आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक 3 जून से, रेपो रेट यथावत रहने की संभावना

नई दिल्ली: रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक 3 से पांच जून तक होगी. आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा पांच जून को नीतिगत निर्णय की घोषणा करेंगे. विशेषज्ञों के मुताबिक, आरबीआई मुंबई में आयोजित होने वाली की इस बैठक में पश्चिमी एशिया संकट और भू-राजनीतिक तनाव, मुद्रास्फीति की चिंताओं तथा रुपये पर दबाव के कारण रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर यथावत रख सकता है.आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना है कि एमपीसी से इस बार प्रमुख ब्याज दरों रेपो रेट में कोई बदलाव की उम्मीद नहीं जताई जा रही है. बढ़ती ऊर्जा कीमतों, कमजोर होते रुपये और आपूर्ति शृंखला में व्यवधान की वजह से आरबीआई अपने मुद्रास्फीति के अनुमान बढ़ा सकता है. उल्लेखनीय है कि अप्रैल की मौद्रिक समीक्षा में आरबीआई ने पश्चिम एशिया संघर्ष के ऊर्जा आपूर्ति, महंगाई और आर्थिक वृद्धि पर प्रभाव का आकलन के लिए 'देखो और इंतजार करो' का रुख अपनाते हुए रेपो रेट को 5.25 फीसदी अपरिवर्तित रखा था.

यूपीआई के जरिए मई में 29.9 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर हुआ लेनदेन

नई दिल्ली: यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिये लेन-देन मई महीने में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया. गर्मियों में यात्रा और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्रभाव से इस दौरान कुल लेन-देन मूल्य 29.90 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया, जबकि संख्या 23.2 अरब रही. नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार गर्मियों की यात्रा और आईपीएल के बुखार के चलते मई महीने में लोकप्रिय यूपीआई के जरिए होने वाले ट्रांजेक्शन (लेन-देन) रिकॉर्ड स्तर पर पहुच गया. एनपीसीआई के अनुसार मूल्य के हिसाब से यह 29.90 लाख करोड़ रुपये और संख्या (वॉल्यूम) के हिसाब से 23.2 अरब तक पहुच गया. पिछले वर्ष इसी महीने में यह 25.14 लाख करोड़ रुपये रहा था, जो सालाना आधार पर 19 फीसदी वृद्धि दर्शाता है. अप्रैल में लेन-देन का मूल्य 29.03 लाख करोड़ रुपये था. आंकड़ों के अनुसार संख्या के लिहाज से मई में 23.2 अरब लेन-देन के साथ नया रिकॉर्ड बना, जो पिछले वर्ष इसी अवधि के 18.67 अरब लेन-देन से 24 फीसदी अधिक है. अप्रैल 2026 में लेन-देन की संख्या 22.35 अरब थी. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की भुगतान प्रणाली रिपोर्ट के अनुसार यूपीआई के जरिए औसत लेन-देन का आकार 2021 में 1848 रुपये से घटकर 2025 में 1313 रुपये रह गया है, जो चिंता की बात नहीं, बल्कि परिपक्व होते तंत्र का संकेत है. यूपीआई फिलहाल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सिंगापुर, भूटान, नेपाल और मॉरीशस सहित सात देशों में चालू है. एनपीसीआई रिजर्व बैंक और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) की पहल है, जो भारत में खुदरा भुगतान एवं निपटान प्रणालियों का संचालन करती है. यह प्रणाली वास्तविक समय में लोगों और व्यापारियों के बीच भुगतान को संभव बनाती है.

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए एटीएफ हुआ 27 फीसदी सस्ता, घरेलू दरें अपरिवर्तित

नई दिल्ली: सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालित करने वाली विमानन कंपनियों के लिए विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में 27 फीसदी की भारी कटौती की है. हालांकि, घरेलू विमानन कंपनियों के लिए एटीएफ की दरों में लगातार दूसरे महीने कोई बदलाव नहीं किया गया है.इस कटौती से अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के लिए विमान ईंधन की कीमत 400 डॉलर प्रति किलोलीटर से अधिक घटकर लगभग 1,100 डॉलर प्रति किलोलीटर रह गई है. अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा की कीमतों में तेजी के बीच इन विमानन कंपनियों के लिए एटीएफ की दरें दोगुनी से अधिक बढ़कर 1,435.31 डॉलर प्रति किलोलीटर हो गई थीं. 1 मई को 76.55 डॉलर यानी 5.33 फीसदी बढ़ाकर 1,511.86 डॉलर प्रति किलोलीटर की गई थीं. तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने घरेलू विमानन कंपनियों के लिए एटीएफ के दाम में कोई बदलाव नहीं किया है. ये एक अप्रैल से 1,04,927.18 रुपये प्रति किलोलीटर पर ही बनी हुई है. इसके बाद से इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है. यह संशोधन सरकारी तेल विपणन कंपनियों द्वारा हर महीने किए जाने वाले मूल्य निर्धारण का हिस्सा है.पश्चिम एशिया में जारी संकट और होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी संकट के कारण वैश्विक स्तर पर एटीएफ की आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे आपूर्ति श्रृंखला पर लगातार दबाव बना हुआ है.

प्रथम पृष्ठ का शेषांश

शुभेंदु अधिकारी की कैबिनेट ...

आकर्षित करना वित्त मंत्रालय के लिए तलवार की धार पर चलने जैसा होगा. राज्य भर में महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा शुरू कर दी गई है और उन्हें 'जीरो बैलेंस' टिकट दिए जा रहे हैं, ऐसी योजनाओं को बिना किसी भ्रष्टाचार के सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाना सरकार की विश्वसनीयता तय करेगा.35 मंत्रियों के इस बड़े विस्तार के जरिए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को यह स्पष्ट संकेत दे दिया है कि उनकी सरकार केवल एक कामचलाऊ व्यवस्था नहीं, बल्कि पांच साल के पूर्ण और स्थिर कार्यकाल के संकल्प के साथ आई है. तापस राय और अर्जुन सिंह जैसे नेताओं की कैबिनेट रैंक यह सुनिश्चित करेगी कि विधानसभा के भीतर विपक्ष के किसी भी आक्रामक रुख का करारा और विधायी जवाब दिया जा सके.

पार्श्व गायिका सुमन कल्याणपुर ...

से लोगों को मंत्रमुग्ध किया.'' राष्ट्रपति ने कहा कि शास्त्रीय धुनों से लेकर लोकप्रिय गीतों तक, उनके योगदान का दायरा अत्यंत व्यापक और प्रभावशाली रहा है.प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उनकी सुरीली आवाज और भावपूर्ण गायन ने देश के सांस्कृतिक जगत को समृद्ध किया. मोदी ने पोस्ट में कहा, ''लोकप्रिय गायिका सुमन कल्याणपुर के निधन से दुखी हूं. उनकी सुरीली आवाज और भावपूर्ण गायन ने हमारे सांस्कृतिक जगत को समृद्ध किया. उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से संगीत प्रेमियों और भारतीय सिनेमा के प्रशंसकों के बीच विशेष स्थान बनाया. मैं उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं. ओम शांति.''

बंगाल में महिलाओं के ....

एसडीओ कार्यालय में जमा करना होगा. जब तक स्मार्ट कार्ड जारी नहीं हो जाता, तब तक महिलाएं सूची में शामिल पहचान पत्रों का उपयोग करके मुफ्त यात्रा सुविधा का लाभ उठा सकेंगी.भाजपा नेता शशि अग्निहोत्री ने इस फैसले को लेकर कहा कि चारों तरफ उत्सव का माहौल है, ऐसा लग रहा है कि कोई त्योहार है. महिलाएं खुश हैं, उन्होंने दोनों हाथों से भाजपा को आशीर्वाद दिया है तो अब भाजपा का उनके लिए काम करने का वक्त है. भाजपा ने वादा किया था, अब एक महीने के अंदर इस पर अमल किया जा रहा है. बसों में महिलाओं की भीड़ देखने को मिल रही है. वहीं, बस में सफर करने वाली एक युवती ने कहा कि मैं पढ़ाई करने की वजह से यात्रा करती हूं. सरकार के इस कदम से मेरे कुछ पैसे जरूर बचेंगे. सरकार को मैं धन्यवाद देना चाहती हूं.

सप्ताह के पहले दिन धराशाई हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 1,164 अंक तक लुढ़का

बाजार की गिरावट से निवेशकों को लगा 3.75 लाख करोड़ का चूना

नई दिल्ली: अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर तनातनी बढ़ने की खबर, कच्चे तेल की कीमत में तेजी, बिकवाली का दबाव और एफएमसीजी सेक्टर में आई बड़ी गिरावट की वजह से घरेलू शेयर बाजार एक बार फिर धराशाई हो गया. आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी. बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में और तेजी आ गई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया. इस बिकवाली की वजह से दोनों सूचकांक गिरते चले गए. बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि बीएसई का सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से लगभग 1,165 अंक टूट गया. इसी तरह निफ्टी भी ऊपरी स्तर से 375 अंक से अधिक लुढ़क गया. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.68 प्रतिशत और निफ्टी 0.70 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए.

आज दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी, मीडिया और मेटल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही. खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी का आईटी इंडेक्स 2.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ. इसी तरह बीएसई का टेक इंडेक्स 1.34 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा. दूसरी ओर, ऑटोमोबाइल, पावर और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में आज लगातार बिकवाली होती रही. इसके अलावा बैंकिंग, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, कैपिटल गुड्स, हेल्थकेयर, पब्लिक सेक्टर इंटरप्राइज और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए. ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 1.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ. इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया.

आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने चार लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई. बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के

बाद घट कर 460.72 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया. जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 464.47 लाख करोड़ रुपये था. इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.75 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया.

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,549 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें 1,589 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,761 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 199 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए. एनएसई में आज 3,015 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें से 924 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,091 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए. इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से छह शेयर बढ़त के साथ और 24 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए. जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 10 शेयर हरे निशान में और 40 शेयर लाल निशान में बंद हुए.

बीएसई का सेंसेक्स आज 427.28 अंक की मजबूती के साथ 75,203.02 अंक के स्तर पर खुला. कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में यह सूचकांक 592.19 अंक उछल कर 75,367.93 अंक के स्तर तक पहुंच गया.

इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स की चाल में गिरावट आने लगी.हालांकि खरीदार बीच-बीच में लिवाली का जोर बनाने की भी कोशिश करते रहे. इसके बावजूद बिकवाली के दबाव में यह सूचकांक लगातार लुढ़कता चला गया. लगातार हो रही बिकवाली की वजह से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक ऊपरी स्तर से 1,164.25 अंक का गोता लगा कर 572.06 अंक की कमजोरी के साथ 74,203.68 अंक के स्तर तक आ गया. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 508.40 अंक की गिरावट के साथ 74,267.34 अंक के स्तर पर बंद हुआ.

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 106.75 अंक की छलांग लगा कर 23,654.50 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की. बाजार खुलते ही लिवाली के सपोर्ट से यह सूचकांक 185.95 अंक उछल कर 23,733.70 अंक के स्तर पर आ गया. इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से निफ्टी की चाल में गिरावट आने लगी. लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक ऊपरी स्तर से 375.75 अंक फिसल कर 189.80 अंक की कमजोरी के साथ 23,357.95 अंक के स्तर तक गिर गया. अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई मामूली खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी दिन के निचले स्तर से करीब 25 अंक की रिकवरी कर 165.15 अंक की कमजोरी के साथ 23,382.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ.

आज दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टेक महिंद्रा 4.01 प्रतिशत, इंफोसिस 3.58 प्रतिशत, कोल इंडिया 3.21 प्रतिशत, टीसीएस 1.70 प्रतिशत और जेएसडब्ल्यू स्टील 1.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए. दूसरी ओर, हिंदुस्तान यूनिलीवर 3.21 प्रतिशत, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 2.98 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 2.97 प्रतिशत, मैक्स हेल्थकेयर 2.76 प्रतिशत और आईटीसी 2.53 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए.

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली: घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है. भाव में आई गिरावट के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,57,030 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,59,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,46,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है. इसी तरह, चांदी के भाव में आई मामूली कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है.दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,57,180 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,57,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,57,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,59,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,46,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है. इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,57,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,57,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,57,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,57,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,57,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,44,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में सांकेतिक गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है. इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,57,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

फिर महंगा हुआ कमर्शियल गैस सिलेंडर, घरेलू सिलेंडर के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली: देश की ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एलपीजी सिलेंडर की कीमत में एक बार फिर बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है. हालांकि कीमत में की गई ये वृद्धि सिर्फ 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर और पांच किलोग्राम वाले छोटू सिलेंडर तक ही सीमित है. घरेलू इस्तेमाल में आने वाले 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है. ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 42 रुपये से लेकर 53.50 रुपये तक की बढ़ोतरी की है. सिलेंडर की नई कीमत आज से ही लागू हो गई है.

इससे पहले पिछले महीने की पहली तारीख यानी एक मई को कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में लगभग एक हजार रुपये की बढ़ोतरी की गई थी. दिल्ली में ये बढ़ोतरी 993 रुपये की थी, जबकि कोलकाता में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 998.50 रुपये हो गई थी. इसी तरह मुंबई में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 993 रुपये की बढ़ोतरी हुई थी. वहीं चेन्नई में कमर्शियल गैस सिलेंडर 990.50 रुपये महंगा हो गया था.कीमत में आज की गई बढ़ोतरी के बाद राजधानी दिल्ली में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत 3,113.50 रुपये और कोलकाता में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ कर 3,255.50 रुपये के स्तर पर पहुंच गई है. मुंबई में कमर्शियल गैस सिलेंडर आज सुबह से 3,063.50 रुपये के भाव पर मिल रहा है, जबकि चेन्नई में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ कर 3,281.50 रुपये हो गई है.कमर्शियल गैस सिलेंडर की तरह ही छोटू सिलेंडर के नाम से मशहूर पांच किलोग्राम वाले फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडर की कीमत में भी आज से 11 रुपये की बढ़ोतरी की गई है. इस बढ़ोतरी के बाद पांच किलोग्राम वाले एफटीएल सिलेंडर की कीमत बढ़कर 821.50 रुपये से लेकर 832.50 रुपये तक हो गई है.

जहां तक घरेलू इस्तेमाल में आने वाले 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की बात है, तो इसकी कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है. सात मार्च को घरेलू गैस सिलेंडर के मूल्य में 60 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई थी. देश की प्रमुख ऑयल मार्केटिंग कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार बिना सब्सिडी वाले 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत फिलहाल में दिल्ली में 913 रुपये है. इसी तरह मुंबई में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 912.50 रुपये के स्तर पर है. वहीं, कोलकाता में उपभोक्ताओं को घरेलू एलपीजी सिलेंडर 939 रुपये के भाव पर मिल रहा है, जबकि चेन्नई में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत फिलहला 928.50 रुपये है.

बैंकों से ईसीएलजीएस के तहत छोटे उद्यमों को 35 हजार करोड़ रुपये के ऋण मंजूर

नई दिल्ली: बैंकों ने आपातकालीन ऋण गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) के तहत छोटे उद्यमों को 35 हजार करोड़ रुपये के ऋण मंजूर किए हैं. इसमें मौजूदा वैश्विक संकट से प्रभावित एयरलाइन कंपनियों के लिए 5 हजार करोड़ रुपये भी शामिल हैं. इस योजना का उद्देश्य 2.55 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर्ज प्रदान करना है.पश्चिम एशिया संकट पर नई दिल्ली में आयोजित अंतर-मंत्रालयी प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए वित्तीय सेवा विभाग के संयुक्त सचिव मनोज मुत्तथिल अयप्पन ने सोमवार को कहा कि आपातकालीन ऋण गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) 5.0 को 5 मई को लॉन्च की गई थी. उन्होंने कहा कि इस स्कीम का मकसद व्यवसायों, खासकर एमएसएमई और साथ ही गैर-एमएसएमई सेक्टर को पर्याप्त लिक्विडिटी (नकदी) की उपलब्धता सुनिश्चित करना है. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 5 मई को इसकी मंजूरी दी थी. उन्होंने बताया कि 29 मई तक 1.71 लाख करोड़ रुपये की 2.62 लाख आवेदन प्राप्त हुई हैं. बैंकों ने लगभग 80,000 आवेदनों को मंजूरी दे दी है. इनमें 35,194 करोड़ रुपये पहले ही मंजूर किए जा चुके हैं और 15,720 करोड़ रुपये की गारंटी भी जारी की जा चुकी है.संयुक्त सचिव ने यह भी बताया कि अधिकतम लाभ प्रदान करने के लिए देशभर में 'आउटरीच' कार्यक्रम चलाया जा रहा है. उन्होंने आगे कहा कि कुल 18,100 करोड़ रुपये के व्यय वाली ईसीएलजीएस 5.0 योजना पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित एयरलाइंस और एमएसएमई की मदद करेगी. इस योजना के तहत बैंक उनकी मौजूदा कार्यशील पूंजी पर 20 फीसदी अतिरिक्त ऋण प्रदान कर सकते हैं.

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला मेरिट्रॉनिक्स का आईपीओ, 8 जून को लिस्टिंग संभव

नई दिल्ली: इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम्स डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग कंपनी मेरिट्रॉनिक्स लिमिटेड का 70.03 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया. इस आईपीओ में तीन जून तक बोली लगाई जा सकती है. इश्यू की क्लोजिंग के बाद चार जून को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि पांच जून को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे. कंपनी के शेयर आठ जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं.

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 141 रुपये से लेकर 149 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है. इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,98,000 रुपये का निवेश करना होगा. इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 47 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं. इनमें 2.36 शेयर मार्केट मेकर के लिए रिजर्व रखे गए हैं.इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 49.91 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है. इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 30.02 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15.05 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है. इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.02 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है. इस इश्यू के लिए जीवाईआर कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है. वहीं गिरिराज स्टॉक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है.

मेरिट्रॉनिक्स लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मामूली लगातार मजबूत हुई है. वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 3.05 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 8.66 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया. इसके बाद पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 16.10 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया.इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई. वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 86.01 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 114.04 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 156.25 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ.

इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया. वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 15.82 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 18.57 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 43.20 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया.इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई. वित्त वर्ष 2023-24 में ये 7.58 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 16.23 करोड़ रुपये हो गया. वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी का नेटवर्थ जोरदार उछाल के साथ 52.52 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया.

कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें, तो इस अवधि में कंपनी इस मोर्चे पर भी बढ़त हासिल करने में सफल रही है. वित्त वर्ष 2023-24 में ये 6.73 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 15.39 करोड़ रुपये हो गया. इसी तरह पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 40.34 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया था.इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2023-24 में 6.73 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 15.18 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी का ईबीआईटीडीए 27.22 करोड़ रुपये के स्तर पर था.

एमआर मनिवेनी की स्टॉक मार्केट में कमजोर लिस्टिंग के बाद लुढ़का शेयर

नई दिल्ली: फूड प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग का काम करने वाली कंपनी एमआर मनिवेनी फूड्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त डिस्काउंट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया. आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 52 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे. आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 18.17 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 42.55 रुपये के स्तर पर हुई.लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे थोड़ी देर में ही ये शेयर उछल कर 44.70 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया.हालांकि कुछ देर बाद ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण अपर सर्किट ब्रेक हो गया. पूरे दिन के कारोबार के बाद ये शेयर 40.65 रुपये के स्तर पर बंद हुआ. इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 11.35 रुपये यानी 21.83 प्रतिशत का नुकसान हो गया.

एमआर मनिवेनी फूड्स का 27.04 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 26 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था. इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.74 गुना सब्सक्राइब हुआ था.इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन सौ प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था. नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.88 गुना सब्सक्रिप्शन आया था. इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.09 गुना सब्सक्राइब हो सका था. इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 52 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं. आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नया प्लांट तैयार करने और मशीनरी खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी.

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में लगातार मजबूत हुई है. वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.56 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.18 करोड़ रुपये हो गया. इसके अगले वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी शुद्ध लाभ उछल कर 4.13 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया. पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 3.34 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था.

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई. वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 119.61 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 155 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 203.52 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 116.19 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था. इस अवधि में कंपनी के कर्ज में लगातार बढ़ोतरी होती रही. वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 9.93 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 15 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 20.46 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ बढ़ कर 22.40 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया था.

इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई. वित्त वर्ष 2022-23 में ये 10.18 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 12.36 करोड़ रुपये हो गया. इसी तरह 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ 18.59 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 21.93 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया. इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2022-23 में 3.72 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 5.05 करोड़ रुपये हो गया. इसी तरह 2024-25 में कंपनी का ईबीआईटीडीए 7.82 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर, 2025 तक ये 6.67 करोड़ रुपये के स्तर पर रहा.

इंग्लैंड के खिलाफ महिला टी20 श्रृंखला जीतने के लिए भारतीय मध्यक्रम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

टांटन: भारतीय टीम मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ मंगलवार को यहां तीसरे और निर्णायक महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में उतरेगी तो उसे दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष जैसी भरोसेमंद बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी, ताकि टीम अपने मध्यक्रम की समस्याओं का समाधान तलाश सके. भारतीय टीम ने इस श्रृंखला का विजयी आगाज किया था, लेकिन इंग्लैंड ने दूसरा टी20 मुकाबला जीतकर शानदार वापसी की. इस महीने 12 जून से शुरू होने वाले महिला टी20 विश्व कप से पहले दोनों टीमें जीत के साथ अपना आत्मविश्वास बढ़ाना चाहेंगी. भारतीय टीम के लिए यह श्रृंखला आगामी विश्व कप से पहले इंग्लैंड की परिस्थितियों में अपने सर्वश्रेष्ठ संयोजन को परखने का भी महत्वपूर्ण अवसर है. चोट से वापसी कर रहीं यास्तिका भाटिया ने पहले टी20 में अर्धशतकीय पारी खेली थी, लेकिन दूसरे मैच में वह तेजी से रन बनाने में नाकाम रहीं और 33 रन के निजी स्कोर पर रिटायर्ड आउट हो गईं. जेमिमा रोड्रिग्स ने भी एक अर्धशतक लगाया, जबकि स्मृति मंधाना और आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने दूसरे मैच में अच्छी शुरुआत की थी. दोनों ही मुकाबलों में भारतीय टीम अंतिम

मैच भारतीय समयानुसार रात 11 बजे शुरू होगा.

पांच ओवरों में अपनी लय बनाए रखने में असफल रही. विशेष रूप से बड़े शॉट खेलने के लिए जानी जाने वाली ऋचा घोष अभी तक अपेक्षित प्रभाव नहीं छोड़ सकी हैं. पहले मैच में यास्तिका और जेमिमा की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने सात विकेट पर 188 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया था, जबकि 16वें से 20वें ओवर के बीच टीम केवल 40 रन ही जोड़ पाई थी. दूसरे मैच में 169 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत एक समय एक विकेट पर 70 रन बनाकर मजबूत स्थिति में था, लेकिन अंतिम चरण में बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई और 16वें से 20वें ओवर के दौरान टीम ने पांच विकेट गंवाकर सिर्फ 28 रन बनाए. ऋचा को छोड़ दें तो भारतीय टीम में लंबे छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की संख्या सीमित है. ऐसे में कप्तान हरमनप्रीत कौर को पारी के अंत तक टिककर बल्लेबाजी करनी होगी और टीम के स्कोर को 190 से 200 रन के आसपास पहुंचाने की जिम्मेदारी उठानी होगी. महिला क्रिकेट में यह स्कोर अधिकांश मौकों पर मैच जिताने वाला साबित होता है. दूसरी ओर, इंग्लैंड की बल्लेबाजी भी चिंता का विषय रही है. दो मैचों में एमी जोन्स का 67 रन ही एकमात्र अर्धशतक रहा है. अन्य अनुभवी बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत तो की, लेकिन वे उसे बड़ी पारी में तब्दील करने और लंबे समय तक दबदबा बनाए रखने में सफल नहीं हो सकीं.

टीम इस प्रकार है : (भारत) : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फूलमाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), श्री चरणी, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), नंदिनी शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, श्रेयंका पाटिल, राधा यादव. **(इंग्लैंड) :** एम आर्लोट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फिलर, एमी जोन्स, नैट साइवर-ब्रंट, पेज स्कोफील्ड, लिन्से स्मिथ, डैनी वाट हॉज, इसी वोंग.

अंडर-18 एशिया कप में भारत ने कोरिया को 4-1 से रौंदा, सेमीफाइनल की उम्मीदें मजबूत

काकामिगाहारा (जापान): भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने अंडर-18 एशिया कप के पूल-ए मुकाबले में सोमवार को कोरिया को 4-1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की. भारत की ओर से कप्तान केतन कुशवाहा ने दो गोल किए, जबकि वरिंदर सिंह और शाहरुख अली ने एक-एक गोल दागा. भारत ने मुकाबले की शुरुआत बेहद आक्रामक अंदाज में की और पहले ही क्वार्टर में दो गोल कर बढ़त बना ली. तीसरे मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर कप्तान केतन कुशवाहा ने रिबाउंड पर गोल कर भारत का खाता खोला. इसके महज दो मिनट बाद गाज़ी खान के बेहतरीन पास पर वरिंदर सिंह ने गोल दागकर भारत की बढ़त 2-0 कर दी. पहले क्वार्टर के बाद कोरिया ने खेल की गति धीमी करने की कोशिश की, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा कायम रहा. दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच तेज़ खेल देखने को मिला, हालांकि ज्यादा मौके नहीं बने. 21वें मिनट में कोरिया को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिस पर कप्तान यून जेह्योक ने गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया. तीसरे क्वार्टर में भारत ने फिर आक्रमण तेज किया. 36वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर कोरियाई रक्षा पंक्ति शुरुआती प्रयास को रोकने में सफल रही, लेकिन गेंद को पूरी तरह क्लियर नहीं कर सकी. इसका फायदा उठाते हुए केतन कुशवाहा ने अपना दूसरा और भारत का तीसरा गोल कर दिया. अंतिम क्वार्टर में कोरिया ने वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय गोलकीपर आयुष राजक ने 53वें मिनट में शानदार बचाव कर टीम की बढ़त सुरक्षित रखी. इसके ठीक एक मिनट बाद भारत ने पलटवार करते हुए चौथा गोल दाग दिया. शाहरुख अली ने जोरदार शॉट लगाकर गेंद को बोर्ड से टकराया और भारत की जीत पर मुहर लगा दी. इस जीत के साथ भारत के छह अंक हो गए हैं और वह पूल-ए में जापान तथा कोरिया के बराबर पहुंच गया है. दोनों पूलों से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी. भारत अपना अंतिम पूल मुकाबला 3 जून को चीनी ताइपे के खिलाफ खेलेगा.

न्यूज़ कॉर्नर

दिव्यांशी ने डब्ल्यूटीटी प्रिस्टिना फीडर सीरीज में दोहरे स्वर्ण के साथ इतिहास रचा

प्रिस्टीना (कोसोवो): उभरती हुई खिलाड़ी 15 वर्षीय दिव्यांशी भौमिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डब्ल्यूटीटी फीडर महिला एकल खिताब जीतकर इतिहास रच दिया. वह इस उपलब्धि हासिल करने वाली भारत की सबसे कम उम्र की महिला खिलाड़ी बन गई हैं. विश्व रैंकिंग में 211वें स्थान पर काबिज दिव्यांशी ने फाइनल में चीनी ताइपे की विश्व नंबर 38 येह यी-तियान को रोमांचक मुकाबले में 3-2 (8-11, 11-8, 11-5, 7-11, 11-7) से पराजित किया. भारतीय खिलाड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए अद्भुत संयम, जुझारूपन और आत्मविश्वास का परिचय दिया तथा यादगार जीत दर्ज की. इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने सीनियर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी दमदार मौजूदगी का अहसास कराया. दिव्यांशी की यह उपलब्धि केवल भारतीय टेबल टेनिस के लिए ही ऐतिहासिक नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी उन्हें विशिष्ट स्थान दिलाती है. मात्र 15 वर्ष की आयु में वह जापान की स्टार खिलाड़ी मिवा हारिमोटो के बाद डब्ल्यूटीटी फीडर सर्किट में महिला एकल खिताब जीतने वाली दुनिया की दूसरी सबसे युवा खिलाड़ी मानी जा रही हैं. प्रिस्टीना में आयोजित प्रतियोगिता के दौरान दिव्यांशी ने पूरे सप्ताह अपने खेल से प्रभावित किया. उन्होंने अपने से अधिक अनुभवी और ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ियों को बेखौफ आक्रामक खेल तथा अटूट आत्मविश्वास के दम पर मात दी. उनकी परिपक्वता उम्र से कहीं अधिक दिखाई दी. दिव्यांशी ने अपने शानदार अभियान में एक और स्वर्णिम उपलब्धि जोड़ते हुए महिला युगल वर्ग का स्वर्ण पदक भी जीता. उन्होंने साथी भारतीय किशोर खिलाड़ी सिंड्रेला दास के साथ मिलकर जापान की साची आओकी और कोकोना मुरामात्सु की जोड़ी को रोमांचक फाइनल में 3-2 (7-11, 14-12, 12-14, 11-8, 11-7) से हराया. करीब आधे घंटे तक चले इस संघर्षपूर्ण मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने पहला गेम गंवाने के बावजूद शानदार वापसी की. निर्णायक क्षणों में दबाव के बीच उनका धैर्य और दृढ़ता देखने लायक रही, जिसने भारत की इस उभरती हुई जोड़ी की बढ़ती परिपक्वता और उज्ज्वल भविष्य की झलक पेश की.

प्रीमियर लीग के रिकॉर्डधारी जेम्स मिल्नर ने फुटबॉल को कहा अलविदा

लंदन: इंग्लैंड के पूर्व मिडफील्डर जेम्स मिल्नर ने 40 वर्ष की उम्र में पेशेवर फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है. इसके साथ ही उनके 24 वर्षों लंबे प्रीमियर लीग करियर का भी अंत हो गया. मिल्नर ने वर्ष 2019 में लिवरपूल को यूईएफए चैंपियंस लीग का खिताब दिलाने में भी अहम भूमिका निभाई थी. पिछले तीन सत्रों से ब्राइटन एंड होव एल्बियन का हिस्सा रहे मिल्नर ने अपने करियर की शुरुआत अपने बचपन के पसंदीदा क्लब लीड्स यूनाइटेड से की थी. इसके बाद उन्होंने मैनचेस्टर सिटी और लिवरपूल के लिए खेलते हुए तीन प्रीमियर लीग खिताब जीते. इनमें दो खिताब मैनचेस्टर सिटी और एक लिवरपूल के साथ शामिल है. फरवरी, 2026 में ब्राइटन की ओर से ब्रेंटफोर्ड के खिलाफ खेलते हुए उन्होंने प्रीमियर लीग में सर्वाधिक मैच खेलने का रिकॉर्ड अपने नाम किया. उन्होंने अपने करियर का समापन 658 प्रीमियर लीग मैचों के साथ किया. संन्यास की घोषणा करते हुए जेम्स मिल्नर ने इंस्टाग्राम पर लिखा, प्रीमियर लीग में 24 सत्र खेलने के बाद मुझे लगता है कि अब अपने खेल करियर को विराम देने का सही समय आ गया है. 16 वर्ष की उम्र में लीड्स यूनाइटेड के लिए पदार्पण करने और प्रीमियर लीग का सबसे युवा गोल स्कोरर बनने के बाद मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरी यात्रा इतनी शानदार होगी. जेम्स मिल्नर को प्रीमियर लीग इतिहास के सबसे भरोसेमंद और बहुमुखी खिलाड़ियों में गिना जाता है. उनका करियर इंग्लिश फुटबॉल के सबसे सफल और लंबे करियरों में से एक माना जाएगा.

भारत में जी नेटवर्क दिखाएगा फीफा विश्व कप के मुकाबले, जी5 पर होगी लाइव स्ट्रीमिंग

नयी दिल्ली: फुटबॉल प्रेमियों के लिए बड़ी खबर है. फीफा विश्व कप 2026 का प्रसारण भारत में ज़ी नेटवर्क करेगा. ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने टूर्नामेंट के प्रसारण और डिजिटल स्ट्रीमिंग अधिकार हासिल करने की घोषणा की है. समझौते के तहत विश्व कप के मुकाबलों का सीधा प्रसारण ज़ी समूह के हाल ही में शुरू किए गए चार नए खेल चैनलों पर किया जाएगा, जबकि ज़ी5 पर सभी मैचों की लाइव स्ट्रीमिंग उपलब्ध रहेगी. यह घोषणा टूर्नामेंट के शुरू होने से करीब दो सप्ताह पहले की गई है. 11 जून से 19 जुलाई तक आयोजित होने वाला यह विश्व कप अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा. ज़ी समूह इससे पहले आई-लीग और उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग जैसे खेल आयोजनों का प्रसारण कर चुका है. इसी महीने कंपनी ने अपने यूनाइटेड 8 समूह के तहत चार नए खेल चैनल भी लॉन्च किए थे और इसके बाद फीफा के साथ अधिकारों को लेकर बातचीत शुरू हुई थी. ज़ी एंटरटेनमेंट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पुनीत गोयनका ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान में कहा, हम दुनिया के सबसे बड़े खेल आयोजनों में से एक को भारतीय दर्शकों तक पहुंचाने के लिए उत्साहित हैं. फुटबॉल क्षेत्र और भाषा की सीमाओं से परे लोगों को जोड़ता है. प्रसारण अधिकार हासिल करने और नए खेल चैनल शुरू करने का फैसला इस खेल की दीर्घकालिक संभावनाओं पर हमारे भरोसे को दर्शाता है. हालांकि प्रसारण सौदे की आधिकारिक राशि सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन रिपोर्टों के अनुसार यह सौदा 30 से 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 320 करोड़ रुपये) के बीच हुआ है. फीफा विश्व कप 2026 टूर्नामेंट के इतिहास का सबसे बड़ा संस्करण होगा. इसमें 48 टीमें हिस्सा लेंगी और कुल 104 मैच खेले जाएंगे. हालांकि भारतीय समयानुसार कई मुकाबले देर रात और आधी रात के बाद शुरू होने के कारण शुरुआत में मीडिया कंपनियों की दिलचस्पी सीमित रही. बताया जा रहा है कि फीफा ने शुरुआत में भारत के लिए प्रसारण अधिकारों की कीमत लगभग 100 मिलियन डॉलर रखी थी, लेकिन कम मांग को देखते हुए इसे घटाकर करीब 35 मिलियन डॉलर कर दिया गया. देर रात मैचों के समय और फुटबॉल स्ट्रीमिंग में घटती रुचि के कारण पहले सोनी ने दूरी बना ली, जबकि पिछला विश्व कप दिखाने वाले जियोस्टार ने भी अधिकारों का मूल्यांकन लगभग 20 मिलियन डॉलर तक ही किया था.

आत्मविश्वास से लबरेज सात्विक-चिराग की नजरें इंडोनेशिया में जीत के साथ लगातार दूसरे खिताब पर

जकार्ता: सिंगापुर ओपन में लंबे समय से चले आ रहे खिताबी इंतजार को समाप्त करने के बाद आत्मविश्वास से भरपूर भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी अब मंगलवार से शुरू हो रहे थाईलैंड ओपन सुपर 1000 में लगातार दूसरा खिताब जीतने के इरादे से कोर्ट पर उतरेगी. पूर्व विश्व नंबर एक भारतीय जोड़ी को प्रतियोगिता में चौथी वरीयता मिली है. अपने पहले मुकाबले में उनका सामना मलेशिया के कांग खाई शिंग और आरोन ताई की जोड़ी से होगा. सात्विक और चिराग ने एक गेम से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिकरीको पुरुष युगल फाइनल में हराकर अपना पहला सिंगापुर ओपन खिताब जीता था. यह जीत भारतीय जोड़ी के लिए इसलिए भी ऐतिहासिक रही क्योंकि वे सिंगापुर ओपन में युगल वर्ग का खिताब जीतने वाले पहले

भारतीय बने. उल्लेखनीय है कि सिंगापुर ओपन से पहले उनका पिछला खिताब 2024 का थाईलैंड ओपन ही था. इसके बाद वे चार बार फाइनल में पहुंचे, लेकिन हर बार उपविजेता रहना पड़ा. पुरुष युगल में भारत की दूसरी जोड़ी एमआर अर्जुन और हरिहरन अम्साकरूणान का मुकाबला मलेशिया के नूर मोहद अजरीन आयुब अजरीन और तान वी कियोंग से होगा. यदि दोनों भारतीय जोड़ियां अपने-अपने शुरुआती मुकाबले जीतती हैं तो दूसरे दौर में आमने-सामने हो सकती हैं. महिला एकल में भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधू अपने अभियान की शुरुआत थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान के खिलाफ करेंगी. सिंधू सिंगापुर ओपन में क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थीं. अन्य भारतीय खिलाड़ियों में मालविका बंसोड़ का सामना थाईलैंड की सातवीं वरीय पोर्नपावी चोचुवोंग से होगा, जबकि उन्नति हुड्डा को पहले ही दौर में जापान की विश्व नंबर 12 नोजोमि ओकुहारा जैसी मजबूत प्रतिद्वंद्वी मिली हैं. लक्ष्य सेन पुरुष एकल में अपने पहले मुकाबले में इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से भिड़ेंगे. वहीं किदांबी श्रीकांत का सामना जापान के युशी तनाका से होगा. अन्य भारतीय खिलाड़ियों में आयुष शेट्टी का मुकाबला चीन के वेंग होंग यांग से होगा, जबकि एचएस प्रणय आयरलैंड के एनट के खिलाफ चुनौती पेश करेंगे. मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो के साथ रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गदे भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे. महिला युगल में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद भारत की एकमात्र जोड़ी पहले दौर में इंडोनेशिया की फेब्रियाना द्विपुजी कुसुमा और मेलिसा ट्रियास पुस्पितासारी के खिलाफ अभियान शुरू करेगी.

भारतीय महिला कुश्ती टीम में सभी छह पहलवान हरियाणा की

चंडीगढ़ : हरियाणा के लिए यह गर्व की बात है कि एशियन गेम्स 2026 के लिए चुनी गई भारतीय महिला कुश्ती टीम की सभी छह पहलवान हरियाणा की बेटियां हैं. प्रदेश के खेल मंत्री गौरव गौतम ने सोमवार को चंडीगढ़ में यह जानकारी देते हुए बताया कि यह उपलब्धि प्रदेश की खेल संस्कृति और प्रतिभा का प्रमाण है, बल्कि देशभर में हरियाणा की खेलों में अग्रणी पहचान को भी मजबूत करती है. गौरव गौतम ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाणा के खेल मंत्री होने के नाते यह उनके लिए विशेष गर्व का विषय है. उन्होंने कहा कि सरकार खिलाडियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक खेल सुविधाएं, उत्कृष्ट प्रशिक्षक तथा आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है. खेल मंत्री ने चयनित खिलाड़ियों की सूची जारी करते हुए बताया कि एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय महिला कुश्ती टीम के 50 किलो ग्राम भार वर्ग में दीपांशी राठी, 53 किग्रा में अंतिम पंघाल, 57 किग्रा में मनीषा भनवाला, 62 किग्रा में मानसी अहलावत, 68 किग्रा में निशा दहिया, 76 किग्रा में प्रिया मलिक का चयन किया गया है. गौरव गौतम ने कहा कि खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत, लगन और अनुशासन के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है, जो पूरे देश और प्रदेश के लिए गर्व का विषय है. उन्होंने विश्वास जताया कि भारतीय खिलाड़ी एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करेंगे. उन्होंने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य और प्रतियोगिता में स्वर्णिम सफलता की कामना करते हुए कहा कि पूरा देश उनकी उपलब्धियों का बेसब्री से इंतजार कर रहा है.

सूर्यवंशी को जल्द से जल्द राष्ट्रीय टीम में शामिल किया जाए : मदन लाल

नयी दिल्ली: विश्व कप 1983 विजेता मदन लाल का कहना है कि युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी के पास सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और सुनील गावस्कर जैसी प्रतिभा और सोच है और वह चाहते हैं कि इस 15 साल के खिलाड़ी को जल्द से जल्द राष्ट्रीय टीम में शामिल किया जाए. हालांकि लाल ने कहा कि अगर सूर्यवंशी को तेंदुलकर जैसे दिग्गजों की श्रेणी में शामिल होना है तो उन्हें टेस्ट क्रिकेट में भी खुद को साबित करना होगा. मदन लाल ने सोमवार को कहा, ''वह (सूर्यवंशी) बहुत प्रतिभाशाली है. सच में उसके पास सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, कपिल देव और सुनील गावस्कर जैसी भगवान की दी हुई प्रतिभा और सोच है.'' इस पूर्व आल राउंडर ने कहा, ''ऐसे खिलाड़ी सदी में एक बार आते हैं. लेकिन उनकी तरह महान बनने के लिए, उसे टेस्ट क्रिकेट में भी खुद को साबित करना होगा. आयरलैंड के खिलाफ, भारत ए और तीन दिवसीय मैचों में खेलने से वह भारतीय क्रिकेट के मुख्य ढांचे में अच्छी तरह से ढल जाएगा.'' सूर्यवंशी को अभी-अभी खत्म हुए आईपीएल में 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर' चुना गया. वह बल्लेबाजी सूची में सबसे ऊपर रहे, उन्होंने 16 पारियों में 48.50 की औसत और 237.30 के शानदार स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए. उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक लगाकर 'ऑरेंज कैप' जीती. उन्होंने वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के एक सत्र में सबसे ज्यादा छक्के (59) लगाने के पिछले आईपीएल रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया क्योंकि उन्होंने आईपीएल 2026 में 72 छक्के जड़े. लाल ने कहा कि टी20 अंतरराष्ट्रीय में सूर्यवंशी भारत के मौजूदा शीर्ष तीन बल्लेबाजों की तरह ही बेहतरीन हैं. उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें डर है कि 'सूर्यवंशी की वजह से कुछ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को टीम से बाहर किया जा सकता है.' उन्होंने कहा, ''सूर्यवंशी भी अभिषेक, संजू और ईशान जितने ही बेहतरीन हैं. लेकिन ये खिलाड़ी खुद को साबित कर चुके हैं जबकि सूर्यवंशी को अभी उस स्तर पर खुद को साबित करना बाकी है.'' भारत के पूर्व कोच रह चुके लाल ने कहा, ''कोई भी सूर्यवंशी जैसी बल्लेबाजी नहीं कर सकता. जिस तरह का खेल उन्होंने दुनिया को दिखाया है, वह अविश्वसनीय है. हर कोच चाहेगा कि वह खेले, लेकिन टीम का संतुलन भी देखना पड़ता है. उसे बाहर नहीं बैठना चाहिए, वरना उसका आत्मविश्वास कम हो जाएगा. उसे किसी भी चीज से बचाने का तो कोई सवाल ही नहीं है.''

अगर भुवनेश्वर दबाव में अच्छा प्रदर्शन नहीं करते, तो आरसीबी को सफलता नहीं मिलती : फ्लावर

मुंबई: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने सोमवार को कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दो सत्र में लगातार दो बार खिताब जीतने में भुवनेश्वर कुमार की दबाव में अच्छा प्रदर्शन करने की काबिलियत काफी अहम रही है. आरसीबी ने रविवार को आईपीएल 2026 के एकतरफा फाइनल में पांच विकेट से जीत दर्ज करके लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया. फ्लावर ने कहा कि 36 साल के इस भारतीय तेज गेंदबाज ने दूसरे अनुभवी सीनियर खिलाड़ियों के साथ मिलकर इस जीत में अहम भूमिका निभाई है. 2025 के सत्र में 17 विकेट लेने के बाद भुवनेश्वर ने आईपीएल 2026 में 28 विकेट लिए जो 'पर्पल कैप' जीतने वाले गुजरात टाइटन्स के कागिसो रबाडा से सिर्फ एक विकेट कम थे. आरसीबी की तरफ से आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में फ्लावर ने कहा, ''भुवी पिछले दो सत्र में जबरदस्त रहे हैं. यह कहा जा सकता है कि अगर वह सत्र में बार-बार दबाव में वैसा प्रदर्शन नहीं करते जैसा उन्होंने किया है तो हमें पिछले दो सत्र में बिल्कुल भी सफलता नहीं मिलती.''

एशियाई खेलों से पहले टॉप्स विकास समूह में 22 नौकायन खिलाड़ी शामिल

नयी दिल्ली: जापान के आइची-नागोया में सितंबर-अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारियों के मद्देनजर नौकायन (रोइंग) के 22 खिलाड़ियों को सोमवार को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजन (टॉप्स) के विकास समूह में शामिल किया गया. यह फैसला मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की 174वीं बैठक में लिया गया. भारतीय नौकायन संघ (आरएफआई) द्वारा वार्षिक राष्ट्रीय चयन ट्रायल और विभिन्न नौकाओं के लिए दलों को अंतिम रूप दिए जाने के बाद खिलाड़ियों की सूची जारी की गई. विकास समूह में शामिल प्रमुख खिलाड़ियों में पेरिस ओलंपिक 2024 में हिस्सा लेने वाले बलराज पंवार, 2022 एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता अरविंद सिंह और दो पदक जीत चुके जसविंदर सिंह शामिल हैं. एमओसी की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया, कुल 22 खिलाड़ियों को छह विभिन्न नौका वर्गों में टॉप्स विकास समूह में शामिल किया गया है. यह दल अब एशियाई खेलों और विश्व कप सर्किट समेत प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी करेगा.'' विज्ञप्ति के अनुसार अधिकांश

खिलाड़ियों को 2026 एशियाई खेल चक्र को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है, जबकि कुछ दल भारत की दीर्घकालिक अंतरराष्ट्रीय विकास योजना का हिस्सा हैं, जिसका लक्ष्य 2030 राष्ट्रमंडल खेलों जैसी भविष्य की प्रतियोगिताएं हैं. नौकायन 1986 से राष्ट्रमंडल खेलों का हिस्सा नहीं है लेकिन 2030 में अहमदाबाद में आयोजित होने वाले खेलों इसकी वापसी की संभावना है. एमओसी ने कहा, कई भारतीय नौकायन खिलाड़ियों को टॉप्स विकास समूह में शामिल करना केवल पदक संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय विभिन्न नौका वर्गों में मजबूत और टिकाऊ बेंच स्ट्रेंथ तैयार करने की दिशा में एक और प्रयास है.

टॉप्स विकास समूह में शामिल नौकायन खिलाड़ी : (पुरुष सिंगल स्कल्स) : अरविंद सिंह. **(पुरुष डबल स्कल्स) :** नवदीप सिंह, कुलविंदर सिंह. **(पुरुष क्वाड्रुपल स्कल्स) :** बलराज पंवार, सतनाम सिंह, जकर खान, सलमान खान. **(लाइटवेट पुरुष डबल स्कल्स) :** लक्ष्य, उज्ज्वल कुमार सिंह. **(पुरुष कॉक्स्ड एट) :** जसविंदर सिंह, नितिन कुमार, बाबूलाल यादव, योगेश कुमार, घुर्डे विपुल सतीश, सौरव कुमार, इकबाल सिंह, सन्नी कुमार और धनंजय उत्तम पांडे. **(महिला कॉक्सलेस फोर) :** गुरबानी कौर, पूनम, टेंडेंथोई और अलीना एंटो.

आईसीसी ने खराब रोशनी से निपटने के लिए टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल को दी मंजूरी

अहमदाबाद: अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बोर्ड ने खराब रोशनी के कारण खेल प्रभावित होने की स्थिति में टेस्ट मैचों में परीक्षण के आधार पर गुलाबी गेंद के इस्तेमाल और 'ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मुख्य कोच को मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से चर्चा करने की अनुमति देने जैसे कई महत्वपूर्ण बदलावों को अपनी वार्षिक बैठक में मंजूरी दे दी. अहमदाबाद में आयोजित दो दिवसीय बैठक में आईसीसी बोर्ड ने भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं के आरोपों के चलते क्रिकेट कनाडा की सदस्यता तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का भी फैसला किया. इसके साथ ही बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चुनावों की निगरानी के लिए आईसीसी के वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है. आईसीसी के बयान के अनुसार, ''दोनों टीमों की पूर्व सहमति से टेस्ट मैचों में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का परीक्षण किया जाएगा, ताकि खराब रोशनी की आशंका होने पर अधिक से अधिक खेल संभव हो सके.'' समझा जाता है कि मैच की शुरुआत पारंपरिक लाल गेंद से होगी, लेकिन यदि रोशनी कम हो जाती है तो फ्लडलाइट्स की मदद से गुलाबी गेंद का इस्तेमाल कर उन ओवरों को पूरा कराया जा सकेगा जो कम रोशनी के कारण प्रभावित होने वाली होंगी. मौजूदा नियमों के तहत एक दिन में 90 ओवर फेंके जाते हैं. उदाहरण के तौर पर अगर 75 ओवर लाल गेंद से खेले जाने के बाद रोशनी कम हो जाए और 15 ओवर बाकी हों, तो दोनों टीमों की पूर्व सहमति होने पर उन ओवरों को दुधिया रोशनी में गुलाबी गेंद से पूरा कराया जा सकेगा. यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय टीम इस व्यवस्था को स्वीकार करती है या नहीं. भारतीय खिलाड़ी घरेलू परिस्थितियों में गुलाबी गेंद से टेस्ट खेलने को लेकर पहले भी अनिच्छा जता चुके हैं. गुलाबी गेंद से

सीम मूवमेंट अधिक मिलने के कारण मैच का रुख बदल सकता है. आईसीसी बोर्ड ने खराब रोशनी के कारण खेल का नुकसान कम करने के लिए मैच अधिकारियों और मैदानों में प्रकाश व्यवस्था से जुड़ी नई तकनीकों पर शोध को भी मंजूरी दी है. इस अनुसंधान एवं विकास परियोजना को आईसीसी और मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) संयुक्त रूप से वित्तपोषित करेंगे. आईसीसी ने खेल नियमों में संशोधन करते हुए मुख्य कोच या उनके प्रतिनिधियों को निर्धारित 'ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से रणनीतिक चर्चा करने की अनुमति दे दी है. टी20 क्रिकेट में रणनीतिक टाइम आउट के दौरान कोचिंग स्टाफ के मैदान पर आने की व्यवस्था पहले से लागू है और अब इसी तरह की सुविधा टेस्ट क्रिकेट में भी उपलब्ध होगी. इसके अलावा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 15 मिनट के अनिवार्य अंतराल तथा खेल दोबारा शुरू होने पर बल्लेबाजों के तैयार रहने से जुड़े नियमों को भी मंजूरी दी गई है. अवैध गेंदबाजी एक्शन (चकिंग) पर प्रभावी निगरानी के लिए अब मैदानी अंपायरों को हॉक-आई डेटा तक पहुंच दी जाएगी. नये नियम के मुताबिक, ''पायर किसी गेंदबाज के एक्शन की रिपोर्ट करने पर विचार करते समय हॉक-आई आंकड़ों का उपयोग कर सकेंगे.'' आईसीसी बोर्ड ने लेग साइड वाइड से जुड़े परीक्षण नियम को स्थायी रूप से अपनाने की भी मंजूरी दे दी है. सभी नए खेल नियम एक अक्टूबर 2026 से लागू होंगे. आईसीसी बोर्ड ने सदस्यता संबंधी दायित्वों के गंभीर उल्लंघन के कारण क्रिकेट कनाडा को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का निर्णय लिया. कनाडा की राष्ट्रीय टीमों को आईसीसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति बनी रहेगी. खिलाड़ियों के हितों की रक्षा और राष्ट्रीय टीमों के विकास को ध्यान में रखते हुए आईसीसी की निगरानी में नियंत्रित वित्तीय व्यवस्था के तहत क्रिकेट कनाडा को स्वीकृत राष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिए धन उपलब्ध कराया जाएगा. आईसीसी क्रिकेट कनाडा को सदस्यता बहाली के लिए आवश्यक शर्तों की सूची भी सौंपेगा. इन शर्तों के अनुपालन की निगरानी आईसीसी नॉर्मलाइजेशन कमेटी करेगी. आईसीसी बोर्ड ने महिला चैंपियंस ट्रॉफी 2027 की समय-सारिणी में बदलाव को मंजूरी दी है. अब यह टूर्नामेंट जून-जुलाई के बजाय 14 से 28 फरवरी 2027 के बीच आयोजित किया जाएगा. इसके अलावा आईसीसी ने महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2026 के आयोजन को भी मंजूरी दी. इस 10 टीमों के टूर्नामेंट में पांच पूर्ण सदस्य और पांच एसोसिएट सदस्य देश हिस्सा लेंगे. टीमों का चयन रैंकिंग और महिला टी20 विश्व कप क्वालीफिकेशन प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा.

न्यूज कॉर्नर

इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद युवती को बनाया फ्रॉड का शिकार : 16.30 लाख ऐंठे

जोधपुरः शहर के भगत की कोठी एरिया में रहने वाली एक युवती को इंस्टाग्राम पर युवक से दोस्ती करना भारी पड़ गया. युवक ने उसे ऑनलाइन इंवेस्टमेंट का झांसा देकर फांस लिया और फिर 16.30 लाख रूपए ऐंठ लिए. पीड़िता ने अपने घर में रखे मां के गहने तक बेच डाले. बाद में परिवार को गहनों की जरूरत पड़ी तब इसका खुलासा हुआ. अब पीड़िता की तरफ से भगत की कोठी थाने में फ्रॉड का केस दर्ज कराया गया है.थानाधिकारी सुरेश कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र रहने वाली एक युवती ने यह रिपोर्ट दी है. उसका कहना है कि वर्ष 2022 में उसकी दोस्ती इंस्टाग्राम पर नरेंद्र जांगिड़ नाम के शख्स के साथ हुई थी. बाद में वह दोस्ती के बहाने से उसे बताया कि वह ऑनलाइन इंवेस्टमेंट का काम करता है. यदि वह ऑनलाइन रूपए लगाती है तो उसे काफी बड़ा मुनाफा दिलाएगा. इस पर पीड़िता उसके झांसे आ गई.नरेंद्र जांगिड़ ने युवती के दो तीन बैंक एकाउंट तक खुलवा दिए. फिर उससे रूपए लेता गया और अपना शिकार बनाता गया. बाद में नरेंद्र जांगिड़ ने उसे ब्लैकमेल करने लगा कि उसके खाते से मिल रही रकम के कारण वह साइबर फ्रॉड केस में फंस सकती है और वह उसे बचाने के नाम पर पैसे मांगता गया. आरोपी नरेंद्र जांगिड़ ने किसी प्रमोद शर्मा नाम के शख्स का भी सहारा लिया. वह खुद प्रमोद शर्मा बनकर बात करता या वह कोई और है इस बारे में पता लगाया जा रहा है. थानाधिकारी सुरेश कुमार के अनुसार युवती ने साइबर केस में फंसने के डर के मारे अपनी मां के गहनों को बेचती गई और इस तरह नरेंद्र जांगिड़ को 16 लाख 30 हजार रूपए दे दिए. पीड़िता की तरफ से दर्ज कराई रिपोर्ट पर अब जांच की जा रही है.

टेक्सटाइल फैक्ट्रियों को बंद करने पर श्रमिकों का प्रदर्शन

जोधपुरः सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद टेक्सटाइल फैक्ट्रियों को बंद किए जाने पर श्रमिकों ने आज कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया और जिला कलेक्टर के मार्फत मुख्यमंत्री को बंद टेक्सटाइल फैक्ट्रियों को वापस शुरू करने की मांग को लेकर एक ज्ञापन प्रेषित किया.ज्ञापन में बताया गया कि जोधपुर का टेक्सटाइल उद्योग वर्तमान में पूर्णत: बंद है, जिससे इस उद्योग से जुड़े लाखों लोगों के समक्ष आजीविका का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है. टेक्सटाइल उद्योग जोधपुर की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण आधार है तथा इससे प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लगभग सात लाख से अधिक परिवारों का जीवनयापन जुड़ा हुआ है.वर्तमान परिस्थितियों में सभी टेक्सटाइल इकाइयां बंद हैं. ऐसी स्थिति में यदि किसी क्षेत्र में रंगयुक्त अथवा प्रदूषित पानी मिलने की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, तो उसके वास्तविक स्रोत की निष्पक्ष एवं वैज्ञानिक जांच करवाना अत्यंत आवश्यक है. जब उद्योग की सभी इकाइयों बंद हैं, तब बिना पर्याप्त जांच के सम्पूर्ण टेक्सटाइल उद्योग को इसके लिए जिम्मेदार ठहराना न्यायसंगत नहीं होगा.उद्योग बंद होने के कारण हजारों मजदूर, कर्मचारी, कारीगर, ट्रांसपोर्टर, छोटे व्यापारी एवं उनसे जुड़े अन्य व्यवसाय आर्थिक रूप से प्रभावित हो रहे हैं. अनेक परिवारों के सामने रोजगार एवं दैनिक जीवन-यापन की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है. इसके अतिरिक्त उद्योग बंद रहने से जोधपुर के निर्यात कारोबार, स्थानीय व्यापार तथा सरकारी राजस्व पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है. ज्ञापन में बताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने अपने विभिन्न आदेशों में एसटीपी एवं सीईटीपी दोनों के उपचारित जल के पुन: उपयोग पर बल दिया है, न कि केवल सीईटीपी के जल के पुन: उपयोग पर.वर्तमान में प्रशासन द्वारा केवल सीईटीपी से जुड़े उद्योगों पर दबाव बनाया जा रहा है, जबकि एसटीपी का उपचारित एवं अनुपचारित जल, जो जोजरी नदी में प्रवाहित होकर जलभराव एवं प्रदूषण का प्रमुख कारण है, उस पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है.

मंडोर उद्यान में टॉय ट्रेन से गिरी की मासूम की मौत, युवती गंभीर घायल

जोधपुरः मंडोर गार्डन से एक बेहद हृदयविदारक खबर सामने आई है. यहां अपने माता-पिता के साथ घूमने आई पांच साल की एक मासूम बच्ची की टॉय ट्रेन से नीचे गिरने से दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवती गंभीर रूप से घायल हो गई. घटना से गुस्साए बच्ची के परिजनों और समाज के लोगों ने आज कार्रवाई की मांग को लेकर अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरना-प्रदर्शन किया. पुलिस के अनुसार बंबा निवासी मोहम्मद हबीब अपने परिवार के साथ रविवार शाम को मंडोर उद्यान घूमने गया था. वहां वह टॉय ट्रेन में परिवार सहित बैठा था. इस दौरान ड्राइवर ट्रेन को बेहद तेज गति से चला रहा था और इसी दौरान उसने अचानक बेहद ब्रेक लगा दिया. ब्रेक का झटका इतना तेज था कि ट्रेन में बैठी मोहम्मद हबीब की पांच साल की मासूम बच्ची उछलकर बाहर जा गिरी. इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, बच्ची टॉय ट्रेन के चक्कों के नीचे आ गई. इसके साथ ही मुस्कान नामक एक अन्य युवती भी घायल हो गई. उन्हें घायलावस्था में मथुरादास माथुर अस्पताल ले जाया गया, जहां बच्ची को मृत घोषित कर दिया गया.वहीं घायल युवती का फिलहाल इलाज चल रहा है. इस घोर लापरवाही को लेकर मृतका के पिता ने स्थानीय पुलिस थाने में टॉय ट्रेन ड्राइवर के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है.परिजनों का आरोप है कि ड्राइवर की लापरवाही और तेज गति से ट्रेन चलाने के कारण ही उनकी बेटी की जान गई है और एक अन्य युवती अस्पताल पहुंच गई.

कार-ट्रक भिड़ंत में हीरा व्यापारी समेत दो की मौत

प्रतापगढ़ः चित्तौड़गढ़-बांसवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-56) पर सोमवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में मुंबई के एक हीरा व्यापारी समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यापारी गंभीर रूप से घायल हो गया. हादसा प्रतापगढ़ जिले के सुहागपुरा थाना क्षेत्र में पाडलिया जीएसएस के समीप अलसुबह करीब पांच बजे हुआ.पुलिस के अनुसार निर्माण कार्यों में प्रयुक्त एक मिक्सर ट्रक प्रतापगढ़ से बांसवाड़ा की ओर जा रहा था, जबकि मुंबई से आ रही कार बांसवाड़ा की दिशा में बढ़ रही थी. इसी दौरान दोनों वाहनों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई. टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक कार को घसीटते हुए सड़क किनारे लगभग 150 फीट गहरी खाई में जा गिरा. हादसे में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. कार में चालक भावेश (35), मुंबई निवासी हीरा व्यापारी राजकुमार मूणत (42) तथा उनके मित्र घनश्याम पटेल (50) सवार थे. दुर्घटना में घनश्याम पटेल की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल चालक भावेश और राजकुमार मूणत को ग्रामीणों की सहायता से बाहर निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया गया. उपचार के दौरान चालक भावेश ने भी दम तोड़ दिया. राजकुमार मूणत का अस्पताल में उपचार जारी है.हादसे के बाद खाई में गिरी कार में सवार लोग बुरी तरह फंस गए थे. चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया. घायल राजकुमार मूणत ने बताया कि वे और उनके मित्र घनश्याम पटेल मुंबई में हीरों का कारोबार करते हैं. प्रतापगढ़ जिले के निनौर गांव स्थित पुश्तैनी जमीन से जुड़े पारिवारिक विवाद के सिलसिले में वे मुंबई से अपने गांव आ रहे थे, लेकिन घर पहुंचने से पहले ही यह दुर्घटना हो गई.सुहागपुरा थानाधिकारी मनीष कुमार वैष्णव के अनुसार फरार ट्रक चालक की तलाश के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया है. दोनों शवों को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है.

बीच सड़क पर दो पक्षों में खूनी झड़प

गुरुग्रामः सेक्टर-37 क्षेत्र में स्थित वोल्वो शोरूम के पास सोमवार को मामूली बात को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई. देखते ही देखते कहासुनी ने इतना गंभीर रूप ले लिया कि दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला शुरू कर दिया. सड़क के बीच हुई इस मारपीट से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शुरुआत में दोनों पक्षों के बीच किसी बात को लेकर बहस और गाली-गलौज हुई. कुछ ही देर में विवाद बढ़ गया और दोनों गुटों के युवक गाड़ियों तथा आसपास से डंडे निकालकर एक-दूसरे पर टूट पड़े. सड़क पर खुलेआम चल रही इस मारपीट के कारण यातायात भी प्रभावित हुआ. कई लोगों ने अपनी गाड़ियां रोककर घटनाक्रम देखा, जबकि कुछ लोगों ने बीच-बचाव का प्रयास भी किया, लेकिन गुस्साए युवक किसी की बात सुनने को तैयार नहीं थे.किसी व्यक्ति ने घटना का वीडियो अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया जो बाद में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया. वायरल वीडियो में दोनों पक्षों के युवक एक-दूसरे पर डंडों से हमला करते हुए दिखाई दे रहे हैं. सूचना मिलने पर सेक्टर-37 थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची. पुलिस को आता देख अधिकांश युवक मौके से फरार हो गए.पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और दोनों पक्षों को खदेड़कर मामला शांत कराया. पुलिस अधिकारियों के अनुसार झड़प में कुछ लोगों को मामूली चोटें आई हैं.

एआई सैंडबॉक्स के माध्यम से अंत्योदय की दिशा में बढ़ेगा हरियाणा: नायब सैनी

गुरुग्रामः मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि एआई टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म शासन, विकास व नवाचार की यात्रा में मील का पत्थर साबित होगा. एआई सैंडबॉक्स के माध्यम से अंत्योदय की दिशा में हरियाणा प्रदेश और तीव्र गति से आगे बढ़ेगा. मुख्यमंत्री सोमवार को गुरुग्राम ताज होटल सभागार में आधुनिकतम तकनीक पर केंद्रित एआई सैंडबॉक्स के लोकार्पण उपरांत उपस्थित युवाओं को सम्बोधित कर रहे थे.

मुख्यमंत्री ने कहा कि एआई सुशासन व एआई अंत्योदय के साथ एआई हरियाणा की इस यात्रा में सहभागी बनते हुए सभी ने मिलकर आधुनिक स्वरूप के साथ विकसित भारत के सपने को साकार करना है. उन्होंने कहा कि हरियाणा एआई सैंडबॉक्स का निर्माण भी इसी सोच और दृष्टिकोण के साथ किया गया है. इस मंच पर विभिन्न विभाग अपनी वास्तविक चुनौतियों और समस्याओं को लेकर आएंगे, जबकि नवाचार उद्यमी, शोधकर्ता, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ तथा तकनीकी कंपनियां उनके समाधान प्रस्तुत करेंगी. नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत-2047' के संकल्प को साकार करने की यात्रा में हरियाणा

एक सशक्त और अथक विकास इंजन के रूप में अपनी भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है. उन्होंने कहा कि सरकार के लिए कोई आवेदन केवल एक फाइल या प्रक्रिया नहीं होता, बल्कि उसके पीछे किसी परिवार की आशाएं, अपेक्षाएं और बेहतर भविष्य का सपना जुड़ा होता है. इसलिए राज्य सरकार का निरंतर प्रयास है कि शासन व्यवस्था अधिक संवेदनशील, जनोन्मुखी, पारदर्शी और जवाबदेह बने.

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) चर्चा का प्रमुख विषय है, लेकिन हरियाणा के लिए यह केवल एक प्रचलित शब्द या आधुनिक तकनीकी अवधारणा नहीं है. राज्य सरकार के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का अर्थ 'अंत्योदय के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता' है. नायब सैनी ने कहा कि एआई तकनीक का उद्देश्य आम नागरिकों के जीवन को सरल और सुविधाजनक बनाना है. उन्होंने कहा कि 'म्हारी सड़क' एप के माध्यम से यदि तस्वीर और स्थान की जानकारी के आधार पर क्षतिग्रस्त सड़कों की पहचान हो जाए, तो मरम्मत कार्य तेजी से किया जा सकेगा. शिक्षा क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से शिक्षकों की आवश्यकता, कमी और बेहतर तैनाती की योजना बनाई जा सकेगी, जिससे विद्यार्थियों को सीधा लाभ मिलेगा. इस अवसर पर मंत्री राव नरबीर सिंह, मुख्यमंत्री के ओएसडी डॉ.राज नेहरू, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, आयुक्त एवं सचिव , हार्ट्रॉन के प्रबंध निदेशक डॉ. जे. गणेशन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे.

महंगाई के खिलाफ इनेलो ने कैथल में किया मटका तोड़ प्रदर्शन

कैथलः पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की लगातार बढ़ती कीमतों के विरोध में इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) ने सोमवार को कैथल में प्रदर्शन किया. प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा के नेतृत्व में हुए इस विरोध प्रदर्शन में हजारों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, किसान, मजदूर, महिलाएं और युवा शामिल हुए. कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अनिल तंवर क्योड़क ने की.प्रदर्शन की शुरुआत जवाहर पार्क से हुई, जो शहर की मुख्य सड़कों से होता हुआ पिहोवा चौक पहुंचा. यहां महिलाओं ने सरकार विरोधी नारे लगाते हुए प्रतीकात्मक रूप से मटके फोड़े और महंगाई के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया. इसके बाद प्रदर्शनकारी लघु सचिवालय पहुंचे, जहां प्रधानमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया.प्रदर्शन को संबोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश में महंगाई लगातार बढ़ रही है, लेकिन सरकार इसे नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल रही है. पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के दाम आसमान छू रहे हैं, जिससे आम आदमी का जीवन मुश्किल हो गया है. जिलाध्यक्ष अनिल तंवर ने कहा कि महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है और हर घर का बजट बिगड़ चुका है. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द ही कीमतों पर नियंत्रण नहीं किया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा. प्रदर्शन में अनिल तंवर क्योड़क, रामेश्वर पहलवान समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे.

युवा जैसा सोचता है, वैसा ही बन जाता है- अर्जुनराम मेघवाल

अजमेरः केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि युवा जैसा सोचता है, अंततः वैसा ही बन जाता है. सकारात्मक विचार, अनुशासन और श्रेष्ठ संगति ही सफलता की वास्तविक कुंजी हैं. उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे बड़े सपने देखें, उन्हें साकार करने के लिए कठिन परिश्रम करें तथा स्वामी विवेकानंद और डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जैसे महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा ग्रहण करें. मेघवाल अजमेर के जवाहर रंगमंच में आयोजित 'विलक्षण प्रतिभा सम्मान समारोह' को संबोधित कर रहे थे.

अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल एवं पहल जन सेवा संस्थान के तत्वावधान में आयोजित समारोह में राज्य एवं केंद्रीय शिक्षा बोर्डों की 12वीं कक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 520 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया. समारोह में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे.

मेघवाल ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है. सकारात्मक सोच व्यक्ति को श्रेष्ठता की ओर ले जाती है, जबकि नकारात्मकता निराशा को जन्म देती है. उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी क्षमता पर विश्वास रखने, अच्छे लोगों की संगति अपनाने तथा भारतीय जीवन मूल्यों को आत्मसात करने का आह्वान किया. पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए उन्होंने स्वयं नियमित रूप से साइकिल चलाने की बात कही तथा प्रकृति के निकट रहने को तनावमुक्त जीवन का आधार बताया.

राजस्थान में ग्रामीण सड़क नेटवर्क होगा मजबूत, 79 ग्रामीण सड़कों की दी मंजूरी

जयपुरः सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा प्रदेश के सड़क तंत्र को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है. उप मुख्यमंत्री ने वर्ष 2026-27 की बजट घोषणा की क्रियान्विति कर प्रदेश में 79 ग्रामीण

सड़क निर्माण कार्यों को सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की है. इनकी कुल अनुमानित लागत 68.30 करोड़ रुपए है.सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा जारी इन स्वीकृतियों के तहत पांच विधानसभा क्षेत्रों में कुल 151.75 किलोमीटर लंबाई की सड़कों के निर्माण एवं विकास कार्य किए जाएंगे. उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि प्रदेश में अवसंरचना विकास सर्वोच्च प्राथमिकता पर है

सडक निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी सुदृढ़ होगी और लोगो को सरकारी योजनाओं का बेहतर लाभ मिलेगा .झालावाड़ जिले के झालरापाटन विधानसभा क्षेत्र में 30 करोड़ रुपये की लागत से 51.05 किमी लंबाई की 21 मिसिंग लिंक सड़कों, झुनझुनू जिले के नवलगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 10 करोड़ रुपये की लागत से 31.15 किमी लंबाई की 26 मिसिंग लिंक सड़कों, जोधपुर जिले के भोपालगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 8.30 करोड़ रुपये की लागत से 5 किमी लंबाई की सड़क, अलवर जिले के राजगढ़-लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 10 करोड़ रुपये की लागत से 33.55 किमी लंबाई की 19 विभिन्न सड़कों तथा ब्यावर जिले के जैतारण विधानसभा क्षेत्र में 10 करोड़ रुपये की लागत से 31 किमी लंबाई की 12 विभिन्न सड़कों के निर्माण की मंजूरी उप मुख्यमंत्री ने दी है.

हरियाणा के तीन जिलों में खुलेंगे नए स्वास्थ्य केंद्र, मुख्यमंत्री की मंजूरी

चंडीगढ़ः हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने प्रदेश के तीन अलग-अलग जिलों में नए स्वास्थ्य केंद्र खोलने की प्रशासनिक मंजूरी दे दी है. इस फैसले के तहत गुरुग्राम, भिवानी और हिसार जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों को शामिल किया गया है, जिससे स्थानीय आबादी को सीधे तौर पर आधुनिक चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिल सकेगा.हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने सोमवार को चंडीगढ़ में इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि सरकार के इस निर्णय के अनुसार गुरुग्राम जिला के गांव घामड़ौज में एक नया उप-स्वास्थ्य केंद्र खोला जाएगा, जबकि भिवानी जिला के गांव धनाना तथा हिसार जिला के गांव सिसाय बोला में एक-एक नए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की स्थापना की जाएगी. इन केंद्रों के बनने से आसपास के दर्जनों गांवों की निर्भरता बड़े शहरों के अस्पतालों पर कम होगी.आरती सिंह राव ने बताया कि सरकार का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को छोटी-बड़ी बीमारियों के इलाज या आपातकालीन स्थिति में दूरदराज के चक्कर न काटने पड़ें.

ब्रज भाषा को 8वीं अनुसूची में शामिल करने की मांग

धौलपुरः पूर्वी राजस्थान के आठ जिलों के करीब 16 लाख बच्चों के सामने भाषा की पहचान को लेकर बड़ी चिंता खड़ी हो गई है. राजस्थानी भाषा को पाठ्यक्रमों में शामिल किए जाने की चल रही प्रक्रिया के बीच अब ब्रज क्षेत्र के लोगों ने मोर्चा खोल दिया है. इसी विरोध के तहत सोमवार को धौलपुर जिले के सरमथुरा में सैकड़ों की संख्या में स्थानीय नागरिक और युवा एकत्रित हुए. सभी ने एकजुट होकर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा. जिसमें ब्रज भाषा के अस्तित्व को बचाने और इसे उचित सम्मान देने की मांग की गई है.बसेडी के पूर्व विधायक सुखराम कोली ने बताया कि ब्रज, ढूंढाढ़ी, मारवाड़ी, मेवाती एवं मालवी आदि हिंदी भाषा की ही अंग हैं. किसी एक भाषा को बढ़ावा मिलने से क्षेत्रीय असंतुलन होगा.

डूंगला थाने में मंत्री की कथित गाली-गलौज वाले ऑडियो पर बवाल, कलक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन, बर्खास्तगी की मांग

चित्तौड़गढ़ः बड़ीसादड़ी के डूंगला थाने में सहकारिता मंत्री एवं विधायक गौतम कुमार दक की ओर से पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों से कथित अमर्यादित टिप्पणी और गाली-गलौज का मामला तूल पकड़ता जा रहा है. सोमवार को बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी जिला कलक्ट्रेट पहुंचे. यहां नारेबाजी कर विरोध जताया और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंत्री को पद से हटाने की मांग की. डीजीपी के नाम जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन भी सौंपा गया. इस प्रदर्शन में बड़ीसादड़ी विधानसभा क्षेत्र के अलावा कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी भी मौजूद रहे.

बड़ीसादड़ी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस डूंगला मंडल अध्यक्ष ललित पुष्करणा ने बताया कि क्षेत्र के लोग जिला मुख्यालय पहुंचे और प्रदर्शन किया. इस दौरान मुख्यमंत्री और डीजीपी को ज्ञापन सौंप कर बताया कि मंत्री गौतम दक ने डूंगला थाना अधिकारी सहित अन्य पुलिसकर्मियों से अभद्र भाषा में बात की. इसका ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है. मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी के निर्देश पर डूंगला थाना अधिकारी ने मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है. डूंगला मंडल अध्यक्ष ललित पुष्करणा ने कहा कि इस घटना से पुलिस विभाग का मनोबल प्रभावित हुआ है. दोषियों पर

सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो कानून व्यवस्था पर विपरीत असर पड़ेगा. पुलिसकर्मियों के सम्मान और कानून के राज के लिए निष्पक्ष कार्रवाई जरूरी है. इधर, प्रकाश जाट मेवदा ने कहा कि वायरल ऑडियो से प्रदेश भर में आक्रोश है. एक जनप्रतिनिधि की और से कर्तव्यनिष्ठ पुलिसकर्मियों के प्रति ऐसी भाषा निंदनीय है. उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री दक पहले भी इस तरह का व्यवहार कर चुके हैं. सीतामाता मेले के दौरान वन विभाग अधिकारी से भी कथित अभद्रता की गई थी, लेकिन तब कार्रवाई नहीं हुई. प्रदर्शनकारियों ने मांग की है कि मंत्री गौतम दक का वॉयस सैंपल लेकर एफएसएल जांच करवाई जाए, जिससे वायरल ऑडियो की तकनीकी पुष्टि हो सके. दर्ज प्रकरण में त्वरित कार्रवाई कर गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए. चेतावनी दी कि शीघ्र कानूनी कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस पार्टी और क्षेत्रवासी प्रदेशव्यापी आंदोलन करेंगे.

डबल इंजन नहीं, डबल इंतज़ारशास्त्र चल रहा है- गहलोत

जयपुरः राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र और राज्य सरकार पर विकास परियोजनाओं में देरी को लेकर तीखा हमला बोला है. सोशल मीडिया मंच एक्स पर की गई अपनी पोस्ट में गहलोत ने डबल इंजन सरकार पर कटाक्ष करते हुए इसे डबल इंतज़ारशास्त्र करार दिया. गहलोत ने कहा कि योजनाओं और परियोजनाओं में लगातार हो रही देरी का सीधा असर आम जनता और सरकारी खजाने पर पड़ रहा है.उन्होंने लिखा कि इंतज़ारशास्त्र के जरिए राज्य सरकार को जगाने का प्रयास किया गया है ताकि यह समझाया जा सके कि परियोजनाओं में देरी केवल प्रशासनिक समस्या नहीं, बल्कि जनता की जेब पर भारी पड़ने वाला मुद्दा है.

पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि यह समस्या केवल राजस्थान तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में बड़े पैमाने पर देखने को मिल रही है. उन्होंने केंद्र सरकार की परियोजनाओं का हवाला देते हुए कहा कि देशभर में चल रहे 1981 प्रोजेक्ट्स में से अधिकांश देरी का शिकार हैं, जिसके कारण उनकी

लागत करीब 5.65 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ चुकी है.गहलोत ने कहा कि राजस्थान में वर्तमान में 81 बड़े प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं, जिनमें से 53 परियोजनाएं निर्धारित समय से पीछे चल रही हैं, जबकि 10 परियोजनाओं का बजट बढ़ चुका है. उन्होंने विशेष रूप से एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड की राजस्थान रिफाइनरी परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह प्रोजेक्ट वर्ष 2022 तक पूरा होना था, लेकिन अब इसकी समयसीमा 2026 तक पहुंच गई है.

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि इन परियोजनाओं को समय पर शुरू और पूरा किया जाता तो बढ़ी हुई लागत के रूप में खर्च हो रही हजारों करोड़ रुपये की राशि जनता के कल्याण और विकास कार्यों में इस्तेमाल की जा सकती थी.उन्होंने केंद्र सरकार की डबल इंजन अवधारणा पर निशाना साधते हुए लिखा कि यह व्यवस्था जनता पर डबल मार साबित हो रही है.

सुडोकू-64

1		4		9	6			
	6		4					
	5	9	8	3	1	4	6	
5		8	6				1	3
		6	1		3	8		
3	9				5	2		6
	8	7	9	6	2	1	3	
					4		8	
			5	7		9		4

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें.
उत्तर अगले अंक में

सूडोकू -63 का उत्तर

9	4	6	1	7	5	3	8	2
7	2	3	6	4	8	9	5	1
5	1	8	9	2	3	6	4	7
2	5	1	4	3	7	8	6	9
8	3	4	2	6	9	1	7	5
6	9	7	8	5	1	2	3	4
3	8	2	5	9	4	7	1	6
1	6	5	7	8	2	4	9	3
4	7	9	3	1	6	5	2	8

युवा शक्ति माथापच्ची- 85

1	2	■	■	3		4	■	5
■	6	7			■	8	9	
10	■		■	11	12	■		■
13		■	14	■	15			16
	■	■	17			■	■	
18	19			■		■	20	
■		■	21	22	■	23	■	
24		25	■	26			27	■
	■	28			■	■	29	

● **बाएं से दाएं**

1. आक्रमण, 3. विक्रय, 6. समान, बराबर, जैसा, 8. निवास करना, टिकना, 11. दिनकर, 13. केश, 15. रुपांतरित, 17. खिचड़ी, 18. बातें करना, गप मारना, 20. कल्पना, मन में उत्पन्न विचार, दर, 21. कोलाहल, विलास, लगाम, 24. समाप्त करना, पीटना, ठोंकना, 26. भिड़ना, आपस में लड़ना, उलझना, 28. पैरों की एक़ क्रिया, दूरी तय करना, रिवाज होना, 29. बेल, एक गायिका,

● **उपर से नीचे**

2. निवास, रहना, 3. आधारहीन, 4. गला, गाय का बछड़ा, नारी, 5. प्रस्थान करना, गमन करना, 7. इन्कार, निषेध, 9. हटना, संहार, 10. पूरा भरा, छलकता हुआ, 12. उलट, विलोम, 14. लाल, सुर्खी लिए हुए, 16. बड़ा वृक्ष, 19. अंधकार, 22. चिपकना, मार-पीट करना, 23. नाड़ा, हड़ताल में शब्दघोष, 24. स्त्री जाति, 25. नृत्य, 27. कमल की डंडी, घोड़ों की टाप.

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची- 84 का हल

ऋ	ण	प	रि	शो	ध	न	■	नि
णा	■	■	पु	■	नी	■	का	क
त्म	■	प्र	■	जा	■	सा	हि	ल
क	ल्या	ण	का	री	■	हि	ल	ना
■	■	क	■	■	■	त्य	■	■
आ	का	र	■	आँ	ख	का	ता	रा
म	र	ना	■	च	■	र	■	म
र	ण	■	जा	■	आं	■	■	बा
ण	■	अ	प	रा	धी	क	र	ण

'असली तृणमूल' बनाने की कोशिश में 50 असंतुष्ट विधायक!

क्या अब बंगाल में भी दिखाई दे रही है महाराष्ट्र की छाया?

कोलकाता : हाल ही में संपन्न हुए 2026 विधानसभा चुनावों के बाद तृणमूल कांग्रेस में एक तरह का भूचाल आ गया है. विधानसभा में विपक्ष के नेता के चुनाव से जुड़े जाली हस्ताक्षरों के गंभीर आरोपों और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ अभूतपूर्व विद्रोह ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है. पार्टी से निष्कासित नेताओं के नेतृत्व में कम से कम 50 असंतुष्ट विधायक कथित तौर पर एक 'वास्तविक तृणमूल' बनाने की दिशा में कदम उठा रहे हैं. इस अशांत स्थिति में, महाराष्ट्र की शिवसेना या एनसीपी की तरह पार्टी विखंडन की आशंका बंगाल की राजनीति में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी है. विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस के मुख्य विपक्षी नेता के चुनाव के दौरान समस्या शुरू हुई. पार्टी के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के एक पत्र के आधार पर यह जानकारी दी गई कि विजयी विधायकों ने वरिष्ठ नेता शोभंदेव चटर्जी को सर्वसम्मति से विपक्ष का नेता चुना है. इस संबंध में विधायकों के नाम और हस्ताक्षर वाला एक प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया गया. लेकिन फिर गंभीर आरोप लगे कि प्रस्ताव पर कई विधायकों के हस्ताक्षर जाली थे. एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए, राज्य सरकार ने इस आरोप की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है. बताया जा रहा है कि सीआईडी के अधिकारी पार्टी के अखिल भारतीय महासचिव समेत कई विधायकों के आवास पर हस्ताक्षर सत्यापित करने के लिए पहुंचे. फर्जी हस्ताक्षर विवाद के सामने आते ही पार्टी के भीतर दबा हुआ गुस्सा खुलकर सामने आ गया. रविवार को पार्टी नेता ममता बनर्जी द्वारा बुलाई गई एक महत्वपूर्ण बैठक में यह गुस्सा साफ तौर पर दिखाई दिया. पार्टी सूत्रों के अनुसार, तृणमूल के नव निर्वाचित 80 विधायकों में से केवल 20 ही बैठक में उपस्थित थे. राजनीतिक हलकों में शेष 60 विधायकों की इस सामूहिक अनुपस्थिति को शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ एक बड़ा मौन विद्रोह माना जा रहा है. स्पष्ट है कि विधायकों का एक बड़ा वर्ग विपक्ष के नेता के चयन की इस प्रक्रिया को किसी भी तरह से स्वीकार नहीं कर पा रहा है. इस अराजक स्थिति में, हाल ही में निष्कासित नेता ऋतब्रता बनर्जी और संदीपान साहा पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोपों के चलते मैदान में उतर आए हैं. पता चला है कि पिछले 48 घंटों से वे पार्टी के असंतुष्ट विधायकों के साथ बेहद गुप्त रूप से संपर्क में हैं. सूत्रों के अनुसार, इन बागी नेताओं को आखिरकार 50 से अधिक विधायकों का समर्थन मिल गया है. यह नया समूह इन विधायकों द्वारा हस्ताक्षरित पत्र विधानसभा अध्यक्ष को सौंपने की योजना बना रहा है, जिसमें ऋतब्रता बनर्जी को पार्टी का आधिकारिक नेता बताया गया है. संदीपान साहा ने मीडिया के सामने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा, हमने पार्टी के भीतर केवल मुखबिर के रूप में काम किया है. राजनीतिक हलकों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों से तृणमूल खेमे में कालीघाट बनाम कैमक स्ट्रीट और नया बनाम पुराना जैसे विवाद स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं. मौजूदा हालात में, हाल ही में चुनाव हारे कई नेता भी अभिषेक के खिलाफ खुलकर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं. कुछ नाराज लोगों का मानना है कि जिस दिन अभिषेक दादा से बॉस बने, उसी दिन पार्टी के ताबूत में आखिरी कील ठोक दी गई. इसके अलावा, अभिषेक का सीआईडी के समन में पेश न होना, जनता के गुस्से का सामना करना और रानी रश्मोनी रोड पर ममता के धरने के लिए अनुमति न मिलना जैसी घटनाओं ने पार्टी को और भी पीछे धकेल दिया है. अतीत में, तृणमूल प्रमुख ने बार-बार शिकायत की थी कि बंगाल में भी वही कोशिश की जा सकती है जो भाजपा ने महाराष्ट्र में पार्टी को विभाजित करके की थी. लेकिन अब, पार्टी के आंतरिक संघर्ष तृणमूल के लिए बाहरी ताकतों से भी बड़ा खतरा बन गए हैं. भाजपा में सीधे शामिल होने का रास्ता फिलहाल बंद होने के कारण, शिवसेना के एकनाथ शिंदे या एनसीपी के अजीत पवार जैसे असंतुष्ट नेता पार्टी के नाम और चिन्ह को अपना बताकर असली तृणमूल की थ्योरी को मजबूत कर रहे हैं. कुल मिलाकर, राज्य की राजनीति में अब सिर्फ एक ही सवाल है - क्या महाराष्ट्र की छाया बंगाल की राजनीति को पूरी तरह से निगल जाएगी? और अगर ऐसा होता है, तो कालीघाट या कैमक स्ट्रीट की सीमाओं से परे बंगाल की राजनीति में एकनाथ शिंदे कौन होगा?

जेईई एडवांस्ड 2026 परीक्षा में रूबी पार्क पब्लिक स्कूल की शानदार सफलता

युवा शक्ति न्यूज/कोलकाता: रूबी पार्क पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने जेईई एडवांस्ड 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है. इस सफलता के अग्रदूत सम्प्रित दत्ता रहे, जिन्होंने अखिल भारतीय स्तर (एआईआर) 2473 प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया. उनकी यह उपलब्धि निरंतर परिश्रम, दृढ़ इच्छाशक्ति और लक्ष्य के प्रति समर्पण का परिणाम है. आरुष ने भी अखिल भारतीय स्तर (एआईआर) 4911 हासिल कर अपनी असाधारण क्षमता का परिचय दिया. इसके अलावे कबीर अहमद ने अखिल भारतीय स्तर (एआईआर) 25613 तथा अर्श जोशी ने एससी श्रेणी में अखिल भारतीय स्तर (एआईआर) 91 प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया. इससे पूर्व जेईई मेन्स (जी मेंस) 2026 में भी विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया था. कुल 12 विद्यार्थियों ने 92% प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, जिनमें सम्प्रित दत्ता ने 99.93% प्रतिशत और आरुष ने 99.48% प्रतिशत अर्जित की थी. इन उत्कृष्ट परिणामों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा, कठोर परिश्रम और विद्यालय में विकसित उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण को पुनः प्रमाणित किया है. विद्यालय प्रबंधन ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है.

भारत और म्यांमार में आर्थिक, सुरक्षा सहयोग तथा संपर्क सुविधाओं के विस्तार पर बनी सहमति

नई दिल्लीः भारत और म्यांमार ने दोनों देशों के बीच आर्थिक और सुरक्षा सहयोग तथा संपर्क सुविधाओं के विस्तार पर सहमति व्यक्त की है. आधारभूत परियोजनाओं लागू करने तथा व्यापार और द्विपक्षीय सहयोग में बढ़ोतरी का भी फैसला किया गया. इसके साथ ही पड़ोसी देश की ओर से आश्वासन दिया गया है कि भारत के सुरक्षा हितों के खिलाफ उसकी भूमि का उपयोग नहीं होने दिया जाएगा. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग के बीच सोमवार को दिल्ली के हैदराबाद हाउस में व्यापक द्विपक्षीय वार्ता हुई. चर्चा में व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, सीमा प्रबंधन, विकास सहयोग, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और क्षेत्रीय स्थिति पर विचार-विमर्श किया गया. दोनों देशों ने स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अंतरिक्ष क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई. दोनों पक्षों ने लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए कनेक्टिविटी को महत्वपूर्ण माना. इसके तहत कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट को शीघ्र पूरा करने और भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग के कालेवा-यागी खंड के जल्द निर्माण पर भी बल दिया गया. वार्ता के बाद विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने मंत्रालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग की आधिकारिक यात्रा ने म्यांमार और भारत के बीच दीर्घकालिक मित्रता और घनिष्ठ साझेदारी की पुष्टि की और दोनों देशों के पारस्परिक लाभ के लिए सहयोग को और मजबूत करने की दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाया. राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग ने भारत में अपने प्रवास के दौरान उन्हें और उनके प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को दिए गए गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया. राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आपसी सहमति से तय की गई तारीखों पर म्यांमार आने का निमंत्रण भी दिया. म्यांमार के छात्रों के लिए मेकांग गंगा आईसीसीआर छात्रवृत्ति की संख्या 2026 से 36 से बढ़ाकर 100 कर दी है. दोनों पक्षों ने रुपये-क्यात निपटान तंत्र सहित द्विपक्षीय व्यापार को सुगम बनाने और बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की और मई 2024 में इसके संचालन के बाद से दर्ज किए गए लेन-देन की मात्रा में निरंतर वृद्धि की सराहना की. दोनों पक्षों ने अपने-अपने राष्ट्रीय कानूनों और विनियमों के अनुसार कृषि-प्रसंस्करण, पेट्रोलियम, ऊर्जा, खनन क्षेत्रों जैसे पारस्परिक हित के क्षेत्रों में घनिष्ठ व्यापार और निवेश सहयोग के लिए भी समर्थन व्यक्त किया. दोनों देशों के बीच चर्चाओं में व्यापार और आर्थिक संबंध, रक्षा और सुरक्षा, सीमा प्रबंधन, विकास सहायता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान सहित द्विपक्षीय सहयोग के कई विषय शामिल रहे. दोनों पक्षों ने विभिन्न द्विपक्षीय समझौतों और समझौता ज्ञापनों पर चल रही चर्चाओं का उल्लेख किया और उनके शीघ्र समापन की आशा व्यक्त की. राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग 30 मई से 3 जून तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं. अप्रैल 2026 में पद संभालने के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा है. मूल रूप से उन्हें 'इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस' शिखर सम्मेलन में भाग लेना था, लेकिन सम्मेलन स्थगित होने के बाद इस अवसर का उपयोग द्विपक्षीय वार्ता के लिए किया गया. म्यांमार के राष्ट्रपति के साथ एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है. इसमें पाँच कैबिनेट मंत्री, तीन उपमंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं. वार्ता के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी ने शांति, स्थिरता, राष्ट्रीय सुलह और सामाजिक-आर्थिक विकास की दिशा में म्यांमार के नेतृत्व में किए जा रहे प्रयासों के प्रति समर्थन व्यक्त किया. उन्होंने दोनों देशों के बीच आपसी सम्मान और मैत्रीपूर्ण संबंधों के आधार पर निरंतर सहायता और सहयोग की पेशकश भी की. राष्ट्रपति ने भारत के रचनात्मक समर्थन और सहयोग की सराहना की. प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि बेहतर संपर्क व्यवस्था से क्षेत्र में पारस्परिक लाभकारी आर्थिक संबंध और साझा समृद्धि को बढ़ावा मिलेगा. प्रधानमंत्री ने पुष्टि की कि भारत, म्यांमार के एक दृढ़ और विश्वसनीय सहयोगी के रूप में दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध है.

अन्तर्राष्ट्रीय साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था रचनाकार द्वारा काव्यगोष्ठी का आयोजन

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता : विगत शनिवार दिनांक 30 मई 2026 को अन्तर्राष्ट्रीय साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था रचनाकार द्वारा दिल्ली से पधारे सुप्रसिद्ध कवि एवं पुलिस अधिकारी श्री मनीष मधुकर जी के स्वागत में एक अंतरंग काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया. इस अवसर पर भारत के पहले हिन्दी समाचार पत्र उदण्ड मार्तण्ड के प्रकाशन के 200 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में पत्रकारिता पर भी चर्चा हुई. वरिष्ठ पत्रकार राज मिठौलिया जी, एस. आनंद जी, अभिज्ञात जी और संस्था अध्यक्ष सुरेश चौधरी जी ने इस विषय पर अपने विचार रखे. कार्यक्रम के प्रथम सत्र का संचालन सुरेन्द्र सिंह जी एवं द्वितीय सत्र का संचालन भारती मिश्रा जी ने किया. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनीष मधुकर जी और विशिष्ट अतिथि डॉ अभिज्ञात जी एवं उत्तर प्रदेश से पधारे अखंड प्रताप सिंह गहमरी जी थे. विद्या भण्डारी, अभिज्ञात, भारती मिश्रा, आलोक चौधरी, चंदा प्रहलादका, मनीष मधुकर, सुरेन्द्र सिंह, अखंड प्रताप सिंह 'गहमरी', मीतू कानोड़िया, प्रणति ठाकुर, विश्वजीत ठाकुर, सुधा द्विवेदी मिश्रा, शशि सराफ, सीमा शर्मा, वी. अरुणा और राधा गुप्ता ने काव्यपाठ किया.यह कार्यक्रम स्योना एक्सपीरियंस कैफे, कोलकाता में रखा गया था.

नीति आयोग की बैठक से पहले मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सभी विभागों से मांगी रिपोर्ट

कोलकाताः मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने आगामी 11 जून को नई दिल्ली में होने वाली नीति आयोग की बैठक से पहले राज्य सरकार के सभी विभागों की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है. मुख्यमंत्री ने सभी विभागों के सचिवों को पांच जून तक अपनी-अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है. नवान्न सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री नीति आयोग की बैठक में पश्चिम बंगाल की समग्र स्थिति, विकास योजनाओं और वित्तीय आवश्यकताओं को प्रमुखता से उठाने की तैयारी कर रहे हैं. इसी उद्देश्य से उन्होंने राज्य के सभी विभागों की कार्यप्रणाली, उपलब्धियों, चुनौतियों और आवश्यकताओं का विस्तृत ब्यौरा मांगा है. सूत्रों का कहना है कि वर्तमान राज्य सरकार का मानना है कि पिछले 15 वर्षों में पूर्ववर्ती सरकार की कथित असहयोगपूर्ण नीति के कारण राज्य को केंद्र से मिलने वाले कई वित्तीय लाभ और अधिकार पूरी तरह नहीं मिल सके. अब सरकार का ध्यान केंद्र से राज्य के बकाया और वैध हिस्से को प्राप्त करने पर है. इसी दिशा में मुख्यमंत्री सक्रिय रूप से पहल कर रहे हैं. सरकारी सूत्रों के मुताबिक, नीति आयोग की बैठक में विभिन्न विकास परियोजनाओं, केंद्रीय सहायता, अनुदान और वित्तीय आवंटन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हो सकती है. माना जा रहा है कि जून के अंत में राज्य सरकार अपना पूर्ण बजट पेश कर सकती है. ऐसे में यदि राज्य अधिक केंद्रीय सहायता प्राप्त परियोजनाओं से जुड़ने में सफल होता है तो वित्तीय बोझ काफी हद तक कम हो सकता है, क्योंकि अधिकांश योजनाओं में केंद्र सरकार की हिस्सेदारी कम से कम 50 प्रतिशत होती है. राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में यह भी चर्चा है कि नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक लाहिरी के साथ मुख्यमंत्री के अच्छे संबंध राज्य के लिए अतिरिक्त लाभ दिलाने में सहायक हो सकते हैं. सरकार उम्मीद कर रही है कि बैठक के दौरान पश्चिम बंगाल के हितों से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों को मजबूती से रखा जा सकेगा. उल्लेखनीय है कि सोमवार को राज्य मंत्रिमंडल के विस्तार के तहत 35 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली है, लेकिन अभी तक विभागों का बंटवारा नहीं हुआ है. सामान्य परिस्थितियों में संबंधित विभागों की रिपोर्ट तैयार करने और प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी मंत्रियों की होती है. हालांकि, विभागों के आवंटन में समय लगने और पांच जून की समय-सीमा निकट होने के कारण फिलहाल यह जिम्मेदारी विभागीय सचिवों को सौंपी गई है. मुख्यमंत्री इन रिपोर्टों के आधार पर राज्य की प्राथमिकताओं और आवश्यकताओं का विस्तृत खाका तैयार कर नीति आयोग की बैठक में भाग लेने वाले हैं, जहां पश्चिम बंगाल के लिए अधिक वित्तीय सहायता और विकास परियोजनाओं को मंजूरी दिलाने पर विशेष जोर दिया जाएगा.

डायमंड हार्बर नगर पालिका बोर्ड भंग, 9 टीएमसी पार्षदों ने दिया इस्तीफा

कोलकाता: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में करारी शिकस्त झेलने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के पैर उखड़ते जा रहे हैं. पार्टी के लिए अब तक का सबसे बड़ा और आत्मघाती झटका तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के संसदीय क्षेत्र डायमंड हार्बर से आया है. सोमवार को डायमंड हार्बर नगर पालिका का बोर्ड पूरी तरह से भंग कर दिया गया. यह प्रशासनिक और राजनीतिक फैसला टीएमसी के 9 पार्षदों के सामूहिक इस्तीफे के बाद लिया गया है. इसके बाद इस नगर निकाय की सत्ता टीएमसी के हाथ से निकलकर सरकारी नियंत्रण में चली गयी है. डायमंड हार्बर को अभिषेक बनर्जी का अभेद्य किला माना जाता था. वे अक्सर अपने 'डायमंड हार्बर मॉडल' का ढिंढ़ोरा पीटते थे. लेकिन इस बार अपनों ने ही इस मॉडल की धज्जियां उड़ा दी हैं. कुल 16 वार्डों वाली इस नगर पालिका में बगावत की शुरुआत 25 मई को ही हो गयी थी. उस दिन 8 पार्षदों ने एक साथ इस्तीफा दे दिया था. इसके बाद बचे-खुचे बोर्ड को बचाने की कोशिशें नाकाम रहीं और रविवार (31 मई) को नौवें पार्षद ने भी इस्तीफा दे दिया. दो-तिहाई बहुमत से ज्यादा पार्षदों के पद छोड़ते ही राज्य के शहरी विकास और नगर मामलों के विभाग ने बोर्ड को भंग करने का आदेश जारी कर दिया. डायमंड हार्बर के सब-डिवीजनल ऑफिसर अयान दत्तागुप्ता ने बतौर प्रशासक नगर पालिका की कमान संभाल ली है. आमतौर पर चुनावों के बाद दलबदल राजनीतिक महत्वाकांक्षा के लिए होता है, लेकिन डायमंड हार्बर के पार्षदों ने जो कारण बताये हैं, वे टीएमसी के शीर्ष नेतृत्व को कटघरे में खड़ा करते हैं. पार्षदों का आरोप है कि बोर्ड के भीतर बड़े पैमाने पर पैसों का हेरफेर और वित्तीय भ्रष्टाचार हो रहा था, जिसकी शिकायत करने के बावजूद कोलकाता में बैठे बड़े नेताओं ने कोई सुध नहीं ली. वार्ड 7 के तमाल हालदार जैसे बागी विधायकों ने खुल्लमखुल्ला आरोप लगाया है कि नगर पालिका को चेयरमैन नहीं, बल्कि पुलिस चला रही थी.

सीता नवमी उत्सव नहीं श्रद्धा, समर्पण की प्रतीक है: अशोक झा

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता : वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को जनकनंदिनी और प्रभु श्रीराम की प्राणप्रिया, सर्वमंगलदायिनी और पतिव्रताओं में शिरोमणि मां सीता का प्राकट्य हुआ. विदित हो की यह पावन दिन जानकी नवमी या सीता नवमी के नाम से विख्यात है. बंगाल विधानसभा चुनाव के कारण इस वर्ष मिथिला विकास परिषद एवं मिथिला महिला मंच ने यह शुभ पर्व विगत 25 अप्रैल को पूजा अर्चना के संग पालन किया गया था और चुनावी उथल पुथल को ध्यान में रख कर जानकी शोभायात्रा का आयोजन रविवार 31 मई, 2026 को निकाला गया. शोभायात्रा के दौरान मिथिला वासियों के संग अन्य समाज के लोगों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया. ऐसी मान्यता है की उक्त दिन भगवान श्रीराम सहित मां जानकी का विधिपूर्वक व्रत-पूजन करने से पृथ्वी दान और समस्त तीर्थों के दर्शन का पुण्य फल के संग श्रद्धालुओं का दुख, रोग और संतापों से मुक्ति मिलती है. जानकी शोभायात्रा के पूर्व आयोजित जनसभा की अध्यक्षता मिथिला विकास परिषद के अध्यक्ष अशोक झा एवं संचालन अरुण झा ने किया. विशिष्ट अतिथि के रूप में राजनेताओं, बुद्धिजीवी मंच पर पूर्व रेलवे के मुख्य वाणिज्य अधिकारी डॉ उदय शंकर झा के अलावा श्रीमती शैल झा श्रीमती रूपा चौधरी, नारायण ठाकुर, पवन ठाकुर, राजगिरी सिंह, संजय उपाध्याय, रघुनाथ चौधरी आदि उपस्थित थे. मौके पर उपस्थित अतिथियों ने मैया सीता की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा की वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को जनक नंदिनी और प्रभु श्रीराम की प्राणप्रिया, सर्वमंगलदायिनी और पतिव्रताओं में शिरोमणि मां सीता मैया प्राकट्य हुयी थी और उक्त पावन दिन जानकी नवमी या सीता नवमी के नाम से विख्यात है. मौके पर उपस्थित अतिथियों ने मैया सीता की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा की सीता नवमी केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि श्रद्धा और समर्पण का प्रतीक है. इस दिन मां सीता के प्राकट्य का स्मरण कर भक्त उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेते हैं. यह पर्व स्त्री शक्ति, पवित्रता और धैर्य का संदेश देता है. मौके पर मिथिला विकास परिषद के अध्यक्ष अशोक झा ने पश्चिम बंगाल सरकार से आग्रह किया की सरकार राम नवमी के तर्ज पर जानकी नवमी के दिन को सामूहिक अवकाश दिवस के रूप में घोषित करे संग ही झा ने भारत सरकार के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया की मैया सीता के प्राकट्य दिवस को महिला दिवस के रूप में घोषित करे. मौके पर मिथिलावासियों के संग अन्य समाज के लोगों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया. शोभायात्रा के पूर्व श्रीमती शैल झा, श्रीमती आशा झा श्रीमती रूपा चौधरी, श्रीमती दुर्गा देवी झा, श्रीमती ममता झा, के द्वारा कविपति विद्यापति रचित भगवती वंदना प्रस्तुत किया गया.जानकी शोभायात्रा में उपस्थित लोगों के द्वारा जय जय सिया राम और जानकी मैया की जयकारा से सम्पूर्ण वातावरण मिथिलमय हो गया. एक ही रंग की साड़ी में सुसज्जित बज रहे ढाक आकर्षण का केन्द्र था.जानकी शोभायात्रा के अग्र भाग में क्रमशः दो घोड़ों पर सुश्री भारत माता के रूप में खुशी सहनी और नेताजी सुभाष बोस के रूप में सुमित झा के अलावा मैथिली और हिन्दी साहित्य जगत के राष्ट्रीय महान कवि, लेखकों, से सुसज्जित टेबलों के संग रंग बिरंगे रथों पर मैया सीता के रूप में सुश्री तनु सिंह, प्रभु राम के रूप में ब्रजेश तिवारी, हनुमान श्रेयश टंडन, शिव के रूप में सुश्री अंजली सिंह पार्वती के रूप में सुश्री मोनी सिंह, गणेश के रूप में मास्टर गोपाल झा रथ पर सवार थे. कविपति विद्यापति के संग बाल्य काल की सीता के रूप में सुश्री अंशिका थी. कार्यक्रम की मुख्य संयोजिका श्रीमती शैल झा के द्वारा सम्पूर्ण रास्तों में भक्तजनों के बीच प्रसाद वितरण किया गया. कार्यक्रम के दौरान, पवन ठाकुर रघु नाथ चौधरी, अशोक झा द्वितीय, नवल मंडल, रमेश झा,समर बनर्जी लाल, पोषणजित सिंह, मदन चौधरी, शक्ति सिन्हा, प्रभात झा, रमेश झा, बिनय भूषण, कामेश्वर झा कमल,चन्द्रदीप झा श्रीमती बीणा ठाकुर, श्रीमती ममता झा, श्रीमती सुनीता झा, श्रीमती संगीता झा, श्रीमती अनामिका झा, नवो नाथ मिश्रा, लालू झा समेत श्री राम सेना, पश्चिम बंगाल एवं यूथ क्लब के सदस्य वृंद उपस्थित थे.

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा–प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट– सलप, थाना–डोमजूर, जिला–हावड़ा–711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई–मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन